# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

## मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

**मा. विशेष महासभा दि. २०/०२/२०२०**

**आज गुरुवार दि. २०/०२/२०२० रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. विशेष महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०५ दि. १४/०२/२०२० रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.**

**उपस्थित सदस्य**

| | | |
|---|---|---|
| १) | डिम्पल विनोद मेहता | महापौर |
| २) | चंद्रकांत सिताराम वैती | उपमहापौर |
| ३) | पाटील रोहिदास शंकर | सभागृह नेता |
| ४) | पाटील प्रविण मोरेश्वर | विरोधी पक्षनेता |
| ५) | भोईर सुनिता शशिकांत | सदस्या |
| ६) | शाह रिटा सुभाष | सदस्या |
| ७) | तिवारी अशोक सूर्यदेव | सदस्य |
| ८) | पांडेय पंकज सूर्यमणि | सदस्य |
| ९) | गोहिल शानू जोरावर सिंह | सदस्या |
| १०) | कांगणे मीना यशवंत | सदस्या |
| ११) | सिंह मदन उदितनारायण | सदस्य |
| १२) | शेट्टी गणेश गोपाळ | सदस्य |
| १३) | कदम अर्चना अरुण | सदस्या |
| १४) | नलावडे दिनेश दगडु | सदस्य |
| १५) | भोईर गणेश गजानन | सदस्य |
| १६) | पाटील प्रभात प्रकाश | सदस्या |
| १७) | गुप्ता कुसुम संतोष | सदस्या |
| १८) | पाटील धनेश परशुराम | सदस्य |
| १९) | पाटील वंदना मंगेश | सदस्या |
| २०) | रावल मेघना दिपक | सदस्या |
| २१) | शाह राकेश रतिशचंद्र | सदस्य |
| २२) | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार | सदस्य |
| २३) | धृवकिशोर मन्साराम पाटील | सदस्य |
| २४) | जैन गीता भरत | सदस्या |
| २५) | जैन सुनिता रमेश | सदस्या |
| २६) | भूप्ताणी रक्षा सतीश (शाह) | सदस्या |
| २७) | मोकाशी दिपाली आनंदराव | सदस्या |
| २८) | व्यास रवि वासुदेव | सदस्य |
| २९) | रकवी वैशाली गजेंद्र | सदस्य |
| ३०) | अग्रवाल सुशील गोपीकिशन | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ३१) | खंडेलवाल सुरेश जगदीश | सदस्य |
| ३२) | परदेशी गिता हरीश | सदस्या |
| ३३) | पाटील नरेश तुकाराम | सदस्य |
| ३४) | शेख अमजद गफार | सदस्य |
| ३५) | घरत तारा विनायक | सदस्या |
| ३६) | पांडे स्नेहा शैलेश | सदस्या |
| ३७) | आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र | सदस्य |
| ३८) | शिर्के अनंत गेणू | सदस्य |
| ३९) | पाटील वंदना विकास | सदस्या |
| ४०) | पाटील संध्या प्रफुल्ल | सदस्या |
| ४१) | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश | सदस्या |
| ४२) | शेट्टी अरविंद आनंद | सदस्य |
| ४३) | गहलोत हसमुख मोहनलाल | सदस्य |
| ४४) | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी) | सदस्या |
| ४५) | थेराडे संजय अनंत | सदस्य |
| ४६) | मुखर्जी अनिता बबलू | सदस्या |
| ४७) | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर | सदस्या |
| ४८) | पारधी सुजाता यशवंत | सदस्या |
| ४९) | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ | सदस्य |
| ५०) | यादव मिरादेवी रामलाल | सदस्या |
| ५१) | म्हात्रे मोहन गोपाळ | सदस्य |
| ५२) | सोनार सुरेखा प्रकाश | सदस्या |
| ५३) | भोईर विणा सुर्यकांत | सदस्या |
| ५४) | भोईर कमलेश यशवंत | सदस्य |
| ५५) | पाटील अनिता जयवंत | सदस्या |
| ५६) | भोईर भावना राजू | सदस्या |
| ५७) | भोईर राजू यशवंत | सदस्य |
| ५८) | मांजरेकर आनंद दत्ताराम | सदस्य |
| ५९) | अरोरा दीपिका पंकज | सदस्या |
| ६०) | बेलानी हेमा राजेश | सदस्या |
| ६१) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | सदस्य |
| ६२) | गजरे दौलत तुकाराम | सदस्य |
| ६३) | नाईक विविता विवेक | सदस्या |
| ६४) | सोंस नीला बर्नाड | सदस्या |
| ६५) | राय विजयकुमार सिस्थन नारायण | सदस्य |
| ६६) | शेख रुबीना फिरोझ | सदस्या |
| ६७) | डिसा मर्लिन मर्विन | सदस्या |
| ६८) | सावंत अनिल दिवाकर | सदस्य |
| ६९) | मेहरा राजीव ओमप्रकाश | सदस्य |
| ७०) | परमार हेतल रतिलाल | सदस्या |
| ७१) | कासोदारिया अश्विन शामजीभाई | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ७२) | जैन दिनेश तेजराज | सदस्य |
| ७३) | भावसार वंदना संजय | सदस्या |
| ७४) | शाह सीमाबेन कमलेश | सदस्या |
| ७५) | दुबे मनोज रामनारायण | सदस्य |
| ७६) | विराणी अनिल रावजीभाई | सदस्य |
| ७७) | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला | सदस्य |
| ७८) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम | सदस्य |
| ७९) | भोईर जयेश भानुदास | सदस्य |
| ८०) | म्हात्रे नयना गजानन | सदस्या |
| ८१) | भानुशाली वर्षा गिरधर | सदस्या |
| ८२) | म्हात्रे विनोद काशिनाथ | सदस्य |
| ८३) | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट | सदस्या |
| ८४) | बांड्या एलायस दुमिंग | सदस्य |

गैरहजर सदस्य -

| | | |
|---|---|---|
| १) | ढवण निलम हरीश्चंद्र | सदस्या |
| २) | जैन राजेंद्र भवरलाल | सदस्य |
| ३) | रॉड्रीकस मोरस जोसेफ | सदस्य |
| ४) | परेरा कॅटलीन एन्थोनी | सदस्या |
| ५) | सय्यद नुरजाहाँ नाझर हुसेन | सदस्या |
| ६) | पाटील जयंतीलाल गुरूनाथ | सदस्य |
| ७) | म्हात्रे परशुराम पदमाकर | सदस्य |
| ८) | भट दीप्ती शेखर | सदस्या |
| ९) | सपार उमा विश्वनाथ | सदस्या |
| १०) | अहमद साराह अकरम | सदस्या |
| ११) | गोविंद हेलन जॉर्जी | सदस्या |

रजेचा अर्ज - निरंक

**मा. महापौर :-**

सभेला सुरुवात करावी.

**नगरसचिव :-**

मा. पिठासीन अधिकाऱ्यांच्या परवानगीने या सुचनेद्वारा आपणांस कळविण्यात येते मिरा भाईंदर महानगपालिकेची मा. विशेष महासभा गुरुवार दि. २०/०२/२०२० रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालि का, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ०५ मधील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. प्रकरण क्र. 84, मेट्रो-९ या कामांतर्गत मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणास कास्टींग यार्ड, कॉक्रीट बँचिंग प्लाट, कामगार निवासस्थाने, कार्यालये यासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात जागा उपलब्ध करुन देणेबाबत.

**धृवकिशोर पाटील :-**

महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब आज पहिल्यांदा आपल्या महासभेत आलेले आहेत तरी कृपया त्यांची ओळख सगळ्यांना करुन त्यांचा अभिनंदन करुया.

**मा. आयुक्त :-**

**मी चंद्रकांत डांगे 2010 चा आय.एस.ऑफीसर मी मागील पोस्टींग जॉईंड सेक्रेटरी , सामान्य प्रशासन विभागात होतो. मी नागपूर, गडचिरोली, मुंबई, ठाणे, मंत्रालय, जळगाव ह्या विविध ठिकाणी काम केलेलं आहे.**

**धृवकिशोर पाटील :-**

**धन्यवाद साहेब मिरा भा ईंदर शहरामध्ये स्वागत आहे आणि आपण खूप चांगल काम ह्या शहरामध्ये करुन दाखवणार ह्या बद्दल तीळमात्र शंका नाही . मिरा भाईंदरचे सगळे नगरसेवक तुमच्या बरोबर राहतील. इवन तुमचे एक पाऊल पुढे आहेत.**

**दिनेश नलावडे :-**

**महापौर मॅडम, सभा सुरु होण्याच्या अगोदर मिरा भाईंदर महा नगरपालिकेचे नवनिर्वाचित मा. आयुक्त चंद्रकांत डांगे साहेब ह्या ठिकाणी उपस्थित झाले आहेत . पहिली महासभा त्यांच्या नेतृत्वाखाली होत आहे आम्ही शिवसेनेच्या वतीने त्यांचा पुन्हा एकदा अभिनंदन करुन आम्ही त्यांच स्वागत करतो. मिरा भाईंदर शहराच्या विकासासाठी त्यांना आमच्या हार्दिक शुभेच्छा.**

**जुबेर इनामदार :-**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका मिरा भाईंदर शहरात नवनेमणूक झालेली आहे . मा. आयुक्त, डांगे साहेब, आपले स्वागत आहे. इथे सर्व उपस्थित लोकप्रतिनिधींच्या वतीने स्वागत आहे . हे शहर एक चांगल सुशिक्षित शहर आहे. सॅटॅलाईट सिटी नेक्स्ट टू बॉम्बे वाढते शहर आहे . विकसित होणारे शहर आहे. आलेल्या प्रत्येक आयुक्तंनी आपल्याला हिश्याचे काहीतरी ह्या शहराला दिलेला आहे आणि ह्या शहराची परंपरा राहिलेली शिवमुर्ती नाईक साहेब असताना ते आलेले आहेत . तेव्हा त्याला मी मालक बोलतो. एक प्रथा आणि त्या मालकांच्या हासीयतीने तुम्ही ह्या शहरामध्ये कामकाज बघाल याची आम्हाला अपेक्षा आहे . नक्षलाईज परिसर मधून तुम्ही काम करुन आल्यानंतर तुम्हाला ह्या शहरामध्ये काम करायला काही अडचणी येणार नाही . साहेब आमची आपल्याला प्रत्येक सदस्याच्या वतीने शुभेच्छा चांगले कामकाज करावे . प्रशासकीय कामकाजाला सुटसुटीत करावे . आपण एक आय.एस अधिकारी आहात. ह्या शहराला अपेक्षित होते एक चांगला आय.एस. अधिकारी प्राप्त व्हावा. परत एकदा आपल्या सर्वांच्या वतीने आपल्याला शुभेच्छा.**

**विणा भोईर :-**

प्रशासनाने सुच वलेल्या आरक्षण क्र.354 व 355 जागेत आरक्षण वकसीत करण्याची स्थानिक रहिवासी व नगरसेवकांची मागणी असल्याने हि उपरोक्त आरक्षणे न देता इतर मोकळ्या जागा शोधून स्थानिक नगरसेवकांना वश्वासात घेवून प्रस्ताव पुन्हा मा. महासभेत मंजुरीस्तव सादर करावा तसेच आरक्षण क्र. **264 ही मोकळी** जागा **मेट्रोच्या कामासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात देण्यात यावी असा मी ठराव मांडत आहे.**

**सुरेखा सोनार :-**

**माझे अनुमोदन आहे.**

**गिता जैन :-**

**आपण मोकळी जागा द्यायची आणि द्यावी ही लागेल हे द्या ते द्या त्याबाबत वाद नाही . पण बहुतेक हायवे असो, मेट्रो असो, ब्रिज असो त्यासाठी जेव्हा जेव्हा कार्पोरेशन जागा देते त्यानंतर त्या त्या कंपनीने ती जागा तशीच सोडून म्हणजे आपण आता खूप छान रोड वगैरे करुन दिलेलं असेल त्यांना किंवा खूप छान असे मैदान करुन दिलेलं असेल पण ते तेवढीच त्यांनी वापरली त्यानंतर तसेच त्याच डेब्रीज सोडून किंवा तशीच जागा सोडून जातात. तर त्या बाबतीत द्यायचं आधी त्यांच्या बरोबरीत करार किंवा काहीतरी करायचा आणि अनामत रक्कम घ्या की जोपर्यंत त्या जागेच**

आपणाला पहिल्यासारखी करुन देत नाही. तोपर्यंत ते अनामत त्यांना देऊ नये परत अशी एक माझी सुचना आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम आता जो ठराव झाला नक्की ठराव काय झाला म्हणजे तुम्ही सांगितल की फेर आढावा घेऊन विश्वासात घेऊन नंतर विषय आणायचा आणि परत एक आरक्षण द्यायचा हा विषय झाला म्हणजे नक्की काय?

मा. महापौर :-

त्यांच म्हणण आहे की, परत एकदा बसून व्यवस्थित कुठे द्यायच आहे त्यांनी नक्की करावं.

अनिल सावंत :-

ते बरोबर आहे दॅट इज ओके . ही बरोबर आहे पण त्यांच्यामध्ये तो परत 264 आरक्षण द्यायचा परत ठराव केलेला आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

विषय असा आहे याच्यामध्ये जे जागा आहेत ना ज्या प्रशासनाने मागितल्या आहेत 354,355 मॅडम तिथे व्यायाम शाळा, मैदान, गार्डन असा रिझर्व्हेशन आहे. तिकडच्या स्थानिकांची मागणी आहे तिथे रिझर्व्हेशन डेव्हलप करा संबंधित नगरसेवकांनी त्यांच्या मागणीनुसार प्रशासनाला कळवले आहे की आपल्याला मैदान आणि व्यायाम शाळा आणि गार्डन बांधायचा आहे. त्याप्रमाणे कारवाई सुरु आहे. तिकडच्या लोकांचा विरोध असल्यामुळे प्रशासनाने सांगितले आहे की आरक्षण क्रमांक 264 जे मोकळ आहे ते देण्यास हरकत नाही आणि इतर त्यांना आणखीन जागा पाहिजे असेल तर प्रशासनाने इतर जागा शोधावी आणि ती शोधून पुन्हा महासभेपूढे प्रस्ताव द्या. त्याच्यासाठी मंजूरी आहे.

अनिल सावंत :-

मला एक कळत नाही. एवढा मोठा विषय आहे. मेट्रोचे काम चालू आहे आणि प्रशासन अशा चुका करते कसे ज्यावेळी हा प्रस्ताव प्रशासनाने दिला त्यावेळी स्थानिक नगरसेवकांना का विश्वासात घेतले नाही. एक महिन्यानंतर परत मिटींग लागणार त्यावेळी प्रस्ताव आणणार तुम्ही त्याचवेळी हा सदोष गोषवारा का देतात. प्रत्येक वेळी प्रशासनाने चुका करायच्या आणि आता मेट्रोमध्ये काय मॅसेज जाणार आहे की मिरा भाईंदर महापालिकेने प्रस्ताव फेटाळला बरोबर एका महिन्यानंतर होणारा तो विषय असा आहे की तुम्हाला जर द्यायचे आहे जागा तर द्यावीच लागणार आहे मेट्रो पाहिजे आहे शहरामध्ये.

मा. उपमहापौर :-

264 त्याच्यामध्ये मंजूरी दिली त्याला.

अनिल सावंत :-

फेरप्रस्ताव आणायचा केला ना साहेब तीन आरक्षण मागितली आहेत त्यांनी.

मा. उपमहापौर :-

फेरप्रस्ताव म्हणजे काय आहे माहिती आहे का ह्या प्रकरणामध्ये जी रिझर्व्हेशन मेंशन केली आहेत तिथे प्रत्यक्ष काम सरु आहे स्थानिक जनतेचा विरोध आहे आणि 264 आपला पूर्णत: रिकामा आहे.

अनिल सावंत :-

मी तेच सांगतो ज्या गोष्टी लोकप्रतिनिधीला कळतात त्या गोष्टी प्रशासनाला का कळत नाही तोच माझा मुद्दा आहे.

मा. उपमहापौर :-

आता आज आपल्या सभागृहाचा निर्णय झाला त्यामुळे पुन्हा हा विषय सभागृहात आपल्याला आणण्याची गरज पण नाही . प्रशासन 264 रिझर्व्हेशन क्रमांकावरती कारवाई करुन तो त्यांना

हस्तांतरीत करेल आणि मा . आमदार गीता जैन मॅडमचा प्रस्ताव त्यांची सुचना आहे ती तशी स्वीकारली जाईल.

अनिल सावंत :-

त्याच्यामध्ये साहेब मला असे सांगायचे आहे की आपण एक रुपया प्रती महाने जागा देतो . जागा द्यायला पाहिजे पण ही जागा आपण देतो गर्व्हमेंटला देत नाही , प्रायव्हेट कॉन्ट्रॅक्टरला देतो ज्यावेळी कॉन्ट्रॅक्टर सोडून जाणार तसेच भंगार वगैरे रोडवरती तसेच सोडून जाणार आहे तर त्यासाठी ह्या एक रुपया भाड्याने काही होणार नाही. त्यासाठी अॅग्रीमेंट करतेवेळी त्याच्याजवळून काही तरी डिपॉझिट घेतली पाहिजे.

मा. उपमहापौर :-

त्याची सुचना अनामत रक्कम घ्यावी. ती उपसुचना आपण समाविष्ट करतो.

सुरेश खंडेलवाल :-

महापौर मॅडम, आता आमच्या सर्व सदस्यांनी सांगितले आहे आमच्या मित्राने की जागा दिली पाहिजे आणि मोबदला स्वरुप आपल्याला डिपॉझिट पण घेतली पाहिजे . पण महापौर मॅडम गोषवाऱ्यामध्ये प्रशासनाने म्हटले आहे की जागा ऑलरेडी दिलेली आहे याच्यामध्ये शेवटच्या क्षणी वरीलप्रमाणे जागा उपलब्ध करुन देण्यात आलेले असून सदर केलेल्या कारवाईत म्हणजे ऑलरेडी जागा दिलेली आहे त्या कारवाईला आपली मान्यता पाहिजे . काय विषय नेमका मला काय समजल नाही. ऑलरेडी जागा दिलेली आहे . तर आम्हाला कसली आता आपली मान्यतेची गरज आपल्याला खुलासा झाला पाहिजे की जागा दिलेली आहे तर आमची कशाला मान्यता नाही तर मान्यता घेऊनच द्यायला पाहिजे होतं.

दिपक खांबित :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो हा शासनाचा प्रोजेक्ट आहे आणि शासनाच्या निर्देशानुसार अशा कामांसाठी आपण मदत करायला पाहिजे आणि काम लवकरात लवकर सुरु व्हावे यासाठी त्या जागा ज्या रिकाम्या होत्या आपल्याकडे त्या त्यांना दिलेल्या आहेत.

सुरेश खंडेलवाल :-

दिलेल्या आहेत ना.

दिपक खांबित :-

हो.

सुरेश खंडेलवाल :-

मग शासनाच्या याच्यामध्ये काही डिपॉझिट वगैरे किंवा दुसरा इतर जे आता दोन दोन सुचना आल्या आहेत त्याच्यासाठी काहीतरी प्रोव्हिजन केलेल आहे का?

दिपक खांबित :-

नाही एम.एम.आर.डी.ए ने टेंडर काढ लेलं आहे. एम.एम.आर.डी.ए टेंडरमध्ये क्लॉजच आहे की त्यांना एक रुपया चौ. मीटरने जागा द्यायची आहे.

दिपक खांबित :-

म्हणजे आपण त्यांच्याकडून डिपॉझिट वगैरे काही घेऊ शकत नाही . बरोबर आहे आणि त्यांना ऑलरेडी जागा दिलेली आहे.

दिपक खांबित :-

हो.

सुरेश खंडेलवाल :-

मग ह्या ठरावाच आपण काय करणार आता म्हणजे तिकडचा स्थानिक नागरिकांचा विरोध आहे. तिकडे व्यायामशाळा आणि आता जे आपण सूचना दिली आहे किंवा आम्ही जे ठराव केला आहे. मग आता प्रशासनाची काय भूमिका असणार आहे त्याच्यामध्ये.

दिपक खांबित :-

ठरावाच्या अनुषंगाने आम्ही पुन्हा फेरप्रस्ताव सादर करु.

सुरेश खंडेलवाल :-

ठीक आहे. महापौर मॅडम मला तेच बोलायचं होतं की ऑलरेडी जे आता आपण ठराव केला आहे त्या हिशोबांनी दिलेला जरी असेल तर ते तिथेच थांबवा त्याला जे पजेशन कब्जा वगैरे काही दिल असतील ते परत घ्यावा आणि ठरावाच्या अनुषंगाने मा. आयुक्त् महोदयांनी कारवाई करावी.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम, कार्यकारी अभियंता उपस्थित आहेत म्हणून एक प्रश्न आम्हाला शंका आहे महापौर मॅडम दोन आरक्षण आपण आज दिलेले आहेत व्यायामशाळेचा आणि मैदानांचा ती संपूर्ण झाला आपल्याकडे हस्तांतरीत झाली का महानगरपालिकेकडे त्याचा जरा खुलासा केला तर बर पडेल.

दिपक खांबित :-

आरक्षण क्र. 354 जे आहे जिम्नॅशियम त्याची जागा शंभर टक्के आपल्याकडे हस्तांतर झालेली आहे आणि जी 355 नंबर शाळेचे मैदान आहे ती जवळ जवळ 65 टक्के आपल्याकडे हँड ओव्हर झालेली आहे.

दिनेश नलावडे :-

कारण महापौर मॅडम, काय होतं परिस्थिती आपण इकडे ठराव मंजूर करतो विषय गेल्यानंतर बाहेर ज्यावेळेला जनतेकडे प्रश्न जातात त्यावेळेला जनतेला माहिती पडतं . मग परत आंदोलन करा, काम थांबवा हा प्रकार पुन्हा पुन्हा घडू नये त्यासाठी आपण आपल्या महापालिकेकडून प्रशासनाकडून अगोदर ही कामे सगळी व्यवस्थित करुन घ्या जेणेकरुन पुढे गेल्यानंतर आपल्याला जनतेचा त्रास आपल्याला नको.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम, आता खांबित साहेबांनी सांगितलं शासनाची काम आहेत आणि आपल्याला सहकार्य कराव लागेल . खांबित साहेब मी कमिशनर साहेबांना विचारले की ह्या हाऊसमध्ये अशी शासनाची कुठली काम आली ह्या हाऊसने विरोध केला . आम्ही नेहमी शासनाच्या कामाला पाठिंबा दिलेला आहे आणि देणार परंतु जो गोषवारा आला आहे त्या हिशोबाने आपण ऑलरेडी ती जागा देऊन टाकली आहे त्यांना आणि आता आपण त्याच्यावरती चर्चा करतो की आता डिपॉझिट घ्यायची की नाही घ्यायची. भाड घ्यायचे की नाही घ्यायचे हे चुकीचं आहे ना साहेब . आपण उलटी गंगा पाहतो पहिले आपण सर्व देऊन मोकळ होऊन जातो मग हाऊसला सांगतो की आता तुम्हाला आम्हाला सहकार्य करा.

दिपक खांबित :-

मागील 3 ते 4 महिन्यात मिटींगच लागली नाही.

रिटा शहा :-

मिटींग नाही लागली मी मान्य करते. तर तुम्ही या बदलचा मागच्या कमिशनरला तुम्ही लेखी दिले आहेत का काही त्यांना दिल्यानंतर तुम्ही विचारलं कोणाची मान्यता घेतली तुम्ही देताना आणि मागची मिटींग झाली ना.

दिपक खांबित :-

गोषवारा दिला नव्हता विषयपत्रिकेवरती विषय आला नाही.

**रिटा शाह :-**

**जी काही चुकी होते, जी काही वेळ लागते ते प्रशासनाकडून होते मागच्या मिटींगला पण तुम्ही देऊ शकले असते 2-3 महिने मिटींग नाही लागली ही चुकीची गोष्ट आहे. आपली जी काही इकडची वास्तु आहे तुम्ही परस्पर देवून टाकणार आणि मग तुम्ही कुठेतरी अडकणार म्हणून हाऊस मध्ये आणणार.**

**दिपक खांबित :-**

**ऑक्टोबर महिन्यामध्ये नगरसचिवांकडे विषय दिलेला आहे . त्याच्या दरम्यान एखाद मिटींग झाली मला वाटतं.**

**रिटा शाह :-**

**झालेली मिटींगमध्ये पण नाही ठेवलं.**

**दिपक खांबित :-**

**आणि आपण प्रोजेक्ट थांबवू शकत नाही.**

**रिटा शाह :-**

**मागच्या मिटींगला का नाही ठेवलं . का महापौरांनी मनाई केली , कमिशनरने मनाई केली . कोणी मनाई केली तुम्हाला विषय घ्यायला की नगरसेवकांनी मनाई केली.**

**दिपक खांबित :-**

**आता ठराव झालेला आहे, ठरावाच्या अनुषंगाने प्रशासनावर कारवाई करण्यात येईल.**

**रिटा शाह :-**

**तुम्ही नाही सांगू शकत ना प्र शासनावर कारवाई करण्यांत येईल . तुम्ही कसे सांगता हे अधिकार मा. आयुक्तांचे आहेत आणि मी प्रशासनावर कारवाई करा असे सांगत नाही. माझा बोलायचा अर्थ असा नाही कस आहे आपण कुठलेही काम करतो ते काम ऑलरेडी करुन टाकला आहे नंतर ते हाऊसमध्ये आलेला आहे . तो विषय मग भाडे किती ठरवायचे आज आम्ही सांगणार की प्रत्येक जागेवरचे भाडे तुम्ही महावर 50 हजार घ्या तुम्ही घेणार आहात का? डिपॉझिट तुम्ही 10 लाख रुपये घ्या तुम्ही घेणार आहात का?**

**मा. आयुक्त :-**

**सदर प्रकरणी आता सभागृहाने जो ठराव घेतला त्या ठरावानुसार त्यात फेरबदल करुन ज्या जागा दिल्या आहेत त्या जागेचा पुर्नविचार करुन सभागृहाने घेतलेल्या ठरावानुसार कारवाई केली जाईल.**

**मा. महापौर :-**

**ठराव मंजूर. पुढचा विषय घ्या.**

**प्रकरण क्र. 84 :-**

**मेट्रो-९ या कामांतर्गत मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणास कास्टींग यार्ड, काँक्रीट बँचिंग प्लाट, कामगार निवासस्थाने, कार्यालये यासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात जागा उपलब्ध करुन देणेबाबत.**

**ठराव क्र. 100 :-**

प्रशासनाने सुचवलेल्या आरक्षण क्र.354 व 355 जागेत आरक्षण वकसीत करण्याची स्थानिक रहिवासी व नगरसेवकांची मागणी असल्याने हि उपरोक्त आरक्षणे न देता इतर मोकळ्या जागा शोधून स्थानिक नगरसेवकांना वश्वासात घेवून प्रस्ताव पुन्हा मा. महासभेत मंजुरीस्तव सादर करावा तसेच आरक्षण क्र**. 264 ही मोकळी** जागा **मेट्रोच्या कामासाठी तात्पुरत्या स्वरुपात देण्यात यावी असा मी ठराव मांडत आहे.**

**सुचक :- श्रीम. विणा भोईर      अनुमोदक :- सौ. सुरेखा सोनार**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र . 85, मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी / कर्मचाऱ्यांना दि. ०१/०१/२०१६ पासून सुधारीत वेतनरचना (सातवा वेतन आयोग) लागु करणेस आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत.

रोहिदास पाटील :-

गोषवाऱ्यात नमुद प्रमाणे महापालिकेची सर्व शासकिय देणी व इतर देणी आजतागायत वेळच्या वेळी प्रदान करण्यात आलेली आहेत . महापालिका कुठल्याही प्रकारची थकबाकीदार नाही व महानगरपालिकेचा कर्जहप्ता बाकी नाही . कर्ज परतफेडीसाठी राखीव निधी उपलब्ध आहे. दरवर्षी भाड्यापोटी कायमस्वरुपी उत्पन्न मिळत आहे . यामध्ये दरवर्षी 10 टक्के नैसर्गिक वाढ होत आहे . आस्थापना वेतनावरील खर्च 32.04 टक्के इतका आहे.

महापालिकेने पाण्याच्या दरामध्ये वाढ केली आहे असे नमूद केले असून वास्तविक या आर्थिक वर्षात कोणतीही दरवाढ क रण्याचा प्रस्ताव मा. महासभेत मंजूर केलेला नसुन प्रशासनाने सप्टेंबर - डिसेंबर 2019 या कालावधीत पाण्याच्या देयकामध्ये वाढ केली आहे ती चुकीची असून ती रद्द करावी व नागरीकांना सुधारीत देयके अदा करावी.

वरील बाबींचा विचार करुन , मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापने वरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी तसेच सेवानिवृत्त वेतनधारक /कुटुंब निवृत्ती वेतनधारक यांना राज्य शासनाने सातव्या वेतन आयोगात मंजूर केलेल्या सर्व शिफारशींसह सातवा वेतन आयोग लागु करण्यास व येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी ही मा. महासभा देत आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

रिटा शाह :-

वेतनवाढीचा जो विषय आहे सातव्या वेतनच्या हिशोबांनी ते ठिक आहे कर्मचाऱ्यांची अधिकारची गोष्ट आहे ते ठिक आहे. हाऊसने मान्य केले तर मला ही मान्य आहे. परंतु जेव्हा आपण वेतनवाढ करतो किंवा तुमचे प्रमोशन होते त्या प्रमोनशच्या अंतर्गत आमचे इकडचे जेवढे ऑफिसचे जे पूर्वीपासून आहेत त्यांचे प्रमोशन होते त्यांचे प्रमोशन ॲक्च्युअली होत नाही . त्यांना पदाप्रमाणे पगार दिला जातो. परंतु त्या पदावर त्यांना बसवत नाही आणि त्या पदाचा त्यांना अधिकार देत नाही ते का असे होते आपण त्या पदासाठी बा हेरुन लोक बोलवतो की तुम्ही घ्या पद सांभाळा मग ज्यांची तुम्ही पदोन्नती केली त्यांना तुम्ही पदोन्नतीच्या हिशोबांनी त्यांना सॅलरी देता पण त्यांना ते पदोन्नतीच्या लायक समजत नाही असे मला वाटत आहे. कारण इकडचे जे स्थानिक ऑफिसर आहेत ते पूर्वीपासून इथे ऑफिसर आहेत त्यांच्याबरोबर अन्याय होत आहे असे मला वाटते . कारण त्यांना पदोन्नती मिळते. पदोन्नतीच्या हिशोबांनी त्यांना पगार पण भेटते परंतु त्या पदोन्नतीच्या हिशोबांनी ते कार्यभार भेटत नाही. त्यांना ते पद भेटत नाही. मला असे वाटते की त्यांच्याकडे अनुभव नाही ते सक्षम नाही असे वाटते का तुम्हाला.

मा. महापौर :-

ठराव मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, सभागृहनेत्यांनी पाण्याचा विषय काढला मा. आयुक्त महोदय सप्टेंबरपासून वाढीव बील आली ह्या संपूर्ण शहराची दिशाभूल करण्यात येत आहे . मा. आयुक्त महोदय ह्या

ठिकाणी पत्रकार बंधु बसलेले आहेत. ह्या शहराचे नागरिक ही इथे उपस्थित आहेत. आम्ही सत्तेमध्ये आहोत. आयुक्त महोदय ह्या ठिकाणी कुठलीही दरवाढ झालेली नाही किंवा करण्यात आलेली नाही . प्रशासनाने पण त्याचा खुलासा करावा, उगाच काहीतरी पाणी वाढले म्हणून वाढीव बीलं दिलेली आहेत. सप्टेंबरपासून आणि जर पाणी नसेल वाढलं जर प्रशासनाची चुकी आहे तर ते प्रशासनाने मान्य करावी. उगाच दिवसाढवळा कुठलाही काही लागलं की त्याला आम्हाला तटबळ लावलं जातं तर ही ह्या पुढे होता कामा नये. प्रशासनाची चुकी आम्ही अंगावर घेणार नाही. प्रशासनाला याच्यानंतर पण काही लोकप्रतिनिधीने पत्र दिलेली आहेत . धोरणात्मक निर्णय तर सभागृहात झाला नाही तर वाढीव बील किंवा मग पाण्याचे बील किंवा प्रेसवाल्यांना कोणी निवेदन दिलं किंवा ह्या ठिकाणी पाण्याची दरवाढ झाली म्हणून आणि आयुक्त महोदय असे ताशोरे आमच्यावरती सोशल मिडियातून पत्रकाराच्या माध्यमातून पत्रकारांना बातमी दिली असेल त्या लिहीली का मग हे लोकप्रतिनिधीला आम्हाला वेठीस का धरतात. लोकांना आम्ही काय उत्तर द्यायची की तुम्ही बील वाढवली तुम्ही सत्तेत आहेत , तुम्हाला सत्तेचा माज चढला आहे तुम्ही बील वाढवत आहेत. हा सगळा प्रकार होत आहे. मा. आयुक्त् महोदय ह्या पुढे ज्या-ज्या वेळेला पाणी वाढलेलं आहे. बील वाढवून पाठवलेली आहेत जो काही प्रकार असेल ताबडतोब त्या प्रशासनाने खुलासा करावा आणि तशा प्रकारची प्रेस नोटिस देण्यात यावी आज फक्त आपल्याकडे जे पेपर येतात त्याची फक्त कातरणं केली जातात . पण ते रजिस्टर कोणी वाचत नाही. त्याचा खुलासा कोणी करायचा आयुक्त सर ह्या ठिकाणी आम्हालाच लोकांना त्याबाबतीत सामोरे जावं लागतं. त्यांना समजावून सांगा नाही तर प्रेसनोट द्या की हा धोरणात्मक ठराव होता याच्यात कुठलीही दरवाढ करण्यात आलेली नाही आणि पाणी वाढले आहे त्याची बीलं वाढलेली आहेत जे काही असेल ते एवढे स्पष्ट करावे मा. आयुकत महोदय.

गिता जैन :-

मा. आयुक्त साहेब मध्ये एक पेपरमध्ये ते ही आलेला की आपण जिथे कनेक्शनच दिली नाहीत तिथेही आपण बीलं पाठवलेली आहेत. बील जास्त आलेली आहेत कारण जे अमाऊंट पाणीच्या गेल्या बीलमध्ये होते त्याच अमाऊंटसाठी आपलं आकारलेलं बील जास्त आहे ही चुक आपल्याकडून झाली आहे. दुसरं जिथे आपण कनेक्शन दिले नाहीत तिथे ही तुम्ही बील पाठवलेली आहेत . हे काय प्रकरण आहे ते ही सांगा कारण आता बोलतानाच मला आठवण आली की मी पेपरमध्ये वाचले आहे अजून तिथे कनेक्शन दिल नाही ति थे बील गेली आहेत मग ते ही साहेब खुलासा करा आणि पहिले तर हे सांगा की तुम्ही अचानक ह्या वेळी बील वाढवून कुठली मंजूरी घेतली आहे काय घेतलं आहे . तुम्ही बील वाढवून आणि तुम्हाला पाहिजे तर मी दोन्ही बील दाखवते असं नाही आहे की मी असेच बोलते. माझ्याकडे 2-3 बील आहेत गेल्यावेळी तेवढं होत कन्झमप्शन पण सेम आहे आणि तरी बील जास्त आहेत ते ही दाखवू शकते आणि आपण सरासरी बील देताना काहीच धोरण धरत नाही . सरासरी बीलसाठी एक धोरण ठरलेले आहे . आजूबाजूच्या परिसरात जे लाईनमध्ये एकही मीटर चालू असेल त्या रिडींगप्रमाणे आपण बाकीचे लाईनमध्ये आपण त्या बीलाला आकारायचं आहे आपण ते ही फॉलो करत नाही म्हणजे पाणी डिपार्टमेंट नेमक कशासाठी आहे काय करत आहेत ते आम्हाला जरा कळवा.

दिपीका अरोरा :-

महापौर मॅडम प्रभाग 17 में भी इसी तरह की घटनाए घटी है | जो ॲप्लीकेशन परसो ही वाकोडेजी को दि है उनका ऐसा मानना है की मीटर बंद होते हुए भी ॲवरेज बील भेजा गया फ्रॉम सप्टेंबर टू डिसेंबर जो पुरे साल का बील थो वो चार महिने में आगे जो बील आया है | सप्टेंबर टू डिसेंबर त्यामध्ये ते वाढीव करुन आणि त्याच्यामध्ये मीटर ही बंद होते त्यांनी मीटर बंदचे ॲप्लीकेशन पण दिलेले आहे. चुकीचा ते रिडींग पण नाही घेत जो जे.ई आहे तो रिडींग घ्यायला जात

नाही तर रिडींग कशी भेटते त्यांना ॲवरेज बीलं पाठवतात ए लाईनमध्ये एवढ युनिट पाणी आलं. चार कॉम्पलेक्समध्ये ते डिव्हाईड करुन टाका ते तसे चालणार नाही बहुतेक दिवस.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम, हा विषय ह्यापूर्वी सुध्दा ह्या सभागृहामध्ये आला होता . जी वाढीव बील पाठवली होती सदोष बील होती डायसवरुन आपण आदेश दिला होता त्यावेळी आयुक्त साहेबांना रुलींग दिले होतं आपण की ती बील रॅक्टीफाय करुन पाठवा . आणि ज्या लोकांनी पैसे भरले असतील ऑलरेडी त्यांना ते क्रेडीट द्या किती बील पाठवली रेक्टीफाय करुन तुम्ही आदेश दिले होते डायसवरुन की चुकीची बील पाठवलेली दुरुस्त करा म्हणून काय रिपोर्टींग केले का वॉटर डिपार्टमेंटने महापौरचे आदेश इथे पाळले जात नाही. किती बील रेक्टीफाय केली आणि आता परत 25 ते 30 टक्के वाढीव बील पाठवलेली आहेत . रिडींग फॉल्टी आहे याचं एका सोसायटीने यांना लेटर दिलेलं आहे की रिडींगमध्ये डिफरन्स आहे तरी सुध्दा कारवाई होत नाही.

जुबेर इनामदार :-

पाणी पुरवठा विभागाविषयी भरपूर चर्चा झाली मा . आयुक्त महोदयांनी आपल्या समक्ष हा विषय आला म्हणून मुद्दामहून हा विषय मांडतो सात वा वेतन आयोग शासनाचा निर्णय आहे तो आम्हाला मान्य करावा लागेल मात्र शिफारस पालिकेने ज्या पध्दतीने केली आहे त्याचा मुद्दाम तुमचे लक्ष वेधू इच्छितो.

मा. महापौर :-

वाकोडे साहेबांनी खुलासा करावा.

वर्षा भानुशाली :-

साहेब मिरा भाईंदरमध्ये जेवढा पाणी पाहिजे ते वढा पाणी अजून आला नाही तर मी एक प्रस्ताव वाकोडे साहेबांनी दिलेल होतं आणि माहिती पण मी बोलली की ह्या प्रकरणाची माहिती द्या. जो नई बिल्डींग बनती है, वो जब तक 50 परसेंट बिल्डींग बन नही जाती हमें कनेक्शन नही देना चाहिए काफी जगह पर बिल्डींग तो अभी सभी फ्लोअर वहाँ पर दस दस कनेक्शन हम लोग दे देते है| तो मैंने एक प्रकरण साहब को दिया था की कौनसे डॉक्युमेंट के उपर हमने यहाँ पे कनेक्शन दिया है| साहब इसे दो से तीन महिने हो गया है| उसका आन्सर भी दिया नही तो आधे से ज्यादा पालिका की बिल्डींग अभी तक बनी भी नही है| वहाँ पे सबसे पहिले कनेक्शन वहाँ पर पोहोच जाते है| तो इसे भी थोडा ध्यान रखीए की 10-10 कनेक्शन हम लोग बिल्डींग बनाने के दे रहे है, यहाँ लोगो के लिए दे रहे है|

मा. महापौर :-

खुलासा करावा.

सुरेश वाकोडे :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो पाणी पुरवठा विभागाचे देयक चार चार महिन्याचे देयक आपण पाठवतो. सुरुवातीला आपण मे, जून, जुलै, ऑगस्ट ह्या महिन्याचे बील पाठवली होती. त्याची टोटल अमाऊंट होती 24.07 कोटी होती . त्यावेळेला शहरामध्ये आलेला पाणी होता . 19953 एम.एल.डी. पाणी आलं होतं. ऑगस्टपर्यंत बील पाठवलं होतं, अगोदरचा क्वॉर्टरचा त्या क्वॉर्टरचं बील सप्टेंबर ते डिसेंबर ह्या काळामध्ये स्टेम आणि एम.आय.डी.सी. कडून पाणी आलेलं . 23925 एम.एल.डी. म्हणजे मागच्या क्वॉर्टरच्या वेळी 3972 एम.एल.डी. जास्त पाणी आलेलं आहे आणि आता बील चार्ज केलेला आहे. 25.67 कोटी एवढं बील चार्ज केलं आहे. ह्याच्यामध्ये साधारण 1 कोटी 60 लाख एवढंच बील ॲडिशनल आहे. आणि हे काय झालेलं आहे एरिगेशन डिपार्टमेंटकडे आपली मिटींग झाली होती मिनिस्टर महोदयांची आणि त्यावेळेला एरिगेशनचे डायरेक्टर 6/7/2018 रोजी निर्देश दिले होते की मिरा भाईंदर शहराला 90 एम.एल.डी. पाणी सुरु होते ते 115 एम.एल.डी. सुरु करा म्हणून

एरिगेशनचे निर्देश दिले आणि त्या तारखेपासून मिर भाईंदरला 115 एम.एल.डी. पाणी सुरु झालेला आहे आता याच्यामध्ये सप्टेंबर ते डिसेंबर ह्या काळामध्ये बघितलं तर आलेला एम .आय.डी.सी. वरुन पाणी हे ॲव्हरेज हे 113 एम.एल.डी. आलेला आहे आणि अगो दरचा क्वॉर्टरमध्ये बघितल की मे ते ऑगस्टमध्ये आहे त्याच्यामध्ये मे आणि जूनमध्ये कपात कमी होती , कपातीमुळे पाणी कमी आलं ॲव्हरेज पाणी हे 82 एम.एल.डी. आलं. आता ह्या शहरामध्ये जे वाढलेले पाणी आहे हे जे 20 टक्के साधारण ॲडिशनल पाणी आलेले आहे . 20 टक्के ॲडीशनल पाणी आल्यामुळे हा फरक दिसतो आपल्याला ह्याच्यामध्ये मे ते ऑगस्टमध्ये 16887 एवढे बिलींग गेलेलं आहे. सप्टेंबर ते डिसेंबरमध्ये 17983 एवढेच एम.एल.डी. आपण बिलींग केलेलं आहे.

रिटा शाह :-

मे मध्ये एवढ पाणी आलं मे च्या अगोदर तीन महिने किती पाणी आलं होते ते सांगा.

सुरेश वाकोडे :-

19 हजार पर ताशी एम.एल.डी. पर्यंत पाणी आहे मागच.

रिटा शाह :-

मे च्या तीन महिने अगोदर किती एम.एल.डी पाणी आपल्या शहरात पुरवठा झाला होता.

सुरेश वाकोडे :-

मे च्या अगोदरच्या क्वॉर्टरनंतर बील वगैरे 24 कोटीपर्यंत बील आहे.

रिटा शाह :-

मी बीलाबद्द ल नाही विचारत मी काय विचारते मे च्या अगोदरचे तीन महिन्यात किती एम.एल.डी. पाणी आपल्या शहराला मिळालं होतं.

सुरेश वाकोडे :-

19400 पर्यंत पाणी होतं.

रिटा शाह :-

85 एम.एल.डी सांगितलं तुम्ही 113 एम.एल.डी. सांगितल आता करंटमध्ये 113 मिळाले. मे च्या अगोदरचे तीन महिने आपल्याला किती एम.एल.डी पाणी पुरवठा आपल्या शहराला झाला.

सुरेश वाकोडे :-

136 एम.एल.डी. पाणी मिळालं.

रिटा शाह :-

136 एम.एल.डी पाणी आपल्याला मे च्या अगोदर मिळालं आणि आता आपल्याला 113 एम.एल.डी. पाणी मिळालं मग वाढ झाली की कमी झालं?

सुरेश वाकोडे :-

हे मी एम.आय.डी.सी. चं बोलतोय.

रिटा शाह :-

साहेब मी पूर्ण बोलतोय.

सुरेश वाकोडे :-

पूर्ण शहरात 190 ते 195 एम.एल.डी. पाणी येतो.

रिटा शाह :-

एम.आय.डी.सी. च मी तुम्हाला विचारते की मे च्या अगोदर तीन महिने किती पाणी मिळालं किती एम.एल.डी?

सुरेश वाकोडे :-

सुरुवातीला येणारं पाणी हे टोटल स्टेमचं 86 एम.एल.डी. आणि एम .आय.डी.सी. च पाणी मिळून 165 एम.एल.डी. पर्यंत पाणी येतो.

रिटा शाह :-

एम.आय.डी.सी. च किती?

सुरेश वाकोडे :-

एम.आय.डी.सी. 90 एम.एल.डी पाणी येतं.

रिटा शाह :-

90 एम.एल.डी. पाणी भेटायचं आता 113 एम.एल.डी पाणी भेटायचे. मे मध्ये 85 एम.एल.डी. मिळाले कारण आपल्याकडे कपात होते. आता आपल्याला करंट किती 23 एम.एल.डी. जास्त मिळाले तुमच्या हिशोबांनी खरोखर आहे का.

सुरेश वाकोडे :-

बरोबर आहे.

रिटा शाह :-

आता तुम्ही मला जे फिगर सांगितले त्याच्या हिशोबाने तर आपल्याला ह्या तीन महिन्यामध्ये पाणी कमी मिळालं साहेब पूर्ण आकडे असं करा हा विषय पुढच्या मिटींगमध्ये आणा.

सुरेश वाकोडे :-

तसा प्रश्न नाही. मॅडम काय आहे की सुरुवातीला.......

रिटा शाह :-

आकडे द्या ना ह्या तीन महिन्यामध्ये एवढ आलं आहे, त्या तीन महिन्यामध्ये एवढं आले ते पूर्ण आकडे द्या ना.

सुरेश वाकोडे :-

आता फेब्रुवारीमध्ये बघितलं मॅडम, तर आपल्याकडे जे पाणी आलेलं आहे एस .टी.एम चे 87 एम.एल.डी., एम.आय.डी.सी. चं 105 एम.एल.डी. जानेवारीमध्ये बघितलं आपण स्टेमच 87 एम.एल.डी. आणि एम.आय.डी.सी. चं 100 एम.एल.डी पाणी आहे. डिसेंबरमध्ये बघितलं स्टेमचं 88 एम.एल.डी., एम.आय.डी.सी चं 97 एम.एल.डी चे 100 एम.एल.डी पाणी आहे. ऑक्टोबरमध्ये स्टेमचं 84 एम.एल.डी एम.आय.डी.सी चे 112 एम.एल.डी. पाणी आहे. सप्टेंबरमध्ये स्टेम 89 एम.एल.डी एम.आय.डी.सी. 104 एम.एल.डी पाणी आहे. ऑगस्टमध्ये स्टेमच 84 एम.एल.डी एम.आय.डी.सी चे 103 एम.एल.डी पाणी आहे असे आपल्याकडे फिगर आहे.

रिटा शाह :-

मागच्या महिन्याच्या हिशोबांनी कमी आलं 103.

सुरेश वाकोडे :-

जे फिगर आहेत त्या तुम्हाला सांगितल्या आणि आपण स्टेम कंपनीला ह्या पाण्यासाठी ह्या 4 महिन्यांसाठी 23.49 कोटी पैसे अदा केले ले आहेत. त्यामध्ये एम.ए.सी.पी ला 1 कोटी 30 लाख आणि देखभाल दुरुस्ती याच्यासाठी पम्पींगसाठी 1 कोटी असे 25 कोटी 80 लाख खर्च केलेला आहे. ते पाणी येण्यासाठी आणि बिलींग किती आहे 25 कोटी 67 मुळ हे ॲडिशनल पाणी वाढलं त्यामुळे वॅल्यू वाढ आहे. आणखी त्यामध्ये काही करे क्शन असतील काय आहे की डाटा ऑपरेशन, डाटा रिडींगसाठी हे करताना काही चुका झाल्या असतील तर ते आम्ही दुरुस्त करतो.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब पहिला दिवस आहे तुमचा आणि म्हणून मी उभा राहिलो होतो त्याला निवेदन करु द्या. हे सभागृह आहे की त्यांचा असा मनोमन मत आहे की वेळ मारुन नेलं की सभा ऐकून घेते. आता ती परिस्थिती नाही. आताची परिस्थिती अशी आहे त्यांनी केलेलं निवेदन कोणतेही लागू होत नाही. गेल्यावेळी महासभेमध्ये प्रचंड गदारोळ घेऊन आम्ही विनंती केली होती महापौरांना. महापौरांनी मा. आयुक्तांना निर्देश दिले होते. विनंती काय होती ज्याप्रमाणे मीटर रिडींग

येते त्याप्रमाणेच चार्ज झाले पाहिजे. तुमचा लमसम पाणी वाढला मी रोहिदास शंकर पाटील , माझा रिडींग एवढंच रिडींग येते . शहरात वाढलं म्हणजे माझ्या घरात वाढत नाही ना साहेब , अधिकृत जे रिडींग आहेत त्याप्रमाणेच बील याय ला पाहिजे. एक असा होताच कामा नये . दोन याला कोणताही अधिकार नाही एक एक्झीक्युटीव्ह इंजिनिअरच्या मनात आलं सिटी इंजिनिअरला माहिती नाही . मा. आयुक्तांना माहिती नाही. महापौरांना माहिती नाही. स्थायी समिती चेअरमनला माहिती नाही आणि वाढ केलेलं कस काय चालेल . तुम्ही ह्या गोष्टीवर तुमचे जे मंत्रिमंडळ आहे याच्यात वेळात वेळ काढून तुम्ही रात्रीच अभ्यास करा याच्यावर पुढच्या सभेत निवेदन करा पण एक मागे ठरवा नक्की आहे की वाढीव दिलेलं बील रद्द करायची आहेत. त्यांची तशी कम्प्युटर सिस्टम आहे एकदा यांच्याकडे काय दिलं की परत हे रिड्यु स करत नाही त्याचे परत पैसे देत नाही लोक एक वेळ , दोन वेळ, तीन वेळ दहा वेळा येतात महापौर मॅडम त्यांना गुण्यागोविंदाने त्यांना आश्वासित करतात . आश्वासनाच काम झालं लोकांना समाधान मिळत नाही . फुकटची बदनामी होते. हा ठराव पक्का आहे. एकमताचा ठराव झालेला आहे . कारवाई काय करायची की नाही करायची हा विषय वेगळा आहे . नागरिकांना त्यांना हक्काचा न्याय मिळाला पाहिजे ही सभागृहाची मागणी आहे.

रिटा शाह :-

साहेब मुख्य विषय जो होता सातवा वेतन आयोगाचा त्याचा मी प्रश्न विचारलेला आहे की , ज्याची पदोन्नती होते समजा सहा. आयुक्त म्हणून पदोन्नती झाली त्याला त्याप्रकारची सॅलरी भेटते. परंतु सहा . आयुक्त असं पद भेटत नाही . ते कार्यभार भेटत नाही त्या ऑफी सरला आणि डेप्युटेशनवरुन आपण बाहेरुन सहा. आयुक्त मागवतो हे काय असं चाललय . जास्तीत जास्त आपण कॉन्ट्रॅक बेसीकवर लोकांना भरतो आता कॉम्प्युटरवर जी पो र भरलेली आहेत. मात्र पण 82 पोरांची सहा महिने पगार भेटली नाही आ ता त्यांना तीन महिन्यापासून पगार भेटली नाही त्या लोकांना मग कॉन्ट्रॅक बेसिकवर त्या पोरांना भरले आहे त्यांची अवधी संपले की त्यांना एक पत्र पाठवून त्यांना रिलीज करायला पाहिजे पण आपण त्यांना कन्टीन्यू ठेवतो आणि कन्टीन्यू ठेऊन त्यांचा पगार आपण आठवून ठेवतो. तीन तीन महिने त्या लोकांना पगार भेटला नाही . मग असा कारभार का चाललेला आहे. ज्यांना तुम्ही पदभार देता. ज्यांची पदोन्नती करता ज्या ऑफीसरची त्यांना ते पद आणि कॅबीन द्या त्यांना काम करायची संधी द्या . नाहीतर मला असे वाटते की ह्या महानगरपालिकेमध्ये पदोन्नती ज्या ऑफिसरची होते तो पदभार सांभाळायला तो सक्षम नाही . त्याचा अर्थ असा होतो म्हणून आपण डेप्युटेशनवरुन बाहेरुन मागवतो याचा उत्तर द्या.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

मा. महापौर महोदयांच्या परवानगीने बोलतो आता सन्मा. सदस्यांनी जो प्रश्न उपस्थित केला की महानगरपालिकेच्या अधिकाऱ्यांना पदोन्नती देऊन त्यांना ते पद दिलं जात नाही . ह्या बाबतीमध्ये शासनाकडून डेप्युटेशनवर अधिकारी मागविले जातात. आपले स्टाफींग पॅटर्नच आपण ऑब्जर्व्हेशन केलं तर आपल्याकडे सहा . आयुक्तांची जी मंजूर पद आहेत त्याच भरती करण्याचं प्रपोशन ठरलं आहे . त्याच्यामध्ये 50 टक्के पद आपल्या कर्मचाऱ्यांच्या पदोन्नतीच्या माध्यमातून भरायची आहेत . 25 टक्के पदांवर डेप्यूटेशनचे अधिकारी असतील आणि 25 टक्के पदांवर सरळ सेवेने भरती करायची आहे. आता आपल्याकडे सहा. आयुक्तांची 13 पदं नवीन स्टाफमध्ये मंजूर झालेली दिसतात. त्याच्यामध्ये साधारण सहा किंवा सात पद आपल्याला पदोन्नतीने देणघेणं अपेक्षित आहे . तीन पद शासनाकडून डेप्युटेशनने येतील आणि तीन पदांवर सरळ सेवेने भरती करणे आपल्याला अभिप्रेत आहे सहा . आयुक्त या पदावर जी वेतनश्रेणी ह्यापू र्वी होती त्याचे समकक्ष काही पद आपल्याकडे आहेत. सहा. आयुक्त हे डेजिग्नेशन आहे . वॉर्ड ऑफिसर हे डेजिग्नेशन आहे. आपल्याकडे स्टोअरचा इनचार्ज असा एक डेजिग्नेशन आहे तर ते समकक्ष पद ह्या सहा पदांच्या व्यतिरिक्त 6 किंवा 7 पदे जे पदोन्नती देणार आहेत त्याच्या व्यति रिक्त हे पद आहेत . परंतु सन 2019 मध्ये नव्याने जो स्टा फींग पॅटर्न

मंजूर झाला त्याच्यामध्ये सहा . आयुक्त पदाची वेतनश्रेणी इतर पदाच्या वेतनश्रेणीपेक्षा ग्रेड पे मध्ये दोनशे रुपयाने वाढ झालेली आहे आणि सहा . आयुक्त पदावर आपण एखाद्याला पदोन्नती दिली तर ते पद महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम 45 अन्वये भरावयाचे पद आहे. ज्या पदाला शासनाच्या मान्यतेची आवश्यकता असते माझ्या माहितीप्रमाणे माझ्याकडे आता पूर्ण रेकॉर्ड नाही . परंतु सहा. आयुक्तांच्या पदावर ज्याला शासनाची मंजूरी आहे तसे फक्त एकच अधिकारी आपल्याकडे आहे अशी माझी माहिती आहे. मी त्याच्याबद्दल ते खरं आहे असे दावा नाही स्वप्नील सावंत हे फक्त सहा. आयुक्त आहेत बाकी कोणीही आपल्याकडे सहा . आयुक्त नाहीत. आता ही जी सर्व मंडळी आहे ज्यांना आपण पदोन्नंती दिली पण पद दिल नाही असे म्हणतो तर एका पदावर 12 वर्षा पेक्षा जास्त काळ झालेला आहे आणि पदोन्नंती काही लोकांना सधी उपलबध होत नाही . म्हणून शासनाच्या धोरनानुसार आश्वासित प्रगती योजना एक आपल्याकडे त्या योजनेचा आपण त्यांना लाभ देत असतो . म्हणजे पदोन्नंतीचा पद उपलब्ध नाही परंतु एका पदावर त्यांना त्यांच कुंठीतच आलेली नाही . ते स्टॅगनेंट झालेला आहे. आणि त्या पदाला तो 12 वर्षा पेक्षा जास्त कालावधी एका वेतण श्रेणीचा काम केला असेल तर त्याचा पदोन्नंतीचा काम केला असेल तर त्याचा पदोन्नंतीचा जे पद आहे त्या पदाला पदोन्नंतीला तो पात्र असेल फक्त पद नाही तर त्याला त्या पदाची फक्त वेतन श्रेणी देणे अभिप्रेत आहे. आपण ज्या ज्या लोकांना कालबध पदोन्नंती देणे अपेक्षित होती , मागच्या तीन महिन्या पूर्वी आपण एक डिपेशी घेवून काही लोकांना आपण पदोन्नती दिलेली आहे आता आनखिन साधारणता : 150-175 लोकांची आता नव्याने यादी तयार केलेली आहे .म्हणजे साधारण समजा एक लिपीक वर्ग,संवर्गामध्ये एक कर्मचारी आहे जे गेल्या बारा व र्षापासुन लिपीक म्हणुन काम करतो लिपीकांची संख्या 50 असेल आणि वरिष्ठ लिपीकांची संख्या समजा 10 किंवा 15 असेल तर 50 लोक वरिष्ठ लिपीक 12 वर्षात होणार नाहीत मग ह्यांना 12 वर्षानंतर त्या वरिष्ठ लिपीकाची पदोन्नती देणे अभिप्रेत आहे. पद देणे अभिप्रेत नाही त्यामुळे आपण कोणावर अन्याय करतोय अशातला भाग नाही ह्यांना काम न देता शासनाकडुन डेप्युटेशनवर मागवतो अशातलाही भाग नाही तो आपल्या मंजुर स्टाफींग पॅटर्नचा भाग आहे आणि आजमितीला आपल्याकडे चार दिवसापुर्वी ते आदेश होवुन फक्त परिनिक्षाधिन दोन सहा . आयुक्त शासनाचे आलेले आहेत . आपल्या महापलिकेच्या आस्थापनावर शासनाचा कोणताही दुसरा सहा. आयुक्त नाही.

रिटा शहा :-

याचा अर्थ आपला बोलायचा अर्थ असा आहे की त्यांची तुम्ही पदोन्नती सॅलेरिच्या हिशोबानी करू शकतात परुतु तुम्ही त्याला त्या पदभार देवू शकत नाही त्याचा अर्थ असा झाला.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

मा. महापौर महोदया, आपल्याकडे सहा. आयुक्त समकक्ष पद जे आहेत , ह्या पदावर सर्व अपलीच मंडळी काम करीत आहे. टॅक्सचा चार्ज पण आपल्याच माणसाला आहे. सामान्य प्रशासनाचा ही चार्ज आहे, सहाला सहा वार्ड ला ही आपल्याच माणसाला चार्ज आहे.

रिटा शहा :-

मी त्या बद्दल नाही विचारत माझाप्रश्न काय आहे की आपण त्यांना वेतनश्रेणी वाढवलेली आहे त्या पदाच्या हिशोबांनी ते मी मान्य करते परंतु त्या पदाच्या हिशोबांनी त्याला पदभार दिला नाही.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

सर्व पदभार दिलेलीच आहेत.

रिटा शाह :-

नाही सर.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

कोणत्याही पदावर शासनाचा अधिकार नाही.

**नयना म्हात्रे :-**

महापौर मॅडम तुमच्या परवानगीने बोलते, आयुक्त साहेब ह्या मिरा भाईंदरमध्ये बरेचसे लोक परमानंन्ट आहेत काही कर्मचारी ठेका पध्दतीने आहेत पण जी परमानंट लोक आहेत, ती सकाळी हजेरी लावून पळून जातात , कामच करत नाही कुठेतरी कोण मोटरसायकलवर फिरते , कोणीतरी मुलांना सोडायला गेले. बायकोला घेऊन शॉपिंगला गेले असे सगळेच चालु आहे त्यासाठी काय करणार ते सांगा कारण आम्ही बघतो ना तक्रार करतो तरी सुध्दा कारवाई होत नाही. त्याच्यावर काय करणार ते सांगा.

**अनिल सावंत :-**

महापौर मॅडम, सातवा वेतन आयोग देण्याचा विषय आहे. शासनाने सांगितले आहे आपण देतो सातवा, आठवा, नववा काय दहावा पण वेतन आयोग देऊ . आऊट पूटच काय आज परिस्थिती अशी आहे पालिकेमध्ये, महापौर मॅडम, अधिकाऱ्यांची 50 टक्के काम तर नगरसेवकच करतात, प्रभाग अधिकारी आहेत शहरामध्ये फेरिवाल्यांचा आणि अनधिकृत बांधकामाचा मोठा विषय आहे . नगरसेवकांनी तक्रार केल्याशिवाय काहीच कारवाई होत नाही आणि नगरसेवकांनी तक्रार केल्यानंतर कारवाई काय होते की ज्यांनी तक्रार केलेली आहे त्याच नाव पहिले जाते. ज्यांनी अनधिकृत बांधकाम केलेलं आहे त्याच्याजवळ किंवा वॉर्ड ऑफिसर काय करतात लोकप्रतिनिधीला बोलवतात ह्या आम्ही कारवाई करतो. मग वॉर्ड ऑफिसरच काम काय . आऊटपूट कधी देणार आहेत, एवढी पगारवाढ देतो आहोत. द्यायला हरकत नाही, कर्मचारी आहेत द्यायलाच पाहिजे पण त्यांच्याजवळ ज्या प्रमाणात पगार घेत आहेत, ज्याप्रमाणे सरकारी नोकरी मिळाली आहे. त्याला रिझल्ट देणार आहेत की नाहीत कित्येक अधिकारी असे आहेत की त्यांना पालिकेने फोन दिलेले आहेत. पालिका फोनची बिल भरते. तुमचे फोनच उचलणार नाही ते व्हॉट्सअॅप केले तर रिप्लाय नाही देणार ह्या अधिका ऱ्यांची झाडाझडती कधी घेणार आहोत . आपण आणि ह्याठिकाणी शासनाने जो गोषवारा दिलेला आहे , आस्थापनावरचा खर्च फक्त 32% मग त्यामध्ये अस्थाई कर्मचारी कुठ गेले, शिक्षक कुठ गेले, इनकम तर तेवढेच आहे मग त्यांचा खर्च तेवढाच आहे मग त्यांचा खर्च गोषवारा मध्ये का नाही दाखवला आहे. कॅपिटल इनव्हेस्टमेंटच्या भाड्यापोटी सांगितले आहे . परमानंट इनकम आहे . आणि 10% त्याच्यामध्ये वाढ होणार आहे परमानंट इनकम मा . आयुक्त साहेबांना मिळत नाही वर्धमान फेंन्टसी बी.ओ.टी. वर बांधुन दिल त्यच्यजवळून ठराविक रक्कम पालिकेला मिळणार होती. दोन वर्ष झाली तो कोर्टामध्ये गेला, स्टे आणला पालिकेचा इनकम बंद त्याचा धंदा जोरदार चालू ही वस्तुस्थिती आहे . दोन समान मंदिर पालिकेने भाड्याने दिली सप्टेंबरमध्ये त्या ठेकेदाराने काही अटी मानल्या , अटींच उल्लंघन केल म्हणून ठेका रद्द केला कोटार्पत गे ला स्टे घेवून आला पालिकेचा उत्पन्न बंद त्याचा उत्पन्न चालु अशा प्रकारे हा जो गोषवारा दिलेला आहे . त्याच्यामध्ये अशा काही बाबी दाखविलेलया आहेत की पालिकेच सर्व कामकाज अगदी व्यवस्थित चालल आहे . सर्व्हे चालु आहे प्रॉपर्टी टॅक्सचा आणि कम्पलीट होणार आहे आणि त्याच्यामध्ये 50 कोटींची वाढ हो णे गृहीत धरलेली आहे. कुठुन आणनार 50 कोटी? बजेट फुगवता त्याप्रमाणे गोषवारा सुध्दा प्रशासनाला गरज नव्हतीना अॅक्चुअल फिगर द्याना आम्हाला आज आस्थापनावरचा खर्च 50% च्यावर आहे. सिध्द करून दाखवु शकतो गोषवारामध्ये फक्त 32% दिलेले आहे आणि जर सातवा वेतन आयोग द्यायचा असेल, अस्थाई कर्मचाऱ्यांच काय विचार करणार आहात, शिक्षकांचा काय विचार करणार. ते पण पालिकेचेच कर्मचारी आहेत. ह्या सर्व गोष्टींचा विचार करा आणि ज्या अधिकाऱ्यांना आपण ही वेतन वाढ देतो त्या अधिकाऱ्यां जवळुन मॅक्सीमम आऊस -पूट कसे मिळेल दृष्टी कोनातुन कारवाई करा , एवढीच माझी विनंती आहे.

प्रभात पाटील :-

महापौर मॅडम, अनिल सावंत यांनी जे मत मांडले त्याच्याशी मी बिलकुल सहमत आहे. कारण तो गोषवारा सदोष आहे. त्याच्यात पहिला मुद्दा जे अस्थाई कर्मचारी आहे ते दाखवलेच नाही मग तो खर्च कुठे गेला. मा. आयुक्त साहेब खरतर पहिले तर तुमचा स्वागत मागच्य आयुक्तांनी खूप चांगला काम केलं प्रत्येक आयफक्तांनी इथे चांगल काम केलेल आहे. आपण अगवत्याला नमस्कार करतो पण मावळत्याला नमस्कार करतो, मागच्या आयुक्तांना पण खुप खुप अभिनंदन आणि त्यांना ही चांगली पोस्ट मिळावी अशी अपेक्षा आणि तुमच्यासाठी पण आमच्या कडुन खूप खूप शुभेच्छा की ह्या पालिकेमध्ये आपल्या कडुन चांगले काम होईल. आपल्या परिक्षेत्रात असतांना त्यांना घेतले नाही. परंतु तो त्यांना इथे नाकारण्याचा आपला मेन उद्देशच असा होतो की त्यांचा अतिरिक्त भार आपल्यावर येणार होता आणि तो बजेटवर आपला परिणाम करणारा होता. म्हणुन आपण तो असे ठरल की आपण् आवश्यकतेनुसार कॉन्ट्रक्ट पध्दतीने ते शिक्षक घेवु ह्याचा उद्देश असाच होतो की आप ल्या तिजोरीवरचा जो भार आहे तो आप ल्या पालिका प्रशासनाच्या कामी यावा 50% पेक्षा जास्त आपला आस्थापनावरचा खर्च आहे ह्या मतांशी त्यांच्या बिलकुल सहमत आहे. परुतु तो खर्च इथे दाखवला गेला नाही. साहेब ह्या महानगरपालिकेचा इतिहास तुम्ही जाणुन घेतला तर इथे कर्मचाऱ्यांच्या विषयी जेवढे पण धोरणात्मक निर्णय घेतले गेले कर्मचाऱ्यांच्या हिताच्याच दृष्टीने घेतले गेले एकदाही कर्मचाऱ्यांच्या अहिताचा विचार के ला गेला नाही आज ही आम्हाला कळत होत . त्यांनी येवूण सभागृहात बोलल आणि आम्ही आमच्या आढावा बैठकीत बोललो की हा गोषवारा सदोष आहे. ठराव केल्यानंतर पालिकेच्यावर आर्थिक तान जानवणार आहे . परुतु तरी ही आम्ही कर्मचाऱ्यांच्या हिताचा प्रश्न विचार करुन हा ठराव इथे मांडलेला आहे. आपल्यासाठी सांगते आयुक्त साहेब ह्या महानगरपालिकेने कधीही कर्मचाऱ्यांच्या सानुगृह अनुदानाचा विचार प्रस्ताव फेटाळला नाही . कधी जरी आम्ही 5 रूपयाचा प्रस्ताव केला मला असे वाटते की आमच्या विरोधी पक्षांनी सहा रुपयाचा प्रस्ताव केला. सांगण्याचा तात्पर्य हे आहे की तो आमचा विरोधी पक्ष असु दे इतर पक्षाचे लोक असु दे किंवा सत्ताधारी असु दे इथला प्रत्येकांनी कर्मचाऱ्यांचा हिताचा प्रश्नाचा विचार केलेला आहे. तर आम्ही तोच विचार केला आहे सानुग्रह अनुदानाच्या बाबतीत सुध्दा कधी त्यांना कमी केले नाही नयना ताईने जो विषय उचलला कि इथला कर्मचारी एकतर पंन्चींग करतो किंवा सही करतो आणि गाव भर फिरत असतो ह्या गोष्टी सर्वांना माहिती आहेत . विरोधी पक्षांना माहिती आहेत आम्हालाही माहिती आहेत. परंतु तो कर्मचारी आहे पालिकेचा तो एक तास काम करतो तरी आम्ही त्याला पाठीशी घातल आहे. साहेब शासनाने नवीन आणखिन एक निर्णय घेतला आहे पाच दिवसांचा अठवडा केला आहे म्हणजे आता त्यांना सहा दिवस पण भरायला नको आहेत. त्यांना पाच दिवसामध्ये अठवडा भरायचा काम आहे. ह्या सगळ्या गोष्टी लक्षात घेवून आज त्यांना सातवा वेतन पारीत केला आहे. त्यांच्याकडुन कस काम करन घ्यायच ही संपुर्ण जबाबदारी आपली बनते. आणि मला असे वाटते तुम्ही तुमची जबाबदारी व्यवस्थित पार पाडाल कारण तुम्हाला मंत्रालयापासुनचा अनुभव आहे. पण एकच विनंती आहे की ह्या सगळया गोष्टींचा आजपर्यंत जो परिणाम झाला आहे. ह्या पालिकेच्या सेवेवर तो परिणाम ह्याच्यापुढे सुधारलेला दिसला पाहिजे हीच ह्या ठरावाच्या दृष्टीने आपल्याकडुन अपेक्षा करते आणि आपण नवनिर्वाचित आहोत, ह्या पालिकेच्या माध्यमातुन , ह्या पालिकेला चांगली शिस्त लागेल हे तुमचे पहिले काम असेल. बाकीचे काम नंतर आहेत जो शिस्ताचा भाग आहे जो कार्य करण्याचा भाग आहे जो काम करण्याचा भाग त्याच्यावर तुमचा नियंत्रण असावं अशीच अपेक्षा आहे.

दिपीका अरोरा :-

साहेब माहिती अशी हवी होती की , आणखिन कुठे महाराष्ट्रामध्ये "ड" वर्गाची पालिका आहे. कुठे हे सातवा वेतन आयोग लागु झालेला आहे. कुठे तरी झालेला आहे का? कारण आपले जे उत्पन्न आहे बोलतोना खर्च रूपये और आमदनी अठन्नी ऐसा ना हो जाय कई ध्यान रखेगा. शासन की तरफ

से आया है तो यह बंधनकारक है और हमे करना है बट कहा हम लोग नॉम्स को पालते हुऐ देखते हुऐ रुल्स अँन्ड रेग्युलेशन को कई हमारा बजेट जो है वो सारा उपर निचे हो जाये उसका ध्यान रखे.

सुरेश खंण्डेलवाल :-

आयुक्त महोदय वैसे में इस विषय पे लक्षवेधी दोहरा था लेकीन मुझे एसा लगा की आपकी पहली सभा है, इसलीए जल्दी पुरी हो जाएगी लेकीन वेतन आयोग का ठराव होने के बाद में भी सभी सदस्य की शंका है , उनका समाधान हम करेंगे लेकीन मेरा एक विषय ऐसा है महापौर मॅडम अ भि हमारे सन्माननिय मित्र.

अनिल सावंत :-

भाई आप क्यु समाधान करेंगे बैठे है वा डायेसपे

सुरेश खंण्डेलवाल :-

में उनको ही बोला में वो समाधान करेंगे शायद आप को हिंन्दी समज में नही आई आपको साहेब मी असेच बोललो की आपण त्यांचे समाधान कराल साहेब विषय असा आहे की, आता आमच्या मित्राने एक सांगितले की आपण वाढ केलेली आहे ते ठीक आहे पण जे आऊट पुट आहे त्याच्यासाठी त्यांनी जे निवेदन केल आहे साहेब विषय असा आहे की ,महापौर मॅडम तुम्हाला पण् पत्र दिलेला आहे, आयुक्तांना पण पत्र दिलेल आहे. हमने मिरा भाईंदर के सबसे वीकट समस्या है ट्राफिक समस्या के लिए हमने मिरा भाईंदर महानगरपालिका से 75 वार्डन इस ट्राफिक डिपार्टमेंट को हमने दिए है एक वार्डन का रोज का एक हजार पचास रूपया मतलब 31 हजार के आस पास उनका पगार वोभी आठ घंटे का पगार है लेकिन वो वॉर्डन करता क्या है वो वार्डन सुबह ट्राफिक डिपार्टमेंट जाता है 9 बजे 10 बजे उधर काशिमीरा में जाकर हजेरी लगाता है 11 बजे स्पॉट पे आऐगा वहा आराम से उसका क्या काम है आज तक किसी को पता नही है यह पुरा सभागृह को पता नही है की हम दो-दो करोड रूपया खर्चा कर रहे है लेकिन ट्राफिक के लिए डिपार्टमेंट में किधर खडा है क्या कर रहा है कितने वार्डन आ रहे है कितने वॉर्डन छुट्टी पर है सर मेंने उनका हजेरी का रेकॉर्ड निकाला क्या यह संभव है की 50 वार्डन की पगार दे रहे है और रोज 49 वार्डन,48 वार्डन,50 वार्डन डेली उनको पगार दे रही है सर में आपका बताता हुं हमारे भाईंदर वेस्ट में हमने महानगरपालिकासे बांधकाम विभाग ने ट्राफिक डिपार्टमेंट को देड महिने पहिले लेटर दिया डिसेंबर महिने के आखिर में की मॅक्सेस मॉल के पास में जहां से आप आते है टेंबा रोड इस काम को डांबरी करन करना था डांबरी करन करने के लिए हतने नियोजन करने के लिए बांधकाम विभाग ने खांबित साहब ने उनको लेटर दिया , सर पवने दो महिने तक उनका रिप्लाय नही आया रिप्लाय नही आने के बाद में खुद चार बार जाके वहां पे फॉलप करने के बाद महापौर मॅडम उनको साईट पे दिखाने के बाद में तब जाकर हमको परमिशन दिया की आप डांबर का काम करो सर हमने उनसे मांग किया थाकी दो वार्डन वहा पर जगह पर उपस्थित रहने चाहिए एक वार्डन हमको नही दिया में दो -दो तीन-तीन वार्डन खांबित साहबको बुलाके पुछिए इनको 75-75 वार्डन का हम पैसा दे रहें है . इन पर करोडो रूपए खर्च कर रहे है और हमारे रोड का काम चालू है हमारी जगह पर काम चालू है और ह म इनसे मांग कर रहे है और हमको वार्डन नही दे रहे है. सर वर्सोवा पर जाके खडे रहते है मिरा भाईंदर का समस्या वर्सोवा नही है . मिरा भाईंदर की समस्या जंहा पर रोज सबह श्याम ट्रॅफिक होता है भाईंदर स्टेशन पर एक वार्डन नही है महापौर मॅडम आपको मालुम न ही होगा सुबह भाईं दर लोकल के टा ईम पर एक वार्डन नही होता है . 11-11 बजे आकर वार्डन ड्युटी करते है और वहां वार्ड न करते क्या है वो वहां पे पी आय के साथ मे लेके उनकी उनकी पाणी की बॉटल ले कर घुम रहे है उनके साथ में उनकी चफरासिगीरी कर रहे है महानगरपालिका पैसा उसकी लिए थोडी देती उनको मेरा मानना है की मा. आयुक्त महोदय नियोजन समिती का सभापती होने के बाद मेंने पहिला विषय यह लिया थाकी वार्डन की जबाबदारी है वॉर्ड ऑफिसर को वहां के स्थानिक नगरसेवक को पता होना चाहिए की मेंरे वॉर्ड में किस -किस नाके पे

कौन-कौन सा वार्डन की ड्युटी है कल कोई वहां पर ट्राफिक होता है तो उस वार्डन को जिमेदार ठहरा सकते है. नही तो कुछ मालुम यहा पे और हमने उनसे कहा था लेकिन महापौर मॅडम यह सुनने के लिए तयार नही. यह कह रहे है की हमारी जबाबदारी स्थान आप निश्चित करिए कहा पर वार्डन की जरुरत है लेकिन हजेरी हम लेंगे पगार हम दे रहे है उनको और हजेरी वाक वो लोग ले रहे है मेरा कहने का मतलब यह मिरा भाईंदर की ट्रा फिक समस्या तभी सलग सकती है जब हमको पता है में इस लिए आपसे कह रहा हुं क्युकी मेंने प्रॅक्टीकली अनुभव लिया है की रोज वार्डन की हमको लिस्ट दि गई थी यह यह वार्डन की यहा यहा पे जबाबदारी है महापौर मॅडम मेंने उनको फोन किया एक वार्डन घरपे बैठा है दुसरा वार्डन कहता यह कि मेंने तो नोकरी छोड दी , सिरा वार्डन कहता है तो यही नही मुझे समज में नही आरहा की आप करोडो रूपए पगार दे रहे है और हजेरी वो लोग ले रहे है महापौर मॅडम तुरंत इसपर कारवाई होनी चाहीए.

मा. महापौर :-

सुरेश खंण्डेलवालजीको आयुक्त साहब उत्तर देंगे.

नयना म्हात्रे :-

महापौर मॅडम आयुक्त साहेब सुभाषचंद्र बोस मैदाना जवळ शंभर ते दोनशे बस लागतात तीन चार वेळा सभागृहामध्ये जास्त बोलली तरी सुध्दा ती आतापर्यंत काढलेली नाहीत त्या बसवाल्यां च्या डोक्यावर कोनाचा हात आहे मला माहिती नाही परंतु त्या सर्व बस मुंबई वरून इकडै आपल्याकडे येतात.

वर्षा भनुशाली :-

महापौर मॅडम एक जानकारि चाहिंए वार्डन का क्या ऍज्युकेशन कुछ देखते है क्या ? एक सिव्हील इंजीनिअर हमारे यंहा पे काम करते है उनका पगार 13 से 14 हजार इनको हम लोग 31 हजार महिने का पगार देते उसके बाद में भी सुरेश खंण्डेलवालजीने जो बोला वो गलत नही बोला वो सही है और ड्युटी पे भी नही फिर भी हम लोग 31 हजार से ज्यादा पगार दे रहे और जो सिव्हील इंजिनिअर है एवढे अभ्यास करुन आपल्या इथे आहे आणि ते प्रत्येक दिवस ड्युटीवरती असतात जेवढे सिव्हील इंजीनिअर आहेत त्यांच्यात पवार साहेब आहेत त्याला तेरा ते चौदा हजार पगार.

जुबेर इनामदार :-

संधी आम्हाला आम्ही कधी मागीतली विरोधी पक्ष आहे . ही पहीला सभागृह असेल ही महानगरपालिका असेल, आयुक्त महोदय सत्ताधारी ठराव करतात आणि त्याच्या वर विरोध करतात खरोखर तुम्हाला हा विषय आणायच्या आधी त्यांच्याशी चर्चा केली पाहिजे होती सदस्यांबरोबर खरोखर तुम्ही कोणाच्या बाजूला आहेत. चर्चा त्यांनीच करायची, ठराव त्यांनीच करायचा.

दिनेश जैन :-

पुरे मिरा भाईंदर की महापौर है , पहिले तो महापौर मॅडम का धन्यवाद , पुरे सभागृह का करने की प्रशासन का करते और सातवा वेतन आपने लागु किया उसके लिये मेरा प्रश्न ऐसा है की वार्षीक जो खर्च इसके अंदर आयेगा सातवा वेतन मे वो 145 कोटी का खर्च अंदाजीत अपेक्षित बताया है उसमे, इसके अंदर सेवा मतलब अस्थाई कुछ है जो सेवा निवृत्त उन का फी साथ मे इसमे होटल मारा है 145 करोड मे जो 145 करोड वार्षिक खर्चा आपने बताया है, यह खर्चा अस्थायी अधिकारी जो काम पे है , की सेवानिवृत्त वेतनधारक कुंटुंब निवृत्तीवेतन धारक यांना लागु उनकाभी साथ मे है नही तो फीर पता चहेगा और भी ज्यादा बजेट होगा तो अपना बजेट भी संतुलन कहीना कही होना चाहीए तो माहिती मिलेगी तो अच्छा रहेंगा

मा. महापौर :-

सबका सवाल है, सबका एक साथ मे अन्सर देंगे|

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, धन्यवाद विरोधी पक्षाला संधी दिली त्याच्या बददल धन्यवाद. आयुक्त महोदय आपण एक प्रशासकीय अधिकारी हया शहराला लाभलेले आहात प्रशासकीय कामकाज म्हणजे , प्रशासकीय अधिकारी म्हणजे त्याच प्रशासकीय कामकाजचा माहिर खर तर हा विषय एक विशेष सत्र ठेवून हयाच्यावरती चर्चा करायला पाहिजे कारण याचा आर्थिक भूदंड आमच्या अर्थसंकल्पावर येणार आहे, आमचे मित्र अनिल सावंत सदस्य यांनी जी बा जू मांडली की 32% फक्त खर्च दाखवला जातो आस्थापनेचा तसे नाही आमच्याकडे अस्थाई आस्थापना सुध्दा आहे , त्याचा खर्च ही आस्थापनेवरच आहे. आम्ही त्यांचे प्रीन्सीपल एम्पलॉ य असल्यामुळे आमची जबाबदारी आहे खरी परस्थिती आमच्या सुका कचरा उचलला जातो आरोग्य विभागाच्या माध्यमातून त्याच्यावरती कोटयावधी रूपये खर्च होतो, वनविभाग आमच्या ठेक्या पध्दतीवर, परिवहन ठेक्यावर वार्डन 50 हून अधिक ठेक्या पध्दतीवर साहेब आरोग्य विभागामध्ये m.p.w कर्मचारी त्याच्यानंतर बालवाडया हे सगळे काही ठेका पध्दतीवर आहेत , कर विभाग आजच्या तारखेत सर्वेक्षण ठे का पध्दतीवर, संगणकचालक आम्ही वारंवार त्यांची दर वर्षी मुदतवाढ करत असतो ती आमच्या ठेका पध्दतीवर म्हणजे खर्च 50 टक्यांहून अधिक आहे तुम्ही हे ऑडिटचं पुस्तक घेवून बसा तूम्ही आलात आता याच्यावरती थोडसं तुम्हाला अभ्यास करावा लागेल हया खरी अर्थ व्यवस्थेचा त्यानंत र सुध्दा प्रशासनाचा गोषवारा म्हणजे त्याचा खरं तर मुद्दा आहे सातवा वेतन आयोग वेतन त्यांचा वाढला पाहिजे आम्हाला त्याचा दु :ख नाही कर्मचारी आहेत त्यांचा वेतन वाढला पाहिजे त्यांची ही गरजा आहेत , त्यांचाही कुंटुंब आहेत त्यांनी त्याचा वेतन जे काही ते घेत आहेत , खरोखर त्यांनी तसा काम करून दाखवाव , त्यांनी त्यांच्या जबाबदाऱ्या पार पाडल्या पाहिजे, इथे 50 कोटीहून अधिक रुपया मालमत्ता आणि नवीन इमारत याच्या माध्यमातून आपल्याला प्राप्त होणारा असा मुददा नं . दहा हया गोषावारामध्ये त्यांनी दिलेला आहे साहेब गेल्या पाच वर्षाचा अर्थ संकल्प उचलला ना तर तुम्हाला 60%. तफावत उत्पनाच्या बाजुमध्ये आणि आम्ही दर अर्थसंकल्पामध्ये हा विषय मांडलेला आहे . 60% तफावत असतांना तुमचा पडलेला खर्च फक्त आस्थापनेवरच आलेले तुमचा उत्पन्न, फक्त तुम्ही आस्थापनेवरच खर्च करणार का बाकीची विकासाची कामं आम्ही फक्त कर्ज माध्यमातून करायची, कर्जवर आम्हाला काय इन्ट्रेस्ट दयावा लागत नाही , व्याज लागत नाही का? आम्ही सक्षम असू शकतो फक्त आमच्याकडे पैसा उपलब्ध् नसतो कारण का आमचे कर्मचारी दिलेल्या जबाबदाऱ्या कधीच पूर्ण करत नाही. कर विभाग आमचा मोठा विभाग एकच उत्पन्नाचा स्त्रोत्र आहे दुसरा आमच्याकडे उत्पन्न नाही, इमारत बांधकाम विकास हा काय त्याला काही लिमिटेशन आहेत. शहर झाला तितका विकसीत होवून झालेला आहे . आता उत्पंनाचा स्त्रोत म्हणजे आमच्याकडे फक्त कर विभागाचे आहे. हया करविभागाच्या कामकाजाच्या पध्दती चाललेला आहे. एक एक फाईल आहेत ना सहा सहा महिने असे पडलेले असतात . त्याच्यावरती ते अधिकारी असे बसतात त्यांनाच माहित नसतो कि ती फाईल आली तरी कुठे आणि गेली तरी कुठे ही अशी वाईट परिस्थीती खरोखर प्रशासनाची आहे मी तुम्हाला पहिल्या दिवशी भेटलो तेव्हाच सांगितले साहेब खुर्च्यांच्या गाद्या झिजल्या उवल बांगडी करा प्रशासन खरोखर चांगला चालवायचं अ सेल तर कुठे तरी बदल एक मोठा प्रशासकिय बदल करणे गरजेचे आहे मी ठरावाच्या विरोधात बोलत नाही ठराव झाला त्याचा स्वागत आहे. पण साहेब मोठी जबाबदारी तुमच्यावर याच्यानंतर येणार आहे . की अर्थसंकल्पाचा आहे . अर्थ संकल्प तयार करतांना तुम्ही ऑडीटचे रिपोर्टस घेवून बघा साहेब एक चांगलं काम आमच्याकडे गीते साहेबांनी केलं होत ऑडिटचा आणि त्यांच्यानंतर पाठवले आहे अर्थसंकल्प तत्कालीन आयुक्तांच्या काळामध्ये पुढच्या चार वर्षामध्ये एकही काम नाही काढलं तरी आम्ही देयक आदा करु शकत नाही ही परिस्थिती त्यांना आमच्या समोर आणुन दिली होती तरी वर्षाचा स्पील ओव्हर बघितला तर पुढच्या सहा वर्षाचा स्पील ओव्हर तुमच्या समोर येणार आणि याचा जो त्रास आहे तो हया शहरावर आहे तोच आमचा पराभव आहे. याच्या साहेब बारकाईने लक्ष द्या हीच माझी विनंती धंन्यवाद.

मा. महापौर :-

आयुक्त साहेब जे सर्वाचे प्रश्न आहेत त्यांचा खुलासा करावा.

मा. आयुक्त :-

आदरणीय महापौर मॅ डमच्या पुर्व परवानगीने मी बोलत आहे. बऱ्याच सन्माननिय नगरसेवकांनी प्रश्न मांडले काही कर्मचारी /अधिकारी कामावर हजर होतात नंतर गायब होतात आणि मग काहींची सर्वांची म्हणता येणार नाही. काही अधिकारी/कर्मचाऱ्यांची अत्पादकता व्यवहार किंवा अति इफिशियंन्सी ही कमी आहे आणि मग आपण त्यांना पगार कशाला वाढवायचा जसा सातवा वेतन आयोग देतोय पगारवाढ देतो मग त्यांच्या कडुन तशी अपेक्षा सगळ्यांनी करणे आवश्यक आहे. तर मी सगळयांना सांगु इच्छीतो की त्या त्या एच .ओ.डी. वर जबाबदारी टाकणार आहोत आणि प्रत्येकाला विकली टार्गेट देवून आणखि काही वेगळ्या पध्दती ने आपण कर्मचारी/अधिकाऱ्यांवर कन्ट्रोल ठेवण्याचा प्रयत्न करू कन्ट्रोल ठेवण्यात येईल आणि सहाजिकच ते अधिकारी कर्मचारी इथे अपस्थित असेल तर त्यांच्या उत्पादेक्तेवर नक्कीच परिणाम होईल . तेवढे मी ह्या सभागृहाला ग्वाही देतो . दुसरा मुद्दा निघसाला की गोषवारा सदोष आहे प्रशासनाने सातवा वेतन आयोग निमित्ताने जो गोषवारा दिलेला आहे. त्यामध्ये फक्त स्थायी अधिकारी /कर्मचारी दाखवले आहेत आस्थापनेवरी ल खर्च 32 टक्के दाखवला आहे. तो 50 टक्केच्या वर आहे. मी ह्या ठिकाणी सांगू इच्छितो की आपण जी वेतनवाढ देणार आहोत सातवा वेतन ज्यांना लागू करणार आहोत ते फक्त स्थयी अधिकारी कर्मचाऱ्यांचा लागू करणार आहोत. त्यामुळे आता अस्थाई कर्मचाऱ्यांनावर जो खर्च होतो तो खर्च तसाच होणार आहे काल साहवा वेतन आयोग असतांना जो खर्च होतो तोच खर्च सातवा वेतन लागू झाल्यावर ही होणार आहे कारण त्यांना सातवा वेतन आयोग लागु होणारच नाही त्यामुळे खर्चात 'ए' आणि 'बी' आपण धरलं तर 'ए' म्हणजे स्थायीवरील खर्च आणि 'बी' म्हणजे अस्थायीवरील खर्च तर 'बी' आहे तो तसाच राहणार आहे फक्त 'ए' मध्ये चेंज होणार आहे आणि 'ए' वरचा खर्च आहे आता तो 32 टक्के आहे आणि 'ए' प्लस 'बी' दोन्ही धरलं तर 50% च्या आसपास जाहीर. सातवा वेतन आयोग फक्त 'ए' मध्ये किंवा येणाऱ्या अधिकारी /कर्मचाऱ्यांना देणार आहोत म्हणुनच आम्ही 32 टक्के जो स्थायी कर्मचाऱ्यांवर होणारा अस्थापना होणारा खर्च आहे तो दाखवला आहे त्यानंतर एक सन्मा . सदस्यांनी विचारलं होतं की कुठल्या 'ड' वर्ग महानगरपालिकेत हा सातवा वेतन आयोग लागू झाला माझ्यामते जळगांव महानगरपालिकेस लागू झा लेला आहे एवढे मला माहिती आहे . आणखी कूठे असतील तर माहिती घेवून सभागृहाला माहिती देण्यात येईल . आता राहिलं आपलं ट्रॉफिक वॉर्डन सभा सदस्यांनी सांगितल्याप्रमाणे परिस्थिती असेल तरच अतिशय विधारक आहे. भयंकर परिस्थिती आहे. पण ट्रॉफिक पोलिस आणि संबंधित कॉन्ट्रकटर यांच्या सोबत चर्चा करुन हा प्रश्न सोडविण्यात येईल. ज्या ठिकाणी ट्रॉफिक वॉर्डनची खरंच आवश्यकता आहे . असे स्पॉट आयडेंन्टीफाय करून ट्रॉफिक पोलिस आणि संबंधित कॉन्ट्रॅक्टर यांच्या सोबत चर्चा करून हा प्रश्न सोडविण्यात येईल . ज्या ठिकाणी ट्रॉफिक वॉर्डनची खरच आवश्यकता आहे . असे आयडेंन्टीफाय करून ट्राफिक ट्राफिक पोलिसांकडुन आपण तो रितसर प्रोग्राम घेवून की अमुक चौकात इतके ट्राफिक वार्डन ह्या चौकात इतके ट्राफिक वार्डन यांचा टाईमींग आणि त्यांची नाव आणि आवश्यकतेनुसार त्यांच्याकडुन मोबाईल नंबर प्राप्त झाल्यानंतर सन्मा. सदस्यांना ते मोबाईल नंबर कळविण्यात येतील म्हणजे मग सन्मा . सदस्यांना ते क्रॉस व्हेरिफाय करायचा असेल तर ते करू शकतिल त्यानंतर सुभाषचंद्र बोस चौकात प्रायव्हेट बसेस थांबतात असा एक सन्मा. सदस्यांनी निवेदेत केलेल आहे . त्याची माहिती घेवून त्याच्यावर कार वाई करण्यात येईल . अर्थसंकल्पाबाबत अतिशय मोलाची माहिती दिली . आणि अर्थ संकल्प पु ढच्या आठवड्यात आम्ही तयार करायला घेणार आहोत ते तयार करता ना आपल्या सुचनांच आम्ही नक्की पालन करु.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर आहे. जे पाणी विषय चुकीचे बील गेले आहेत त्याच्यामध्ये सुधारणा करून परत पाठवायचे आहे.

मर्लिन डिसा :-

सर वन सजेशन टू हाव अ कायटोरिया फॉर द वॉर्डन एक क्रायटेरिया बनवा क्वॉलिफिकेशन ट्रेनिंग कारण मी एक आलनेस्ट 20 वर्षाचा मुलाला बघितल होत रोड वर ट्राफिक कंन्ट्रोल करतांना त्याला कोणी ऐकत नव्हत सो दे अगेन टोटल ट्राफिक क्लेअर.

मा. आयुक्त :-

ट्राफिक वॉर्डन अपॉईमेंट करतांना , मागची जुनी फाईल बघू आपण त्यावेळी आपण जी अपॉईमेंन्ट केली आहे त्याचा करारनामा केला आहे त्यामध्ये अटी शर्ती इन्क्लुड केल्या असतील त्या बघुन घेवु आणखी त्यामध्ये काही सुधारणा करण्याची गरज असेल तर आपल्या सुचना नुसार सुधारणा करण्यात येईल पाणी पुरवठा बद्दल मगाशी बराच डिसकशन झाल त्यामध्ये मी सांगु इच्छीतो की पाणी पुरवठ्याचे वाढीव बिल दिले आहेत. ज्या ठिकाणी मीटर लागले नाही अशा ही ठिकाणांना बिल दिलेली आहेत किंवा काही ठिकाणी तेवढच पाणी येत तरी सुध्दा बिल वाढीव दिलेली आहेत तर ह्या सर्व प्रकरणाची चौकशी करून आणि त्यानंतर सुधारीत बिल देण्याची कारवाई करण्यात येईल.

प्रकरण क्र. 85 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी / कर्मचाऱ्यांना दि. ०१/०१/२०१६ पासून सुधारीत वेतनरचना (सातवा वेतन आयोग) लागु करणेस आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता मिळणेबाबत.

ठराव क्र. 101 :-

गोषवाऱ्यात नमुद प्रमाणे महापालिकेची सर्व शासकिय देणी व इतर देणी आजतागायत वेळच्या वेळी प्रदान करण्यात आलेली आहेत . महापालिका कुठल्याही प्रकारची थकबाकीदार नाही व महानगरपालिकेचा कर्जहप्ता बाकी नाही . कर्ज परतफेडीसाठी राखीव निधी उपलब्ध आहे . दरवर्षी भाड्यापोटी कायमस्वरुपी उत्पन्न मिळत आहे. यामध्ये दरवर्षी 10 टक्के नैसर्गिक वाढ होत आहे . आस्थापना वेतनावरील खर्च 32.04 टक्के इतका आहे.

महापालिकेने पाण्याच्या दरामध्ये वाढ केली आहे असे नमूद केले असून वास्तविक या आर्थिक वर्षात कोणतीही दरवाढ करण्याचा प्रस्ताव मा . महासभेत मंजूर केलेला नसुन प्रशासनाने सप्टेंबर - डिसेंबर 2019 या कालावधीत पाण्याच्या देयकामध्ये वाढ केली आहे ती चुकीची असून ती रद्द करावी व नागरीकांना सुधारीत देयके अदा करावी.

वरील बाबींचा विचार करुन , मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील स्थायी अधिकारी/कर्मचारी तसेच सेवानिवृत्त वेतनधारक/कुटुंब निवृत्ती वेतनधारक यांना राज्य शासनाने सातव्या वेतन आयोगात मंजूर केलेल्या सर्व शिफारशींसह सातवा वेतन आयोग लागु करण्यास व येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी ही मा. महासभा देत आहे.

सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील अनुमोदक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 86, वसई विरार व मिरा भाईंदर पुढे मुंबईस जोडण्यासाठी रेल्वेच्या पश्चिम बाजूस बृहन्मुंबई महानगरपालिका हद्दीतील दहिसर लिंक रस्त्यास जोडणारा , ६०.०० मी. रुंद रस्ता विकास योजनेत म.प्र. व न. अ. १९६६ चे कलम ३७ अन्वये दर्शविणेबाबत.

धृवकिशोर पाटील :-

महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम 1966 चे कलम 37(1) अन्वये वसई विरार व मिरा भाईंदर पुढे मुंबईस जोडण्यासाठी रेल्वेच्या पश्चिम बाजूस बृहन्मुंबई महानगरपालिका हद्दीतील दहिसर लिंक रस्त्यास जोडणारा, 60.00 मी. रुंद रस्ता विकास योजनेत सोबत जोडलेल्या नकाशानूसार दर्शविणेबाबतचा फेरबदल प्रस्तावास मंजुरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

राकेश शाह :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 86 :-

वसई विरार व मिरा भाईंदर पुढे मुंबईस जोडण्यासाठी रेल्वेच्या पश्चिम बाजूस बृहन्मुंबई महानगरपालिका हद्दीतील दहिसर लिंक रस्त्यास जोडणारा , ६०.०० मी. रुंद रस्ता विकास योजनेत म.प्र. व न. अ. १९६६ चे कलम ३७ अन्वये दर्शविणेबाबत.

ठराव क्र. 102 :-

महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररच ना अधिनियम 1966 चे कलम 37(1) अन्वये वसई विरार व मिरा भाईंदर पुढे मुंबईस जोडण्यासाठी रेल्वेच्या पश्चिम बाजूस बृहन्मुंबई महानगरपालिका हद्दीतील दहिसर लिंक रस्त्यास जोडणारा, 60.00 मी. रुंद रस्ता विकास योजनेत सोबत जोडलेल्या नकाशानूसार दर्शविणेबाबतचा फेरबदल प्रस्तावास मंजुरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. धुवकिशोर पाटील अनुमोदक :- श्री. राकेश शाह

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र . 87, ॲन्टी करप्शन ब्युरो कार्यालयातून लाचलुचपत प्रकरणी अटक करण्या त आलेले महानगरपालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांचेवर मा . न्यायालयात अभियोग दाखल करणेकरीता मा. आयुक्त यांनी दिलेल्या मंजूरी प्रकरणाचे अवलोकन करणे.

मा. उपमहापौर :-

कमिशनर साहेब आणि संपुर्ण सभागृहातील सन्मा . सदस्य साहेब आमच्या महापालिकेमध्ये नितीन राठोड यांना जन्म-मृत्यु दाखला ह्या कार्यालयामध्ये ॲन्टी करप्शन ब्युरो ने त्यांच्या वरती कारवाई केली ह्या शहरा मध्ये काम करतांना इथले कर्मचारी आणि नगरसेवक अत्यं त प्रामाणिकपणे विविध निर्णय घे त असतात परंतु अशी काही मंडळी आहे की त्यांच्यामुळे सातत्यांने ह्या महानगरपालिकेला बदनाम व्हावा लागतो. साहेब चुका यांच्या असतात, आता सातवा वेतन आयोगाच्या शिफारशी आपण लागु करतोय त्याच्यामुळे अशा काही चुकीची काम करणारे आहेत त्यांना ह्या सभेच्या माध्यमातून, ह्या महासभेच्या माध्यमातून विनंती करण्यात येते की चुकीची काम थांबवा म्हणजे चुकीची प्रवृत्ती आपोआप बंद होईल ह्या आधी जवळ जवळ 25 एक कर्मचारी आणि

अधिकारी ह्या महानगरपालिकेतुन आम्ही करप्शनने पकडलेले आहेत . मग लो क प्रतिनिधींने का बदनाम व्हाव वृत्तपत्रामध्ये अगदी दूरचित्र वाहीण्यामध्ये सातत्याने ह्या शहराची बदनामी हो असते . पुन्हा आपण असा अवलोक नासाठी विषय आ णतो आणि पुन्हा त्या कर्मचाऱ्याला आपल्या सेवेत सांभाळून घेतो. माझा अस मत आहे. अॅन्टी करप्शनने पकडलेल्या कर्मचाऱ्याला पुन्हा सेवेत घेवूच नये पुन्हा आपण त्यांना वरच्या पदावर जबाबदारी देतो कालपर्यंत भ्रष्टाचार करतांना पकडलेल्या अधिकारी आपल्याशी अत्यंत नम्रपणे बोलणर अधिकारी वरच्या खुर्चीवर गेला की पुन्हा त्याच कामाला सुरवात करतो जी काम रितसर आहेत कायदेशीर आहेत ती नक्की करा परंतु ही कुठची पध्दत ही म्हणजे वाईट असे वाटते की एक कर्मचा री पाण्याची लाईन टाकण्यासाठी उत्त नला अधिकारी 12 अधिकचे हजार रुपये मागत होता आणि त्यावेळेला मला ही बाब लक्षात आली मी कॅन्सल ऑफिसरला फोन करून सांगितले की आताच्याआता बदली करा मग तो कर्मचारी माझ्याकडे आल्यावर मला सांगतो मी प्रामाणिक पणे काम करतो. तेंव्हा त्याला सांगितल मी का एवढा प्रमाणिक असशिल तर घोडबंदराला तुझी फार गरज आहे. तो उसने बोला दुर पडेगा मेरे को मुझे अशा प्रकारचे हे करतात. साहेब मि एक पत्र दिल होत तात्कालीन आयुक्तांना की अशा कर्मचाऱ्यांवरती अशा अधिकाऱ्यांवरती आपली कृपादृष्टी नको अपेक्षित आहे. संकेत असे आहेत की ज्यांना ज्यांना अॅन्टीकरपशनने पकडलं त्यांना सेवेत घेतले मग त्यांना अधिकारी पदावर ठेवा त्यांना अकार्यकारी पदावर ठेवू नका त्यांना सिध्द करू द्या ना त्याचा दर्जा आणि मगच त्यांनी त्याचा दर्जा सिध्द केल्यानंतर नाही तर आता हजर झाला की 15-20 दिवासात मग नगरसेवकाला काही माहित नसते , नगरसेवकाला इथे कळत की नाही नंतर कळले की हा हा आपला अधिकारी आहे आणि तो ह्या डिपार्टमेंटचा चिफ आहे . तर आपल्याला विनंती आहे नव्यांने पदभार स्विकारला आपण शहरातल्या जेवढ्या चांगल्या गोष्टी कळतील त्याच्यात वाईट ही गोष्टी कळतील परुतु आपण एकदा ह्या सर्व कर्मचाऱ्यांच आतापर्यंत एक यादी तपासुन पहा आणि त्यांना कशा कशा प्रकारच्या बदल्या दिल्या त्याचा ही बघा आणि आवलोकनार्थ याच्यानंतर साहेब आमची अशी मागणी आहे की ज्यांच्या वरती असा दावा दाखल झाला त्यांना पकडलं त्यांना महानगरपालिकेच्या सेवेत घेवु नये घेतलं तर त्यांना का अशा ठिकाणी ठेवा की ज्याठिकाणी ह्या शहरातल्या कुठल्याही व्यापाऱ्याला कुठल्याही नागरिकाला त्यांच्याकडुन फसवल जाणार नाही ध्न्यवाद.

प्रभात पाटील :-

महापौर मॅडम 15/01/2020 रोजी मी सुध्दा एक तात्कालीन आयुक्तांना पत्र दिल होत काढुन बघा कदाचीत तुम्हाला वाटेल म्हणजे सांगायला नको सभागृहाला माहितच नाही माझी पा ठ थोपटत नाही पण मी 1991 पासुन मी ह्या सभागृहाची सदस्या आहे आणि आता पर्यंत असे बघितल प्रत्येक तीन चार सभा झाल्या की एक तरी भ्रष्टाचाराच्या प्रकरण येतात . ठीक आहे तुम्हाला ते दावे करण्यासाठी गुन्हा दाखल करण्यासाठी तुम्हाला तो विषय आणावा लागतो आमच्या आवलोकनार्थ पण मला एक सांगा की असे जेंव्हा हे लोक कारभार करतात तेंव्हा हे लोक आम्हाला सांगून करतात आणि किमी केल करायचे तुम्ही एक लिस्ट बघा की एका ध्या महापालिकेच्च्या ह्या एक -एका अधिकाऱ्यांनी किती जनां ना अँटी करपशनने पकडले रेकॉर्ड ब्रेक आहे . संपुर्ण महाराष्ट्रामध्ये मिरा भाईंदर महानगरपालिका एकमेव महापालिका असेल तिथे सगळ्यात जास्त अँटी करप्शनमध्ये पकडले गेले हा ह्या शहराला लागलेला कलंक आहे . भूषणावह बाब नाही अजीबात नाही त्याच्यामुळे असे प्रकरण आहेत. सगळ्यात कहर आपण करतो हे ठिक आहे त्यांनी चूक केली आपण आणंल त्यांना सभा गृहांनी परवानगी दिली की त्यांच्यावर गुन्हे दाखल करा होत काय ते थोड्या दिवसांनी रूजू होतात आणि साहेब आपलीच लोक मी सांगते कारण हे सगळ करण्यामागे आम्ही नसतो तुम्ही त्यांना सेवेत घेता अतिशय खेदाने बोलावं असं वाटत की त्याला पुंन्हा त्याच पदावर आणु न बसवतात. करतात काय माहित आहे ते आपलीच अधिकारी आठ-दहा दिवस तुला पोहच देतो आठ-दहा दिवस तु खुर्चीकडे येवू नकोस नंतर हळू हळू बसता आणि खूप उशीराने कळते, आम्हाला की अरे तो त्याच पदावर पुन्हा रूजू

झालेला का? पुन्हा त्याला बक्षिस देता हेत तेच काम करण्याची त्याला खाली आणयला त्या ला शिक्षा झाली पाहीजे की मी केल्याची शिक्षा मला झाली आपण कधी शिवाजी महाराजांची शिव जयंती साजरी केली ते हात छाटत होते , बोट छाटत होते सगळच करत होते आपण थोडीशी शिवशाही आणूया इथे चांगल्या कामाचा प्रमोशन द्या आम्ही तुंम्हाला सपोर्ट करू परंतु ही जी काम वाईट आहे त सगळ्यात महत्वाची गोष्ट की ह्या विभागात जंन्म -मृत्युच्या विभागामध्ये दोन लोक अँन्टी करप्शन ह्यावर तुम्ही जन्माचे दाखले आणि मृत्युचे दाखले देतांना सुध्दा तुम्हाला काय परिस्थीती आहे की महापालिका तुम्हाला काही देत नाही , तुम्ही किती वाजता येतात किती वाजता जाता याच्यावर निर्बंध नाही तुम्हाला सानुगृह अनुदान आहे . तुम्हाला सुट्टया आहेत, तुम्हाला सातवा वेतन आयोग आहे तरी सुध्दा हे सगळी काम करतात एक मी पत्र दिलं काढुन बघा 15/01/2020 रोजी पण ह्याच्यापुढे तुमच्याकडुन अपेक्षा करतो झाले गेले मागचे गंगेला मिळालं पण नव्या ने तुम्ही सुरूवात करावी कृपया त्या पोस्टवरती तरी आणू नका आणि जेवढे डिमोलेशन करता येईल पण प्रमोशन तर अजिबात नको.

गिता जैन :-

आयुक्त साहेब, यांनी पत्र दिल आहे सन्मा . उप-महापौरांनी पत्र दिल मी ही 13/01/2020 रोजी पत्र दिले आहे. कलम 56 त्यात तरतुद आहे की तुम्ही त्यांच वेतन वाढ किंवा पदोन्नती रोखा किंवा खालच्या पदावर द्या आणि तिसरे सेवेतुन काढुन टाकणे यांनी सांगितले सेवेतुन काढुन टाकणे सर्वात उत्त्म मी अॅग्री करते . पण नाही तर अकार्यकारी पद आपण देत नाही . त्यांना तेच पद परत देतो आपण ही एक लिस्ट काढुन बघा साहेब आपण नविन आहात म्हणुन आम्हाला वारंवार तेच सांगाव लागत दुसरं आपण दरवेळी हे जे झाल त्याचे बोलतो हे आहे पण एक 2012 ला एक नियम कदाचीत 397 काही मला आठवत नाही . नंबर त्याचा पण त्याप्रमाणे एखाद्या प्रभाग अधिकाऱ्याला आपण निर्देशात आणुन देतो की इथे तुमंच अनधिकृत बांधकाम चालु आहे. वारंवार निर्देशात आणतो वारंवार पत्र देतो तरी सुध्दा काही कारवाई करत नाही . त्यांनी निदान तिथे जावून त्यावर कारवाई करावी. साहेब आज मिरा भाईंदरच नांव आनखी एक महशुर झाला आहे . सगळ्यात अनधिकृत बांधकाम जर असेल तर मिरा भाईंदरच्या हद्दीत असेल ते ही आपल्या ला गौरव प्राप्त आहे मग ते कशाला आहे कारण असे अधिकारी आहेत आपल्याकडे तर त्यांच्यावर 397 कलमाप्रमाणे त्यांच्यावर कारवाई करा एक दोन वर कारवाई करणार तर बाकीचे सरळ चालणार साहेब सगळेच प्रभागात तुम्हांला लिसट देते मी अनधिकृत कुठे नसेल ते सांगा मला आणि वारंवार तक्रा री येतात लोकांची वारंवार नगरसेवक तक्रारी करतात वारंवार पत्रकार तक्रारी करतात तरी त्यांच्यावर काही कारवाई होत नाही, साहेब आताच त्या मैदानावर धरनावर बसला आहे . ते कश्याला बसले काय त्यांचे ते मला माहित नाही पण अनधिकृत आहे ते मात्र खर आहे ना त्यांच कारण खर आ हे मग आपण ते का करत नाही वारंवार अधिकाऱ्यांना साहेब माझे पाच लेटर तुम्हाला दाखवेल एकच विल्डर्स सांगतोय की तिथे अनधिकृत बांधकाम आहे ते तोडायला जा त नाही आपला अधिकारी. मग अजुन काय आपल्याला आशा करायची साहेब आपण नवीन आले आहेत आमची अशा आहे त्यांच्यावर त्वरित कार वाई करा धन्यंवाद.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम आता जे सन्मा . उपमाहपौरांनी जो विषय मांडला आहे ह्या ठिकाणी अँटी करप्शन मध्ये जी भुमीका सभागृहाची आहे ती आमची सर्वांची आहे साहेब ह्या ठिकाणी महापौर मॅडम गिता जैन मॅडम ने जो मुद्दा सांगितला तो अतिशय महत्वाचा मद्दा आहे कुठल आम्ही लेटर टाकतो नगरसेवक इल्लीगल बांधकामाच्या बाबतीमध्ये त्याच्यावरती अधिकारी कडुन दुर्लक्षित केल जात आणि साहेब आम्ही ह्याबाबतीत लेटर का नाही टाकत आम्ही इल्लिगल बांधकामामध्ये लेटर टाकल की तिकडे अधिकारीने जावून सांगायच त्यांना काही तरी जाऊन पटवा त्यांना काही तरी चिरी मिरी द्या

म्हणजे तुमच काम आम्ही सुरळीत पणे काम करू यासाठी आम्ही देखील लेटर टाकत नाही कारण त्या ठप्प आमच्या नगरसेवकांवर बसतो म्हणुन आम्ही इल्लिगल बांधकामावरती लेटर टाकायचं टाळतो परंतु अधिकाऱ्यांच काम आहे, प्रभाग अधिकाऱ्यांच काम आहे. त्याच्यावरती पहिले कारवाई करा कशाला आमच्याकडुन लेटरची अपेक्षा करता ,इल्लिगल काम ज्या वार्ड मध्ये चालु असत ज्या प्रभाग समितीमध्ये चालु असत त्या अधिकाऱ्यांना तिथल्या प्रभाग अधिकाऱ्यांना पकडा आणि आयुक्त साहेब त्यांच्यावरती पहिले कारवाई करा ही सगळी काम बंद होतील धंन्यवाद.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम प्रभाग क्रं. एक मध्ये कमीत कमी आमच्या वार्डात दहा झोपडपट्टी आहेत आणि सर्व झोपडपट्टी सरकारी जागेवर झाली आहेत . सन 2011 पुर्वीची आपण ते रेग्युलर करायला घेतली आहेत. पण त्याच्यामागे जी खाडी आहे जय अंबे नगरच्या मागे खाडी आहे ती खाडी आज पण विझवून तिथे झोपड्या बांधायचं काम चालू आहे सर्व झोपडपट्टी मध्ये झोपड्या बांधायच काम चालू आहे. आम्ही प्रभाग अधिकारीला फोन करतो ते आम्हाला त्यांनी आम्हाला मना केलेले आहे . त्यांनी आम्हाला फोन केले त्यांनी मला असे सांगितलं आणि ते झोपडे तोडत नाही. आपला चौपाटीला जायला रस्ता आहे. चौपाटी जायला रस्त्यामध्ये आपली गटर गेलेली आहेत . त्या गटारावर कमीत कमी 40 झोपड्या आहेत ति थे प्यारलल मच्छी मार्केट आहे. त्या आपल्या गटारावरच्या पण झोपड्या काढु शकत नाही त्याच्या व्यतिरिक्त दु :खद घटना काय होवु शकते साहेब , आपली सर्व सरकारी जागा फक्त झोपड्या बांधुन झालेली आहे.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर पुढचा विषय घ्या.

(मा. महापौरांच्या आदेशाने सदर विषयाचे अवलोकन करण्यात आले.)

नगरसचिव :-

प्रकरण 88, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील उद्यानामध्ये CSR फंडा अंतर्गत सौर LED High Mast व सौर दिवे लावणेबाबत.

राकेश शाह :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या उद्यानांमध्ये मिरा भाईंदर महापालिकेमार्फत कोणताही खर्च न करता CSR फंडा अंतर्गत Indian Oil Corporation मार्फत S.B. Powertronics या कंपनीस सौर LED High mast व सौर दिवे बसविण्यास ही मा . महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

दिनेश जैन :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम ठरावाच्या बाजुने असणार आहे चांगली गोष्ट आहे विकासाचा विषय आहे . आपल्याला काही तरी नाही लागत आपल्याला काही तरी मिळणार शहर आहे . साहेब एल.ए.डी हाय मास्क सोलर दिवे बासविणे दोन वर्ष निगा देखभाली करिता 10 कोटी 51 लक्ष खर्च डी.पी आर नुसार होणार सी एस आर ॲक्टीव्हीटी असल्यामुळे कुठली तरी संस्था आपल्याला तयार करून देईल हे मांन्य आहे काही हरकत नाही दोन वर्षा मध्ये हायमा स्कला काहीच होणार नाही याच्यानंतर याची देखभाल दुरूस्तीवर किती खर्च पडणार आहे . त्याची जबाबदारी कोणाची त्याचा उल्लेख कोण करेल 10 कोटी रूपऐचा खर्च दाखवला आहे . पहिल्या दोन वर्षासाठी मान्य आहे तयारी आहे आमची आपल्याला लागणार नाही काही हरकत नाही व्हेरपी ट्रीगर हॉपी त्याच्यानंतरच काम.

मा. उपमहापौर :-

इनामदार साहेब महापौरांच्या परवानगीने बोलतोय की सी .एस.आर फंडा अंतर्गत म्हणजे हे पोल वगैरे इरेक करण सगळ्या याचा संपुर्ण व्यवस्था करणे , केबल टाकणे ह्या सगळ्या गोष्टी त्यांच्याकडुन होतील नंतर आपला मेंन्टेनंस चा भाग आहे . नंतर दुरूस्तीचा प्रश्न असेल तर फक्त आपल्याला एल.ए.डी वगैरे बदलायचा असा नॉर्मल खर्च असेल. आपल्याला फार मोडा खर्च येणार नाही हा खर्च स्थानिक स्वराज्य संस्थेनेच करणे अपेक्षित आहे . आणि तेव्हा हा खर्च सी .एस.आर फंडातुन आणि मला वाटते ही अतिशय चांगली गोष्ट आहे . त्याच्यामध्ये तुमचे काय दुमत नाही . तुम्ही एक शंका व्यक्त केली त्यानंतरच मेंन्टेनंसच काय तर ती आपण व्यवस्था केली असती तरी आपल्याला मेंन्टेनंस करायचा आहे . आता त्यांनी केल्यानंतर देखील आपल्याला मेंन्टनेस करायची जबाबदारीच बनेल आपली.

जुबेर इनामदार :-

दोन वर्षामध्ये त्यांनी हा खर्च 10 कोटी रूपये खर्च दर्शविला आहे म्हणुन कारण सौर उर्जाला काही केबल वैगेरे टाकायची काहीच गरज नाही . तो हाय मास उर्जामध्येच चालेल त्याच्यामध्ये त्याचा प्रोव्हीजन असणार आहे 10 कोटीचा खर्च समोर दाखविलेला आहे . आपल्या निर्देशनांत आणुन देतो . उत्तर नाही दिल तरी चालेल ही सवय आहे मला विचारायची.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने मी सांगतो की खाली 10 कोटीचा खर्च याच्यासाठी दर्शविला आहे. ह्यामध्ये इन्स्टॉलेशन चार्जेस हे मुख्यताने अंतर्भुत आहेत त्याचा मेंन्टेनंस आपण सांगितल्या प्रमाणे सौर उर्जेवर चालते संचलि त होणार आहे त्याचा मेंन्टेनंस एक्सपेंन्डीचर कमी असणार आहे . हायमास जे आहे. ते एल.ए.डी आणि हायमास त्यांचा इंन्टॉलेशन एक्सपेंन्डीचर जास्त असल्यामुळे 10 कोटी खर्च दिसतोय पुढे मेंन्टेंनस चार्ज कमी असणार आहे.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 88 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील उद्यानामध्ये CSR फंडा अंतर्गत सौर LED High Mast व सौर दिवे लावणेबाबत.

ठराव क्र. 103 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या उद्यानांमध्ये मिरा भाईंदर महापालिकेमार्फत कोणताही खर्च न करता CSR फंडा अंतर्गत Indian Oil Corporation मार्फत S.B. Powertronics या कंपनीस सौर LED High mast व सौर दिवे बसविण्यास ही मा . महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. राकेश शाह अनुमोदक :- श्री. दिनेश जैन

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

**नगरसचिव :-**

**प्रकरण क्रं. 89, विविध विकास कामांना आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणे. (सार्व. बांधकाम विभाग)**

**धृवकिशोर पाटील :-**

मरा-भाईंदर महानगरपालका क्षेत्रात करावयाच्या खालील कामांची अंदाजपत्रके तयार करण्यात आलेली आहेत.

| | | |
|---|---|---|
| **1)** | भाईंदर (पुर्व) नवघर लोकमान्य टिळक सभागृह पहील्या मजल्याचे बांधकाम करणे. (खासदार निधी, आमदार निधी, महापौर स्वेच्छा निधी) | रू.**1,05,94,650/-** |
| **2)** | भाईंदर (पुर्व) संत तुकाराम महाराज मार्गावर टॉवर सभोवताली जागेचे, दुभाजकाचे सुशोभकरण करणे.<br>(मा. महापौर स्वेच्छा निधी) | रू.**29,20,950/-** |
| **3)** | भाईंदर (पुर्व) नवघर शाळा क्र.**13** शाळेचे वाढीव काम करणे. | रू.**1,50,00,000/-** |
| **4)** | भाईंदर (पुर्व) जैसल पार्क जुन्या जल कुंभाच्या जागेवर समाज मंदिर व अभ्यासका बांधणे.<br>(महापौर स्वेच्छा निधी व मनपा निधी) | रू.**98,01,240/-** |
| **5)** | उत्तन घनकचरा प्रक्रया प्रकल्प ठिकाणी इर्नट मटेरीयल सपाटीकरण करीता पोकलन, जेसीबी चेन डोझर, डम्पर, टोरस, मजुर इ. भाड्याने घेणे, लचड प्रक्रया करणे. | मुळ निवदा मंजूरीनुसार खर्च<br>रू.**15,00,00,000/-**<br>नवन प्रस्तावत खर्च<br>रू.**1,50,00,000/-** |
| **6)** | मरारोड (पुर्व) आरक्षण क्र.**178** कम्युनिटी हॉल ठिकाणी फर्निचर, पाठीमागे स्वयंपाक शेड, कॉक्रीट कोबा, पेव्हर ब्लॉक, रंगकाम इ. कामे करणे. | रू.**1,41,72,000/-** |
| **7)** | राई, आरक्षण क्र.**56** सी कम्युनिटी हॉल पहीला मजला वाढीव कामे करणे. | रू.**1,50,00,000/-** |
| **8)** | मरारोड (पूर्व) शतल नगर भागात पाण्याचा निचरा होण्यासाठी नाले, गटारे बांधकाम व इतर व्यवस्था करणे. | रू.**5,00,00,000/-** |
| **9)** | भाईंदर (प.) दुल्हन बी इमारत ते सुभाषचंद्र बोस मैदान पर्यंत नाला बांधणे. | रू.**4,46,54,400/-** |
| **10)** | मरारोड (पूर्व) सर्व्हे क्र. 233 मधील नाला ऊंच करुन स्लॅब टाकणे, पनाकोला रेन्टल इमारत मागील नाला बांधणे. | रू.**1,92,24,850/-** |

वरील कामाच्या अंदाजपत्रकांना प्रशासकीय व आर्थक मान्यता देण्यात येत आहे.

**हसमुख गहलोत :-**

**माझे अनुमोदन आहे.**

**अनिल सावंत :-**

**महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब वर्षे जवळ जवळ संपत आलेला आहे . प्रशासनाने विकास कामाचा गोषवारा दिलेला आहे बरोबर आहे पण याच्या आर्थिक प्रोव्ही जन कीती होती किती संपली आजपर्यंत, किती शिल्लक आहे. प्रोव्हीजन नसेल तर कशातुन आपण खर्च करणार आहेत की आता फक्त आर्थिक प्रशासकिय मंजुरी घेवून टेंडर काढणार आणि पुढच्या बजेट पर्यंत इनक्लुड करणार आहोत म्हणजे आगोदर खर्च करायचा नंतर बजेटमध्ये इनक्लूड मगाशी जुबेर इनामदारने सांगितलं तसं की सहा वर्षे लागतील आपल्याला जी पेंन्डींग कॉन्ट्रॅक्टर लोकांची बील पेड करायची आहेत ते मग याच्यामध्ये जर ती माहिती दिली खासदार निधी महापौर निधी ठिक आहे पण इतर जी विकास काम आहेत त्याच्यासाठी बजेट तरतुद किती होती आणि आता बजेट तरतुदी प्र माण आता बजेट किती शिल्लक आहे वर्ष संपायला आलं हे गोषवारामध्ये नमुद करायला पाहिजे जरा ऑडिटरला बोलवा माझ्यामते माहिती घंवू त्यानंतर हा जो विषय आहे जुन्या जलकुंभाच्या जागेवर समाज जेसल पार्क ती**

जागा कुठची आहे. सी.आर.झेड मध्ये आहे का सी.आर.झेड मध्ये असेल, सी.आर.झेड मध्ये नसेल तर हरकत नाही असेल तर त्याठिकाणी खर्च कसा करणार आहेत.

रोहिदास पाटील :-

ह्या ठिकाणी जेसल पार्कची पहिले तर जुणी पाण्याची टाकी होती ही आपण डिस्ट्रॉय केले आणि ती व्हॅकंट जागा आहे . त्या व्हॅकंट जागेवर आपण जेष्ठ नागरिकांसाठी आणि अभ्यासिकासाठी मागितले आहे. 100% टायटल क्लेअर जागा आहेत.

अनिल सावंत :-

पण त्याचा बजेट प्रोव्हीजन वगैरे ऑडिटरला विचारून घ्यावे लागेल काही शिल्लक आहे का ? आपण ह्या पुढच्या वर्षासाठी आता ठराव पस करतो आहोत तर चुकीच आहे. विकास कामांना आमचा अजिबात विरोध नाही पण पध्दतच चुकीची आ हे. फक्त आर्थीक प्रशासकिय मं जुरी घ्यायची टेंडर काढायचे कामांचा ठिकाणा नाही. आज आपण काँक्रीटचे रस्ते बनवतो आहोत साहेब जरा शहरामध्ये चक्कर मारून परिस्थिती बघा दोन वर्षे झाली . कुठे एका साईडचा बनलेला आहे . कुठे अर्धवट आहे दोन वर्षे लोक धुळ खाताहेत. व्यवस्थित नियोजन नसेल तर परिस्थिती हीच होणार आहे.

मर्लिन डिसा :-

महापौर मॅडम, तुमच्या परवाणगीने बोलते, आयुक्त साहेब जरा लक्ष पाहिजे. शितल नगरमध्ये जे काँक्रेटचे रस्ते आजुबाजुला होत आहेत ती सर्वात जुनी वस्ती आहे तिकडे अँन्ड एम .टी.एन.एल रोड आता काँक्रीटायझेशन चालु आहे . तो कमीत कमी एक फुट पेक्षा जास्त उंच झालेला आहे अँन्ड खतगांवकर साहेब आले होते. गेल्या मिटींग नंतर आणि त्यांनी सगळी पाहणी केली ते काम चालु आहे पण तिथे जे प्रायव्हेट आर जी प्लँट आहेत, तिथे काँक्रीट डेबरी आणुन आणुन टाकली आहे. रस्त्याचा कचरा तार डांबर तिकडे आणु न टाकलेला आहे जी जागा पालिकेने 2011 मध्ये चांगली माती टाकुन तिकडे स्वच्छ केल होत , प्रायव्हेट आर.जी असुन सुध्दा कारण हायजेनिक ग्राऊंडवर गणपती मंदीर जवळ आणि देना बँकेच्या मागे जी जागा आहे , तिथे खांबित साहेब पण आले होते. पाहणी करायला ॲडिशनल कलेक्टर आले होते. त्या जागेवर आता एवढी घाण आणुन टाकलेली आहे . ती पण जागा एक फुट जवळ जवळ वाढलेली आहे तर आता येत्या मानसुनला येणाऱ्या पावसाळ्यात पुर्ण ती वस्ती जी आहे. शितल नगर एरिया पाण्यांने एकदम बुडणार आहे.

मर्लिन डिसा :-

तर जी लोक टॅक्स भरतात त्यांना आपण अशी फॅसिलिटी देतो का साहेब माझी रिकवेस्ट आहे की तुम्ही येउुन तिकडे लक्ष दयावे आाणि त्या लोकांची परिास्थिती आहे ती सांभाळुन घ्यावी

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम आपला अभिनंदन करतो याच्यासाठी का हया विषयामध्ये बरेच विषय आहे आमचा आलेला आहे. आयुक्त साहेब दोन वर्षे झाली हा पहिला विषयासाठी सभासदामध्ये कमीत कमी माझी पंधरा मिनिटे दिलेली आहेत लोक मान्य टिळक सभागृह करण्यासाठी महापौर मॅडम त्या हॉलचे उद्रघाटन झाल्यापासुन ज्या हॉलमध्ये एक दिवस असा दाखवा की त्या दिवशी कार्यक्रम झालेला नाही झालेल्या नाही अशी परिस्थीती असतांना निधी नाही . महापौर मॅडम पहीला निधी आमदार प्रताप सरनाईक साहेबांनी दिला अयुक्त साहेबांनी सांगितल ताबडतोब आमदार साहेबांच लेटर आलं आमदार साहेबांचा पण तुम्ही प्रतिसाद आना महापौर मॅडम विचारे साहेबांना आम्ही लेटर दिलं विचारे साहेबांच्या समोर ही परिस्थिती मांडली विचारे साहे बांनी ताबडतोब 25 लाख रूपये आले ज्या एक करोड पाच लाख ज्या ठिकाणी सभागृहासाठी दिले. महापौर मॅडम चे 25 लाख रूपये आले एक करोड पाच लाख जया ठिकाणी आवश्यकता भासते तसे आम्ही आणला परंतु ह्या सभागृहामध्ये पहिले पहा त्याला अडीच दोन वर्षे लागली त्या सभागृहाला अत्यंत आ वश्यकता होती खाली ग्राऊंड आहे त्या ठिकाणी लग्न कार्य होतं इतर कार्यक्रम होतात .जेवण बणविण्यासाठी वगैरे कॉन्ट्रॅक्टर वाल्यांना

बोलवायची मंडप बांधाव लागतं पावसाळ्यामध्ये आता इथे अभियंता बसलेले आहेत त्यांना आम्ही रोज भेटतोय आज हा विषय आला मंजुरीला पास होईल या च्या बद्दल शंका नाही परंतु लवकरात लवकर ह्या सभागृहाच टेंडर काढुन काम चालु करा गोर-गरीब जनतेसाठी लोकमान्य टिळक सभागृह बांधलेल आहे. अधिकारी अशा पध्दतीच काम करत नाही सभागृहामध्ये महापौर मॅडम चला माझ्याबरोबर मी तुम्हाला दाखवतो काय हालत आहे . रोज कार्यक्रम असतात. परंतु देखभाल करायला उपमहापौर त्या ठिकाणी कोणी नाही तिथे दोन दोन सेक्युरिटी गार्ड ठेवलेले आहेत ह्या सभागृहामध्ये एकच द्या पण तिथे साफ सफाई होत नाही काहीच व्यवस्थित नाही फ क्त हा एकच हॉल असा आहे . हा वापरला जातो त्याच्यावर दुर्लक्ष करू नका गोर गरीब जनतेची सोय होते.

मा. महापौर :-

लवकरच काम सुरू होणार.

दिनेश नलावडे :-

काम लवकर होणार पण त्या सभागृहाचे देखभालिच काय त्याचा उत्तर आम्हाला द्या.

मा. उपमहापौर :-

नलावडे जी जरा शांत पणे घ्या सगळ्यांची उत्त र मिळतील काम मंजुर झाले म्हणुन विषय पटलावरती आहे आणि ते खासदार निधीतुन आले थोडं शात रहा.

दिनेश नलावडे :-

जर त्याच्यात साफ सफाई बरोबर होणार नसेल नगरपालिकेकडुन तर महापौर मॅडम आम्ही आंदोलन करू.

राजीव मेहरा :-

कमिशनर साहेब इस विषय में चर्चा हुई थी और अगले दिन कमिशनर साहब और खांबित साहब आये थे और उन्होने कहा था की रॅ बिट उठाने के लिए बिल्डर को प्रायव्हेट आर .जी पे रॅबिट डाला गया शितल नगर में वो होने के बाद उधर सर्वे किया उसके अगले दिन कमिशनर साहब आये पाच तारिक को वापस टाऊन प्लानिंग वालोने पाच सालों के बाद बिल्डर को लेकर उधर काम चालु करो को-ऑर्डिनेशन नही है. एक तारिक को निकाल ने का बोला जाता है, पाच तारिख को फिर रेफर किया जाता है और खांबि त साहब से बात करने के लिए बोलते है सब बात ही नही हुई थी कम से कम 50-50 गाडीया ऐसे राऊंड पर डाला जाएगां.

गिता परदेशी :-

सर मेरा यह परसनल है और यह कई साल हो गया है शितल नगर में ऐसा एरिया है वहा पानी की समस्या बहुत पुरानी है और मेरे खयाल से हमारे नगर सेवक है यहा से पहिले ही रह चुकी है मेरी आपसे यह रिकवेस्ट है की आप उस एरिया का सर्व्हे करिए दुबारा से और एक नये तरिकेसे काम सुरु करिए क्योंकि इतना प्रॉब्लेम है उस एरिया का अभि नये प्रॉब्लेम क्रीएट हुए है उस वजह से वो एरिया इस बारीश में इतना प्रॉब्लेमॅटिक होने वाला है हम एक ही पॅनल के 19 नगरसेवक है.हम लोगो को जवाब देना पडेगा में पिछले ढाई साल में नगरसेवक पिछले कई सालो से कोशिश कर रहे है सर आपको रिक्वेस्ट है अभी अपने मिरा भाईंदर के काम शुरू किया है पहिले इस इलाके की नजर डाल के काम शुरू करो|

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम 30 वर्षे झाली शितल नगर नगरवसाहतीला आता सर्व्हे झालं. ओसी मिळाला 30 वर्षानंतर टाऊन प्लानिंग आता पत्र देत आहे बिल्डरला कि ते ग्रार्डन डेव्हलप करून हॅन्ड ओव्हर करा रेसीडेंन्टला त्या अशा आ रजी आहेत ज्याठिकाणी पालिकेचा फंड लागलेला आहे पालिकेन खर्च केलेलं आहे आणि आता टाऊन प्लानिंग लगेस पत्र देत आहे की तुम्ही त्या आरजी म्हणजे अजुनपर्यंत त्या आर .जी बिल्डरने आपल्याजवळ ठेवलेले गेले 30 वर्षे ह्या इकडच्या तिकडच्या आर .जी

दाखवायच्या आणि प्लान पास करून घ्यायचे हे धंदे चालु आहेत. 30 वर्षामध्ये त्या पालिकेने काही केलेल नाही. तिथल्या रेसिडंन्सनेटी काही केलेल नाही आणि आज त्या रोडचे काम चालु आहे. ते डॉबरिज आनुन तिथे टाकलेले आहे. आणि आता त्याला डॉबरिज गार्डन डेव्हलप करायचा आहे . सेम प्रकार आरक्षण क्रं. 178 मध्ये पण आहे. तिथे तर पालिकेच्या माध्यमातुन डॉबरिज टाकलेले आहे गार्डन मध्ये आपण तिथे समाज मंदिर बांधलेल आहे .178 आरक्षण खेळाचे मैदान ते आपण डेव्हलप करणार आहोत. त्याठिकाणी कमीत कमी शंभर गाड्या डॅबरिज पालिकेने टाकलेले आहे . म्हणजे कॉन्ट्रॅक्टरला किती फेव्हर करणा र आहोत आपण ही कॉन्ट्रॅक्टरची जबाबदारी आहे ते रोड बनवते वेळी, गटर बनवते वेळी ,समाज मंदिर बनवते वेळी , डॅबरिज ची विलेव्हाट लावणे कॉन्ट्रॅक्टरची जबाबदारी आहे. कॉन्ट्रॅक्टरला तो बाजुचा फ्लॉट करून दिला आता मिथे डोंगर उभा राहीला आणि त्याला अनुसरून काय झाल मग भं गार खाना बनला. 15 दिवसापुर्वी साहेब परिस्थिती अशी आहे की ते आरक्षण पुर्णपणे आपण T.D.R. दिलेला आहे. पालिकेच्या शंभर टक्के ताब्यात आहे . 15 दिवसापुर्वी साहेब 15 म्हशी पाळून तिथे तबेला सुरू झाला वॉर्ड ऑफिसच्या मागे लागुन लागुन कसा तरी तो तबेला खाली केला म्हणजे असे जर एक तर आरक्षण ताब्यात घेत नाहीत. ताब्यात घेतलेल्या आरक्षणाची व्यवस्थित निगा राखत नाही. त्यामुळे साहेब 178 आरक्षणच पण तुम्ही बघुन घ्या.

मर्लिन डिसा :-

सर प्रायव्हेट आर.जी प्लॉट्स आहेत. माझी रिकवेस्ट आहे. की लेटेड बी ग्रीन झोन एरिया फक्त तिकडे गवत अ सु द्या, झाडे असु द्या , सुशोभिकरण ओन्ली विथ ग्रीनरी जस्ट प्रोटेक्ट इनव्हारमेंट आणि पावसाळ्यात काय होणार मातीमध्ये पण कॉंक्रीटाईज केलं तिकडे काही किती जॉगिंग ट्रॅक करायची किती डेव्हलप करायचे सो लेट देअर बी ओन्ली सॉल्ह म्हणजे पाणी पॉक्यूलेट होणार आजुन एक सजेशन होत.

मा. महापौर :-

आपकी उधर पाहणी करने के लिए आयेंगे तभी उनको सब पता चलेगा जब तक ओ जाके देखेंगे नही तब तक मुझे नही लगता हे उनको समज में आयेगा.

मर्लिन डिसा:-

वो कॉक्रीट रस्ते के बारे में एक सजेशन था मे यह शहरके लिएं बोल रही हुं सर माझी अजुन एक रिक्वेस्ट होती जे रोड कॉंक्रीटाइज करतो मग ते फुट पाथ आणि रोडच्या बाजुला जी जागा आहे तिथे आपण जागा ठेवली तर म्हणजे पावसाळ्यात पाणी पॉक्युलेट होणार असे काही तरी एक नविन सोल्युशन काढा सर Thanku you

राजीव मेहरा :-

साहब यह जो ट्राफिक हे यह 20/11/2019 को हमारी प्रभाग समिती की मिटींग हुई थी इसमे यह इश्यू मेंने रेस किया था उस वक्त वार्ड ऑफिसरने बोला था की यह अनधिकृत है यह नही कर सकते है इव्हन ए फीट अ प्रायव्हेट आर.जी क्योकी वहा पर वॉटर लॉगिन का प्रॉब्लेम है जो रॅबिट है रोड का वो आर.जी. नही डाला जा सकता विदाउट परमिशन प्रभाग नंबर 06 के वॉर्ड ऑफिसरने बोला था काफी हमारी डिस्कशन हुई उन्होने बोला की में इमीजीएटली उसपे कारवाई करता हुं F.I.R करने बोलता हुं एसके बाद में उनसे बात करने की कोशिश कर रहे है वो बात करने तयार नही| और उसके मिनिट्स मंगाकर देख लिजिए आपको डॉक्युमिंन्ट्री प्रुफ मिल जायेगा|

गिता जैन :-

आयुक्त साहेब ही जी वस्तु चाललेली आहे आर.जी.चा आतापर्यंत रेकॉर्ड बघणार तर सगळ्याच नगरसेवकांनी आपआपली निधी आ.जी प्लांट मध्ये खर्च करून त्याला डेव्हलप केले आहे. मग एखद्या त्याच नगरसेवकांच्या रिलेटेड संस्थाला ते आपण चालवायला दे तो दिस इज अ प्रॅक्टीस आणि मग ते सोसायटीची आर.जी एक प्रायव्हेट संस्थाने का म्हणुन वापरावी ते अजुन मला आता खुप मोठा

आमच्याकडे झगडा चाललेला आहे. शांती पार्क गोकुळला आर.जी मध्ये तिथे ऑफिस आहे. तिथे मंदिर आहे म्हणुन त्यासाठी ते कोर्टापर्यंत केस गेलेलं आहे त्या बद्दल आपल्याला बोलायच नाही पण आता पासुन मला असे वाटते की जेंव्हा जेंव्हा नगरसेवक निधी खासदार निधी जे जे आपल्याकडे सजेशन वापरायला येतात ते ते पहिले हे बघा की हे कुठल्यातरी प्रायव्हेट आर .जी. आहे. आपण तिथे वापरू शकु की नाही आता जे झाल ते परत यांनी काही तरी व्हॉट केल गंगाकाही तरी व्हॉट एव्हर पण आता पासुन साहेब आता अशी दोन-तीन आर.जी ठिकाणे आपले नगरसेवकांनी निधी दिलेला आहे ते डेव्हलप करायला आमची निधी घ्या तर सगळ्यात पहिले ते थांबवा आर.जी. त्या त्या सोसायटीची आहे त्यांना त्यांना परत द्या आणि त्यांना सांगा तुम्ही बघा ते आपण खर्चच कशाला करायचा आपण द्यायच का म्हणुंन ते त्या त्या सोसायटीची जबाबदारी आहे आणि मग त्या त्या माणसांने किंवा त्या त्या संस्थांने आपली प्रायव्हेट प्रॉपर्टी म्हणुन युज करायची साहेब अशी ही पध्दत चाललेली आहे . कुठे मैदान असे करत जाताहेत कुठे आपण तर्फ बनवतोय. कुठे काय बनवतोय का? आर. जी त्यांची आहे त्यांना द्या आता पासुन त्या आर .जी मध्ये नगरसेवकांनी एक पण पैसा खर्च करायचा नाही . दुसर जे कॉक्रीट रोडच सांगीतल साहेब आपण कुठे ही जिथे मनात आले तिथे कॉंक्रीट रोड केले शितल नगरचा हा एरिया खरोखर म्हणजे ऐवढे वरपर्यं त आपण कॉंक्रीट रोड गेले आहे . ते अजुन खाली गेलं आहे . तो पहिलेच लो लाईन एरिया होता त्या आजुबाजुला कॉंक्रीटीकरण करून अजुन लो लाईन झाला आहे. मग आपण कुठे कॉंक्रीटीकरण करायच त्यांचा कोणी अभयास करत नाही मेनटेंन करत नाही आपण काहीच नाही. पुर्ण शहर अस कॉंक्रीटीकरण झालेलं आहे. कुठेही सिमेंट्री नाही दुकानं खाली गेलेली आहेत , बिल्डींग खाली गेली आहेत वर कॉंक्रीट रोड आले आहेत . म्हणजे 20-20 वर्षे आपण परत रिडेव्हलंपमेंटकडे जायच का? आणि गेले तरी आपल्याला परवडणार का ? हे सगळे विचार शहरासाठी कोणीच केलेला नाही. मी परत आपल्याला ही विनंती करते आता पासुन हे थांबवा.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम ह्या ठिकाणी आर .जी चा विषय चालू आहे मी आता नगरसेवकांनी उल्लेख केला की त्या आर.जी मध्ये काही बांधकाम आपल्या महानगरपालिकेच्या नगरसेवक फंडातुन झालेली आहेत. आमदात निधीतुन झालेली आहेत. आयुक्त महोदय हे आर.जी ज्या काही आर.जी आहेत ह्या 2006 साली हस्तांतरित करण्यात आल्या महापालिकेला हस्तांतरित ह्यासाठी करण्यात आल्या की त्याची देखभाल दुरूस्ती महापालिकेने करावी त्याकरिता संबंधित जेवढे सोसायटींचे ना हरकत दाखले महापालिकेला देण्यात आले. सोसायटींचे पत्र देण्यात आली आणि त्यानुसार महापालिकेने ते ताब्यात घेतली आज महानगरपालिकेने ताब्यात घेतल्यानंतर मग नगरसेवक निधी असो , प्रभाग निधी असो, आमदार निधी असो ओपन जिम असो, ओपन जीमच कामच काम करण्यात आले आहे. त्या ठिकाणी जॉगिंग ट्रॅकच काम करण्यात आले आहे . संबंधित जि जागा आहे त्या जागेला कंम्पाऊंड वॉल बांधण्यात आली आहे. गेट देण्यात आली आहे. त्या ठिकाणी आपला सेक्युरिटी बसतोय त्या ठिकाणी सुदर असे गार्डन प्रस्थापित केले आहे. कुठे ही अनाधिकृत बांधकाम झाले असेल आणि त्याला मेंन्टेंन्स कोणी करायच आयुक्त महोदय , आज आपण म्हणतो की सोसायटी चे आर. जी आहेत. सोसायटीला द्या आयुक्त महोदय त्या ठि काणी चरसी,गर्दुले लोकं तिकडे येऊ न बसतात. कोणाचही त्याच्यावरती देखरेख नाही. लोकांना ते सहन कराव लागत आणि त्याची डेव्हलपमेंट कोणी करायची साहेब उद्यान दिलीत आ र.जी जा गा आहेत त्याची निगराणी बघणार को ण. कुठल्या सोसायटीला वेळ आहे . सोसायटींना एवढा वेळ नाही सदस्यांना त्या आपल्या सोसायटी मधल फक्त त्या बिल्डींगची इमारत बघतात तेवढ खुप आहे . आणि त्यामुळे आर .जी हे करोडो रूपये आज नाही तर खांबित साहेबांनी सांगांव आज करोडो रूपये आपण त्या ठिकाणी आर .जी मध्ये दिलेले आहेत आणि आ ता तत्कालिन आयुक्तांनी ते पत्र काढल रजिस्टर ॲग्रिमेंट करून घेतल आपण त्यांच्याकडुन रजिस्टर ॲग्रिमेंट केल्यानंतर तुम्ही दोन पत्र पाठवता त्यांनाकी सदर आर.जी तुम्हाला परत देण्यात येते . मग तुम्ही

रजिस्टर अॅग्रीमेंट त्यांच्याकडून करून घेतले आहे. तर असा होता काय नये. जे आर.जी. महापालिकेला देण्यात आली आहे ते आर. जी त्याचा मेंन्टेन्स ते महानगरपालिकेनेच करावं दुसरा करू शकत नाही सोसायटीच्या सदस्यांनकडे येवढा वेळ नाही . नाही तर परत असच होणार आहे की त्याठिकाणी तेच चरसी तेच गर्दुले कोणचाही त्याच्यावरती बंदिस्त राहणार नाही . असा सगळ प्रॉब्लेम त्याचा होईल माझी विनंती आहे महापौर मॅडम आपल्याला ही अपले हे करोडो रूपये वाया घालवायचे नाही त्याठिकाणी आयुक्त महोदय आपण सर्व्हे करा आपल्याला तीनचार दिवस झाले इथे येवमन प्रत्येक आर.जी इथे सर्व्हे करा आपण त्या आर .जी वर गार्डन विकसीत केलीत त्यां ना नांव दिलीत प्रत्येक आर.जी ला आपण नांव दिलेली आहेत . राजीव गांधी क्रीडांगन,मिनाताई ठाकरे मैदान ही सगळी नांवे आपण ही सभागृहात दिली त्यावेळेला त्या आ .जी. ला विरोध केला नाही आपण घेतल्या विकसित केली आणि आता म्हणतात की आर .जी. देऊन टाका तर साहेब ह्यावर गां भीर्याने लक्ष द्या , ह्या आर.जी आपण घेतलेल्या आहेत आपल्याच देखरेखी खाली राहणार आहेत लोक सकाळी तिथे येतात त्या सभोवतालची ज्या ज्या सोसायटी आहेत तेच सोसायटीची लोक तिथे मॉर्निंग वॉक साठी येतात . आणि ओपन जिम मध्ये कार्य करतात त्या ठिकाणी जे हॉल बांधलेला आहे ते हॉ लही आपण भाड्याने देतोय. गार्डन म्हटल तरी जागा आर .जी. असेल तरी आम्ही नवरात्र उत्सव करा यच म्हटल तर आम्हालाही तिथे पैसे भरून नवरात्र उत्सव करायचं आम्ही ही पालिकेला सहकार्य करतोय माझी विनंती असेल तुम्हाला आयुक्त महोदय ह्या सगळ्या आर .जी च्या जागेवरती स्वता : परसनल लक्ष द्याव धंन्यवाद.

गिता जैन :-

साहेब, मी परत सांगते जे झाल ते काय परत आणू शकत नाही ज्यांना आपण विकसीत केल ज्यांना नांव दिली त्याबद्दल माझा काहीही अक्षेप नाही मी परत सांगते साहेब धारावी मंदीराला प्रायव्हेट जागा आहे. आपले नगरसेवकांनी तिथे आपली नगरसेवक निधी युज केलेली. आपण जाऊन तिथे भाड लावलं त्यांनी सांगितल आम्हाला ही तुमची वास्तु नकोय तोडुन टाका .दुसरे हेच प्रॉब्लेम आता बेकरी गल्लीत होतोय साहेब एक हॉल बांधलेला आहे . वर्षानुवर्षे त्यांनी रिकवेस्ट केली होती गणेश नाईक साहेबांनी आम्हाला जागा द्या मी तिथे समा ज मंदिर बांधुन देतो . आता आपल्याकडुन तिथे भाडा लावले जाते जे त्यांना परवडत नाही जागा त्यांची आहे आणि भाडा त्यांनी आपल्याला द्यायचं हे का तुमची रिकवेस्ट होती म्हणुन तुम्हाला वापरायला दिलं साहेब हे जे सगळ होत आहे ते नियम बाळ्य आहे आणि सगळ्यात मोठ साहेब आपण बो लवा टाऊन प्लानरला आणि विचारा की असे काही करू शकतो का एखादा बिल्डर हँन्डवर्क करू शकतो का आर .जी ते विचारा नियमात असेल तर ह्या नाते हँन्डवर्क करून जर नसेल जी वस्तुच बिल्डरची नाही आर .जी विलॉग सोसायटी नॉट टू द गिल्डर हॉव कॅन बी ही हँन्ड ओव्हर परत सांगते जे झा लं त्याबद्दल खरच काही सांगत नाही आणि जें विकसीत झाले त्याबद्दल साहेब मी तुम्हाला रोज मॅसेज दाखवणार तिथे चरसी गुर्दुले नाही आहेत अशी बाब नाही. तिथे ही आहेत पण हे आता जे काही चालले आहे ते तरी थांबवा.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर.

दिपीका अरोरा :-

साहेब, हे जे वि षय आमच्याकडे शांती पार्कला ले .आऊट आहे हे बोलताहेत मॅडम सर बोलताहेत की आर. जी डेव्हलप करा हे करा स्टे आलेला आहे बांधकाम विभागाचे साहेब मागे बसले आहेत ते विचारा त्यांना स्टे अणलेला आहे कोणी एका माणसांनी विचार केला 172 बिल्डींगचा असोशिण्शन बनवायच आणि हे असोशि एशन घेवून आपण कलेक्टरकडे अर्ज करायचं की आर .जी चा डेव्हलपमेंट आणि मेंन्टेनंस रद्द करावं आणि करारनामा रद्द पण झालं आता विकसीत झालेला जे आहे मेनटेन कोन करणार आहे . पाणी द्यायचं आहे लाल माती टाकायची , माली द्यायचं ,सिक्युरिटी

द्यायची सोसायटीकडे ऐवढे फंड आहे का मतलब जितनी मेहनत आज तक की है , मैंने खुद अपना फंड एक गार्डन में दिया है, जो आज कब्जे में था वो छुडाके उनको करके दिया है और उसके बाद भी आज अगर यह चिज होती है तो वापस में वो ड्रिंक्स मे चला जायेगी मेहनत वापस वहां पर बंजर जमीन हो जाएगी कौन मेनटेन करने चला है उन्हको सोसायटी झूला तूटता है तो मैं कौनसे सोसायटी को बोलुंगी और सोसायटीने कमसे कम 11 पत्रव्यवहार वो लेआऊट के मेरे पास जिन्होंने सोसायटीने लिख के दिया है की हम लोगो को यह जो आर .जी प्लँट है, शुड बी कंन्टीन्यु बाय डेव्हलपमेंट बाय मेंन्टेन्स बाय द महानगरपालिका अँन्ड नॉट बाय द सोसायटी पिपल्स तो एक माणुसला वाटलं ती करोडपती असेल तो राहत पण नाही इकंड चेंबुरला राहतो इकडे येतो फाईट करायला तर कोण सुपारी देतो त्याला विचारायच मला कोण पाठींबा देतो अशा माणसाला की लॉ अॅन्ड आर्डर जी आपण एरियामध्ये क्रीएट केले आहे, जी लॉयन ऑर्डर शांततेने वागणुक केलेली आहे. तो जावून जावून मिरची लावून काय करतोय, दिस ऑर्डर कम्यनल राईटंस सांगा मला. साहेब मी सकाळी तुम्हाला भेटली होती जेंव्हा दुसरा माझा मुद्दा होता हे ले.आऊट होतं आणि 172 बिल्डींगमध्ये फक्त दहा बिल्डींगचे माणसं 20 प्रतिशत त्यांच्या सोबत आहेत असे चालणार आहे का? आणि एवढी लोक नगरसेवक इथे कशाला बसले आहेत.

मा. उपमहापौर :-

मा. महापौर, मा. आयुक्त आणि सन्मा . सदस्य दिपीका मॅडम आम्ही सर्वजण ह्या सभागृहाची अत्यंत पावित्र्याने मानते हे सभागृह आपले असे शब्द सभागृहात निघु नयेत आणि सभागृहाचे कामकाजातुन जो चुकीचा शब्द प्रयोज झाला तो वगळुन घ्यावा. ह्या ठिकाणी आ.जी वरती गोष्टी चालू आहेत. आता काय झालं आहे त्याच्या मुळे संपुर्ण शहरात विकसीत झालेली गार्डन ,ओपन जीम, किंवा नगरसेवक निधी , आमदार निधी,खासदार निधीतून लागलेल्या कामांना वेठीस धरू नका तुमचा एखादा पर्टीक्युलर काम असेल तर ह्या बाबत आयसुक्तांच्या दालनात जे येणाऱ्या काळातल्या महापौर असतील त्यांच्या दालनात बसुन आपण ह्या विषयात आपल मत मांडा परंतु विषय एक -दोन चार जागांचा असेल परंतु पुर्ण वेळ हे सभागृहामध्ये किंवा भाईंदर मध्ये सगळेच विकसीत झालेल्या आर.जी किंवा काम चुकीची आहेत असे सांगण्याचा प्रयत्न करू नका . एक गोष्ट नक्की आहे शितल नगरसारखे 34 स्पॉट ह्या शहरातल्या आहेत जे लो लाईन एरियामध्ये आहेत. कॉंक्रीटची रस्ते काळाची गरज असली काही चुकीची कामं झाली असतील तर त्या संदर्भात पुनच : सर्व्हे करून घ्या परुतु ज्या ज्या ठिकाणी कॉंक्रीटचे रस्ते झाले त्याठिकाणी रस्त्यावरून पाण्यांचा निचरा होण्यासाठी आपण आताच्या आधुनिक पध्दतीची गटार विकसीत केलेली आहेत ती केली आहेत. शितल नगर मधुन पाणी निघण्यासाठी मोठ्या गटारची निर्मीती केली नाल्याची निर्मीती केली , परंतु लो लाईन एरिया आहे त त्याच्यातला प्रश्न अगदी कितीही प्रयान केले तरी त्यातुन आपण बाहेर येवू शकत नाही त्याची तिव्रता कमी करण्याची जे प्रयत्न आहेत ते निश्चित करू . ह्यात अत्यंत खेळी मेळीत आजची सभा झालेली आहे. ज्यांना काही निवेदन करायचं असेल आणि असेच दोन -तीन म्हणजे आपल्याशी कनेक्टेड विषय असेल ना तर तो आयुक्तांकडे किंवा येणऱ्या महापौर असतील किंवा संबंधित यादी त्यांच्याकडे ठेवा.

दिपीका अरोरा :-

सभागृहामध्ये चुकीचा शब्द वापरायचे त्याच्यासाठी मी सर्व नगरसेवक आणि आयुक्तांकडुन माफी मागते.

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम, आर.जी चा विषय आहे गेल्या कित्येक वर्षापासुन साहेब नियम आहे की की नाही गेल्या कित्येक पवर्षापासुन आम्ही ऐकतोय काय आर .जी प्लॉटमध्ये नगरसेवकनिधी वापरता येतो का?

**मा. उपमहापौर :-**

तुम्हाला कुठल्या पर्टीक्युलर आर.जी अपेक्षित आहे त्याचा नंबर सांगा.

**प्रविण पाटील :-**

नंबर नाही सगळे आर.जी चा विषय सांगतो मिरा रोडचे स्पेशल सांगतो.

**गिता जैन :-**

मी खरोख सांगते त्या बद्दल नाही. आता काय होते सगळ्याना माहिती पडलय आर .जी वर हे करू शकत नाही म्हणजे आपला अर्धा काम थांबते. जे झाल ते आपण रिव्हर्स करूच शकत नाही.

**मा. उपमहापौर :-**

मॅडम ज्या सदस्याला ज्या.आर जी बद्दल बोलायच आहे,अर.जी चा प्रत्येक्ष उल्लेख करा.

**प्रविण पाटील :-**

नियम आहे की नाही अस थोडी चालत का ? आयुक्त साहेब अस झालं ना . नगरसेवक निधी वापरता येतो, आमच्या काही नगरसेवकांनी काही नियोजन केल की तिथे नियम सांगितले जातात.

**मा. उपमहापौर :-**

सनमा. सदस्य, तुमचा आक्षेप ज्या विषयावरती आहे.

**प्रविण पाटील :-**

आमचा सगळ्या आर .जी वर आहे . पालिकेचा नियम आहे कि नाही आम्ही नियोजन कलेले तिथे तुम्ही सांगा आर.जी चा नियम आहेत. तिथे वापरता येत नाही आणि तिथे स्थानिक नगरसेवक सांगतात तिथे वापरला जातो . आयुक्त साहेब ह्या विषयावर नियमा प्रमाणे धोरण ठरवा आणि झालेल्या आर.जी आहेत त्याच्यावर पध्दशीर काही कोर्टात जातात.

**गिता जैन :-**

आपली तिन-चार काम थांबलेली आहेत.

**प्रविण पाटील :-**

काही नियम आहेत की नाही.

**वंदना पाटील :-**

महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब परवानगीने बोलते खारी गावामध्ये पण रंगमंच बांधलेला आहे तिथे आम्ही पाच नगरसेवक निधी दिलेली आहे. जागा आहे गावकीची आणि बांधकाम केल नगरसेवक निधीतुन आणि आपली पालिका जाऊन तिथे पोलिस बंदोबस्त घेवुन लॉक करून घेऊन आलेली आहे . सहा ते सात महिने झालेले आहेत तर हा विषय म्हणजे जागा गाववाल्यांची असुन सुध्दा जर पालिका टाळ लावून जाते त्याचा विषय काय? जरा खंबित साहेबांनी खुलासा करावा.

**रोहिदास पाटील :-**

आयुक्त साहेब तुमचा पहिला दिवस आहे त्यामुळे आम्ही पण अत्यंत सन्मांनाने तुमच्याशी बोलतो हे मागू न जे बोलतात याचा तुम्हाला अत्यंत बारकाई ने अभ्यास करावा लागेल . ही अस्मि त आहे हवा शहराची अस्मित आहेत. अस्मितेच्या काही गोष्टी आहेत. जरा परंपरा शंभर, दोनशे वर्षाच्या परंपरा आहेत. कायदेमध्ये असे कोणी तरी येईल आणि आंम्हाला सांगेल सर आम्हाला मान्य नाही हा पुन्हा पुन्हा विषय येतो. करोडो रूपयाची पालिकेची लूट होत आहे. स्थानिक म्हणुन जर 40 लाख खर्च केला असेल, महापालिका हक्क सांगते टायटल क्लियर करुन घेतले आहे का. त्याचा ही एकुन घ्यायच नाही कुठे ही जो सांगेल तिथे खांबे मारायचे आणि नंतर गावकीला वेठीस धरायचं आमच्या भावना आहेत सर समाजाच्या भावना आहेत इथे आम्ही तुमच्याशी तडजोड करनार नाही . तुमचा आदर ठेवूनच बोलणार पण हक्क घेणार आम्ही पुन्हा पुन्हा सांगितलं की ह्या पाच -सहा आगरी लोकांच्या प्रॉपर्टी आहेत . आगरी लोकांचे तिथे वास्तव्य आहे , अस्तित्व आहे . खर्चाचा प्रश्नच येत नाही . महापालिकेने आणि मी आता सांगतो की ज्यावेळी टाळ लावल त्याची आजची पोझिशन काय खिडक्या

नेल्या लोकांनी लोक गावकी वापरत होती ते सर्व स्वच्छ होत . तुम्ही टाळ लावून आले . आता काय बगतील कोण तिथे कोणी तिथे बघ त नाही. उद्या दरवाजे ही दरवाजे ही जातील टाळ लागलेले अर्धी कडी तुटलेली राहील महापालिकेचा काय आणि गावकिच काय अस्तित्व आणि गावकिच काय अस्तित्व आमचे पण काही सन वाळे आहेत . आज आम्हाला बोलायचं नव्हत हा विषय तुम्हाला सन्मा . नगरसेवकांकडून किती माहिती मिळते आमचा कलेक्शन चालू आहेत आम्ही माहिती द्यायला येवू तुम्हाला.

मा. आयुक्त :-

शहरातील काही लोकेशनाच्या निमित्ताने आर . जी आणि त्यावरील बांधकाम मनपा तर्फे झालेले बांधकाम, त्या बांधकामाचे दिलेले खाजगी संस्थांना ठेके असे बरीच ज्वलंत चर्चा झालेली आहे. बऱ्याच वर्षापासुन आर .जी वर झालेले बांधकाम त्याचा डिसपोझल झालेला आहे . जे विकसित झाले आहे नंतरची विल्हेवाट लागलेली आहे . तर जे विकसित झाले आहे त्याच्याबद्द ल न बोलता यापुढे जे आर.जी डेव्हलप करणार आहोत , नियम काय आहे त्यात सोसायटीचा काय रोल आहे . महानगरपालिकेचा काय रोल आहे. हे सगळे तपासुन त्यानुसार कारवाई केली जाईल.

वर्षा भानुशाली :-

महापौर मॅडम, एक विषय था मैंने लास्ट महासभा में बोला था सर आप नये हो तो बस की विषय में मेंने बोला था , भाईंदर वेस्ट में जो सटेशन से लेके मॅक्सेस मॉल एक पुरानी बस चालु थी मेंने उसकी मांगनी की थी की वापीस वो बस रिपीट चालू किया जाए | और थोडासा राधा स्वामी सत्संग जो है उनसे यु टर्न लेके थोडसा उसमें|

मा. महापौर :-

अभी जो बस चालु होगी उसमे वो रूट डाला हूँवा है, ऑलरेडी वो बस चालू होने वाली है|

वर्षा भानुशाली :-

विषय ऐसा है की , तीन महिना हुंवा मैंने लेटर दिया है ,नये बस भी अपनी आके बहुत टाईम से पडी है. तो यह जनता की मांग है में जनता के लिए बोल रही हुँ|

मा. महापौर :-

यह कल तक होने वाला था लेकि न अभी थोडा पोसपाँड हुंवा हैतो साथ में बस का भी होगा लेकिन अभि बस चालु कर देंगे.

मर्लिन डिसा :-

महापौर मॅडम, आपकी परमिशन से , आयुक्त साहेब एज्युकेशन डिपार्टमेंट तरफे जे सार्हित्य आपण वाटप करतो विद्यार्थ्यांना ते अजुन कम्पलीट झालेलं नाही आणि पुर्ण ॲकॅडमी ए यर आता संपत आलेला आहे. आपल्या महानगरपालिकेच्या शाळांमध्ये जे वाटप अजून कम्प्लीट झालेली नाही ते परत चौकशी करा आणि काही शाळांची तक्रार आहे. स्कूल इन्स्पेकशनसाठी डिले करत आहेत.

मा. महापौर :-

ठराव मंजुर

वंदना पाटील :-

महापौर मॅडम, टाळ खोलणार आहेत की नाही खोलणार आहेत.

मा. महापौर :-

आयुक्त साहेब निर्णय घेतील,त्यांना परत भेटावं.

वंदना पाटील :-

आम्ही नगरसेवक निधी सात जणांनी नगरसेवकांनी दिलेली आहे . ती गोरगरीबांसाठी प्रामांणजससाठी दिलेली आहे. तर त्यांचा त्यांना काही तरी फायदा व्हावा.

**मा. महापौर :-**

**आयुक्त साहेबांना स्वता: भेटावं ते त्यांचे निर्णय देतील सगळे नगरसेवकांनी भेटांव.**

**मा. आयुक्त :-**

**संबंधीत नगरसेवक मला भेटू शकता आणि आपण प्रकरण तपासुन त्यानुसार निर्णय घेवू.**

**मा. महापौर :-**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर.**

**प्रकरण क्र. 89 :-**

**विविध विकास कामांना आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणे. (सार्व. बांधकाम विभाग)**

**ठराव क्र. 104 :-**

मरा-भाईंदर महानगरपा लका क्षेत्रात करावयाच्या खालील कामांची अंदाजपत्रके तयार करण्यात आलेली आहेत.

| | | |
|---|---|---|
| **1)** | भाईंदर (पुर्व) नवघर लोकमान्य टिळक सभागृह पहील्या मजल्याचे बांधकाम करणे. (खासदार निधी, आमदार निधी, महापौर स्वेच्छा निधी) | रू.**1,05,94,650/-** |
| **2)** | भाईंदर (पुर्व) संत तुकाराम महाराज मार्गावर टॉवर सभोवताली जागेचे, दुभाजकाचे सुशो भकरण करणे. (मा. महापौर स्वेच्छा निधी) | रू.**29,20,950/-** |
| **3)** | भाईंदर (पुर्व) नवघर शाळा क्र.**13** शाळेचे वाढीव काम करणे. | रू.**1,50,00,000/-** |
| **4)** | भाईंदर (पुर्व) जैसल पार्क जुन्या जल कुंभाच्या जागेवर समाज मंदिर व अभ्या सका बांधणे. (महापौर स्वेच्छा निधी व मनपा निधी) | रू.**98,01,240/-** |
| **5)** | उत्तन घनकचरा प्र क्रया प्रकल्प ठिकाणी इर्नट मटेरीयल सपाटीकरण करीता पोकलन, जेसीबी चेन डोझर, डम्पर, टोरस, मजुर इ. भाड्याने घेणे, लचड प्र क्रया करणे. | मुळ नि वदा मंजूरीनुसार खर्च रू.**15,00,00,000/-**<br>न वन प्रस्ता वत खर्च रू.**1,50,00,000/-** |
| **6)** | मरारोड (पुर्व) आरक्षण क्र.**178** कम्युनिटी हॉल ठिकाणी फर्निचर, पाठीमागे स्वयंपाक शेड, कॉक्रीट कोबा, पेव्हर ब्लॉक, रंगकाम इ. कामे करणे. | रू.**1,41,72,000/-** |
| **7)** | राई, आरक्षण क्र.**56** सी कम्युनिटी हॉल पहीला मजला वाढीव कामे करणे. | रू.**1,50,00,000/-** |
| **8)** | मरारोड (पूर्व) शतल नगर भागात पाण्याचा निचरा होण्यासाठी नाले, गटारे बांधकाम व इतर व्यवस्था करणे. | रू.**5,00,00,000/-** |
| **9)** | भाईंदर (प.) दुल्हन बी इमारत ते सुभाषचंद्र बोस मैदान पर्यंत नाला बांधणे. | रू.**4,46,54,400/-** |
| **10)** | मरारोड (पूर्व) सर्व्हे क्र. 233 मधील नाला उंच करुन स्लॅब टाकणे, पनाकोला रेन्टल इमारत मागील नाला बांधणे. | रू.**1,92,24,850/-** |

वरील कामाच्या अंदाजपत्रकांना प्रशासकीय व आ र्थक मान्यता देण्यात येत आहे.

सुचक :- श्री. धृवकिशोर पाटील        अनुमोदक :- श्री. हसमुख गहलोत

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम, आज 20 तारीख आहे, अडीच वर्षाचा कालावधी महापौर पदाचा उपमहापौर पदाचा एक आठ दिवसामध्ये पुर्ण होणार आ हे. आणि मला वाटते ही आज शेवटची सभा तुमच्या टेनवहरची आज झालेली आहे. अडीच वर्षांच्या कालावधीमध्ये आपण आणि उपमहापौर साहेब दोघांनी एक चांगल्या प्रकारे मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचा सभागृह चालवलं त्याच प्रमाणे मिरा भाईंदर शहराच्या नागरिकांच्या मुलभुत गरजा वि चारात घेवून शहराच्या चौथरता विकास आपण केलेला आहे. आपल्या महापौर पदाच्या कालावधीमध्ये अडीच वर्षामध्ये आपण खुप मोठे चांगले निर्णय घेतले आणि खुप अतिशय चांगल काम केलं न भू तोना भविष्यतो एक इतिहास आपण क्रि एट केलेला आहे आपल्याच कारकीर्दीमध्ये तात्कालिन मुख्यमंत्री देवें द्र फडणविस अनेक वेळा आपल्या शहरामध्ये आले मी राजकारणांमध्ये जवळ जवळ 25 ते 30 वर्षापासुन आहे आणि ह्या कालावधिमध्ये मिरा भाईंदर शहारामध्ये असे कुठलेच मुख्यमत्री एवढे आले नाहीत एवढे देवेद्र फडणविस साहेब आले आणि फक्त आले नाहीत कि त्यांनी त्या शहराला काही ना का ही तरी दिलेल आहे. आपल्याच कार्यकीर्दीत मॅडम सुर्या प्रकल्पाची 200 एस.एल.डी.ची योजना त्याचा काम, त्याचा कामाचा शुभारंभ तात्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस साहेबांच्या हस्ते आपण केलेलं आहे ते काम सुध्दा चांगल्या स्पीडने सुरू आहे . अनेक वर्षे रखडलेला जेसलपा र्कचा सब वे तो ही तुमच्या कारकीर्दीत तुम्ही पुर्ण केला आणि आदरणिय मुख्यमंत्री फडणविस साहेबांच्या हस्ते आपण तो सुरू केला त्याच बरोबर मिरा रोड स्टेशनच्या बाहेर एक चांगले सुशोभिकरण महापालिकेतर्फे करून एक आपल्या मिरा भाईदरच्या आपण एक चांगल लँडमार्क आपण दिलेला आहे. त्याच बरोबर मिरा भाईंदर शहरासाठी एक प्रमो द महाजन हॉल आिा मिनाताई ठाकरे हॉल हे सुध्दा अत्यंत चांगल वास्तु महापालिकेतर्फे तुमच्या कारकिर्दीमध्ये पुर्ण करून ह्या शहरासाठी आदरणीय मुख्यमंत्र्यांच्या हस्ते आपण नागरिकांसाठी सुपुर्त केलेले आहे. ह्याच प्रमाणे फॉन्टन हॉटेलच्या इकडे जी ट्राफिक होते ही ट्राफिक दुर करण्याकरिता तिथे केंद्र सरकारकडून आदरणीय नितीनजी गडकरी साहेबांकडुन आपण तिथे एक चांगला ब्रिज करून घेतला आणि ह्या मिरा भाईंदर शहराची ट्राफिक तिथे क्लि अर होऊन चांगला रस्ता ठाण्यासाठी आणि आमदारांसाठी जाण्यासाठी एक चांगला ब्रिज आपल्या कारकीर्दीत आपण मंजुर करून घेतला . ज्या वेळी देवेंद्र फडणविस साहेब होते त्यावेळी आपल्या शहरामध्ये अनेक आरक्षणाच्या जागा आपण महापालिकेला हस्तांतरित करून विनामुल्य हस्तांतरित करून घेतल्या , अश्या अनेक शेकडो एकर एकरची जागा करोडो रूपये ची जागा राज्यशासनाने महापालिकेला फ्री ऑफ चार्ज दिली साहेब हे अत्यंत म्हणजे महापालिकेच्या इतिहासामध्ये अस कधी झालेल नाही एवढे काम चांगल आपल्या फडणविस साहेबांनी , महापौरांनी पाठपुरावा केला त्यामुळे झालं आज मिरा भाईंदर शहरामध्ये एक हिस्ट्री झाली की सिमेंट रोड हे कधी झाले नव्हते, महापौरंच्या कालावधी मध्ये गेल्या अडीच वर्षामध्ये जवळ जवळ 15 ते 16 चांगले मोठे रस्ते आपण सिमेंट कॉंक्रेटचे केले जेणे करून पासाळ्यामध्ये जे खड्डे पडत होते आणि जे महानगरपालिका बदनाम होत होती ती बदनामीची जी परंपरा आहे ही ह्या अडीच वर्षाच्या कालावधी मध्ये संपुर्ण विविध आणि शहरातले महत्वाचेरस्ते सिमेंट कॉंक्रीटचे झालेले आहेत त्याच बरोबर ह्या मिरा भाईंदर शहरामध्ये सुभाषचंद्र बोस मैदान पासुन ते उत्तनचा रस्ता हा खूप छोटा होता हा सुध्दा मोठा करून एक चांगला सिमेंटचा रोडसुध्दा आपण आपल्या कालावधीमध्ये सुरू केलेला आहे तसेच

जेसलवार्क आणि घोडबंदर हा जो रस्ता आहे म्हणजे आपल्याला काशिमिरा हा एकच पर्याय होता तर आता जेसल पार्क पासुन घोडबंदर झाल्यानंतर आपल्याला ठाण्या ला जाण्याकरिता एकदम सोयीचा रस्ता आपल्या प्लॅनमध्ये आपण सुरू केलेला आहे त्याचप्रमाणे मिरा रोड इथे अनेक मोठ मोठी गार्डन्स आपल्या प्रयत्नांने आपल्या टॅन्युअलमध्ये कम्पलीट केलेली आहेत . अणि शहर वासिय त्यांचा लाभ घेत आहेत. तसेच नया नगरमध्ये भाइंदर वेस्टला विनायक नगरमध्ये आपल्या टेंडरमध्ये आपण चांगले कम्युनिटी हॉल सुध्दा कलेले आहेत आणि त्याच प्रमाणे कम ला पार्क येथे मिनी स्पोर्टस कॉम्पलेक्स त्याच्यामध्ये स्विमींग पुल आहे आणि इनडोअर गेम्स पण आहेत आणि अशा अतिशय उत्तम कार्या त्या स्पोर्ट कॉम्पलेक्सच्या निमित्तांने आपण भाईंदर वेस्टला दिलेला आहे . त्याचप्रमाणे आणि सगळ्यात चांगली गोष्ट म्हणजे अशी आली की स्वच्छ सर्वेक्षण जे केंद्र सरकारने दिल होत . त्या स्वच्छ सर्वेक्षणामध्ये आपला मिरा भाईंदरला भारतामध्ये 47 नंबर आणि महाराष्ट्रात सातवा नंबर 2018 मध्ये आला होता आणि त्याची परंपरा आपण कायम ठेवली आणि सगळ्या नगरसेवकांच्या आणि सगळ्या मिरा भाईंदरच्या जनतेच्या माध्यमातु न ही परंपरा चालु ठेवून 2019 मध्ये आपण भारतामध्ये 27 वा नंबर वरती आलो आणि महाराष्ट्रामध्ये तीसऱ्या नंबरवरती स्वच्छ सर्वेक्षणमध्ये आलो म्हणजे ही आपल्या मिरा भाईदरसाठी अभिमानास्पद बाब आहे त्याचप्रमाणे ओला कचरा , सुका कचराच वर्गीकरण हे अनेक वर्षापासुन रखडलेंल हो त त्याचा वर्गीकरणांच काम आपल्या टें डरमध्ये नगरसेवकांच्या आणि नाबरि कांच्या माध्यमातुन चांगल्याप्रका रे आपण केलेल आहे . आणि आपण प्रत्येक सोसायटीला सुका कचऱ्याची आणि ओल्या कचऱ्याची व्यवस्था करण्याकरिता डस्बीन सुध्दा दिलेले आहेत त्याचप्रमाणे सुका कचऱ्याचा ओल्या कचऱ्याचा जो प्लांट आहे हा प्लांट सुध्दा आपल्या महानगरपालिके मार्फत एक चांगल्या प्रकारे आणि उत्तम प्रकारे तो सुरू झालेला आहे आणि त्याच श्रेय आपल्याला जात आणि ह्याच मध्ये तिथे असलेला जो कचरा होता . उत्तंनच्या लोकांना त्या कचऱ्यामुळे त्रास होत होता आणि त्या क चऱ्याची विल्हेवाट लावण्याकरिता एक बायोमायनिंगचा प्रकल्पसुध्दा आपल्या कारकिर्दीमध्ये आपण सुरू केलेला आहे . त्याचप्रमाणे उत्तंनच्या रहिवाश्यांची मागणी होती की हा जोकचऱ्याचा प्लांट आहे . आमच्याकडून थोडसा शिफ्ट करावा जेणेकरून आमच्या लोकांना त्रास कमी होईल आणि त्या ची दखल घेवून मिरा भाईंदर शहरामध्ये अनेक छोटे छोटे प्रकल्प पाच टनाचे दहा टनाचे 20 टनाचे छोटे छोटे प्रकल्प आपल्या टेंडरमध्ये महापौर मॅडम त्याला मंजूरी दिलेली आहे. त्याची वर्क ऑर्डर पण त्याला इशु करून ते कॉन्ट्रॅक्टरच काम सुरू आहे . त्याच प्रमाणे परिवहन सेवा गेल्या अडिच वर्षाच्या आगोदर आपल्या परिवहन सेवेमध्ये हार्डली 20-25 बसेस सुरू होत्या आणि आज जवळ जवळ 70 बस परिवहनच्या सुरू आहेत आणि एक चांगली सेवा मिरा भाईंदर शहरासाठी आपण ही दिलेली आहे. ह्याच बरोबर एक अद्यावत बस डेपो ह्या मिरा भाईंदर शहरासाठी दिलेल आहे. त्याच्यामध्ये पेट्रोल पंम्प सुध्दा आहे . जी.पी.आर.एस सिस्टम सुध्दा आहे म्हणजे आता ऐवढी बस स्टॉप मध्ये तिथे एंडीकेटर लागलेले आहेत त्या एन्डीकेटर मध्ये आपल्याला कळते की ही बस किती वाजता येणार आहे . ही सुविधा आपल्या मिरा भाईंदरच्या जनतेसाठी आपण दिलेले आहे . कालच शिवजयंती झाली चांगल्याप्रकारे उत्तम आमच्या उपमहापौर साहेबांनी महापालिकेच्या माध्यमातुन एक उपक्रम चांगला सुरू केला आणि शिवाजी महाराजांच्या कालावधितला घोडबंदरचा जो कील्ला आहे तो किल्ला पुरातत्व वेगळा करून आपल्या महापालिकेच्या ताब्यामध्ये आपण घेतला आणि त्याचा सुशोभिकरणाचा काम त्या किल्याचे देखरे ख करण्याचे काम आणि एक अतिशय चांगली वास्तु मिरा भाईंदर शहरासाठी आणि मुंबईसाठी सुध्दा , ठाणेसाठी सुध्दा आपल्या महापालिकेच्या मार्फत आपण ते काम सुरू केलेले आहे. ते अतिशय खुप चांगला आहे. आणि आयुक्त साहेब आणखी सर्वात महत्वाची गोष्ट आज सगळ या नगरसेवकांच्या माध्यमातुन मिरा भाईंदर शहर हे बॅनर्स मुक्त झालेला आहे, महाराष्ट्रातुन नाही, भारतातील सगळ्यात पहिली महापालिका आहे ज्या महापालिकेमध्ये महापालिकेच्या क्षेत्रामध्ये कोणताही माणुस बॅनर लावू शकत नाही हा बॅनर मुक्त शहर हे आपल्या सर्व

नगरसेवकांच्या माध्यमातुन महापौरांनी फस्ट टाईम आधी हिस्ट्री केलेली आहे. आणि साहेब कोणताही नगरसेवक बॅनर लावत नाही पण हार्डली 2-5 टक्के काही दुसरे लोक असतात साहेब ते बॅनर्स लावतात थोडीशी प्रशासनांकडुन त्यांची एक अमंलबजावणी व्यवस्थीत झाली पाहिजे सर त्याच्यानं तर ह्या मिरा भाईंदर शहरासाठी ह्या मिरा भाईंदरच्या नागरिकांकरिता एक चांगल त्यांच स्वप्न होत की मिरा भाईंदर शहरामध्ये पण मेट्रो यायला पाहिजे . मिरा भाईंदरचा प्रवास व्हायला पाहिजे आणि मेट्रोच्या कामाचा सुध्दा काम त्यांच्या टेंडर मध्ये त्यांनी सुरू करून मिरा भा ईंदर शहरामध्ये जवळ जवळ नऊ स्टेशन आहेत आणि ही जर सेवा सुरू झाली येत्या तीन वर्षांच्या आत त्यांचा टार्गेट आहे की आम्हाला मिरा भाईंदर शहरामध्ये सुरू करायची आहे याच प्रमाणे bsup ची योजना या bsup योजना ही भरपुर लटकली होती थोडसं डिले झालं होत परंतु महापौरांनी पा ठपुरावा केला आणि शासनाकडुन 40 करोड रुपयांच लोन मंजुर करून घेतल आता हे लोन मंजुर झाल्यानंतर ह्या कामाला गती येवून त्या नागरीकांना मोफत घरे आपण देऊ शकतो तसेच महिलांसाठी सुध्दा चांगले उपक्रम राबवले आहेत महिलांच स्वालंबनाकरिता अनेक प्रशिक्षण त्यांनी दिलीत महिलां ना मोटिव्हेट केलं आणि त्याच प्रमाणे त्यांना एक व्यासपिठ करणे करिता मॅक्सेस मॉलच्या ग्राऊंड वरती त्याने असे अनेक उपक्रम लावले असे त्यांनी अनेक एक्जीव्हेशन लवालेत त्याच प्रमाणे नि राधार विधवा महिला असतील विधवा ज्या महिला असतील त्यांच्या मुलांना शिक्षणाकरिता त्यांच्या लग्नाकरिता सुध्दा एक चांगले उपक्रम त्यांनी लावलेले आहेत त्याच प्रमाणे रोरो वॉटर ट्रॉ न्सपोर्ट जे भाईंदर पासुन वसई , भाईंदर पासुन ठाणे , गायमुख कल्याण अश्या रितीने म्हणजे जर समजा आपल्या रोडला जर ट्राफिक असेल तर आपण त्या जल मार्गाने सुध्दा आपण आपली गाडी घेवून जाऊ शकतो अशी रोडो ट्रान्सपोर्ट सुध्दा महापौर मॅडमने केंद्र सरकार आणि राज्य सरकारच्या माध्यमातुन मिरा भाईंदर शहरात सुरू केली आहे . काशिमिराला जो फ्लयओव्हर ब्रीज च्या खली सुशोभिकरणाच जे काम आहे उपमहापौर चंद्रकांत पवैती साहेबांनी महापौर मॅडमने एक चां गल्या प्रकारे सुरू केलेल आहे तसेच टेंबा हॉस्पिटल सुध्दा राज्यशासनाला हस्तांतरित करण्याचा एक चांगला निर्णय तो झालेला आहे . आणि ह्याच हॉस्पिटल मध्ये अपंग , दिव्यांगाना दाखले देण्याकरिताचा काम आता मागच्या आठ दिवसांमध्ये त्यांनी सुरू केल जे ठाणे ला जावे लागत हो ते ते आता जाव लागत नाही . मिरा भाईंदर शहरामध्ये आपल्याला दिव्यांगनाचे सर्टिफिकेट येथेच मिळतील त्याच प्रमाणे तहसिलदार कार्यालय म्हणजे लहान लहान गोष्टींसाठी आपल्याला ठाणेला जाव लागत होत तेच तहसिलदार कार्यालय आज मिरा भाईंदर शहरामध्ये आणण्यांच पण एक चांगल काम त्यांच्यार हस्ते झालेलं आहे . तसेच मिरा भाईंदर शहरामध्ये एक चांगल पोलिस आयुक्तालय व्हावं याची सुध्दा मंजुरी त्यांच्या टेंडरमध्ये देवेंद्र फडणवीस साहेबांनी केलेली आहे आणि पोलिस आयुक्तालय सुध्दा फार लवकरात लवकर सुरु होणार आहे . अग्निशमन विभाग सक्षम करण्याकरिता आपले हायटाईट बिल्डींग आहेत तिथे जर आग लागली तर काय त्याच्यासाठी सुध्दा दोन चांगल्या गाड्या एक ए .एल.पी. आणि एक टी .एल.पी. यांना सुध्दा मंजुर त्यांच्या टेंडरमध्ये दिलेली आहे. अनधिकृत फेरिवाले जे रस्त्यावरती बसतात त्यांना आळा घालण्यासाठी शहरामध्ये जवळ जवळ 10 ते 15 ठिकाणी एक मार्केट सुध्दा सुरु केलेला आहे आणि फेरिवाला धोरण मंजुरीसाठी अंतिम टप्प्यामध्ये प्रशासनाकडे दिलेला आहे तरी प्रशासनाने त्याच्यावरती कारवाई करुन ते सुध्दा अंतिम करुन अनधिकृत फेरिवाल्यांवरती आळा बसण्याचे काम आपण केले पाहिजे असे अनेक विरंगुळा कें द्र ते फक्त सिनियर सिटीजनसाठी असतात परंतु माझी सैनिकांसाठी पण विरंगुळा केंद्र द्यावे असे त्यांचे मनोदय होते आणि त्यांनी ते दिलेले आहे . माजी सैनिकांसाठी सुध्दा दिलेल आहे. त्याच्यानंतर काही आर्टीस्ट त्यांना भेटले की मॅडम त्यांना दिले एक चांगले आर्टीस्ट आहेत जे कलाकार आहेत, जे साहित्यीक आहेत, जे कवी आहेत त्यांना सुध्दा एक चांगल व्यासपीठ निर्माण करणे त्यांना चांगली चांगली जागा पाहिजे होती ती जागा महापौर मॅडमने दिलेली आहे . ह्या शहरामध्ये बुध्द विहार आणि मेडिटेशन सेंटर त्याचा पण रिझर्व्हेशन होतं. ते सुध्दा डेव्ह लप

करण्याकरिता मॅडमने मनावर घेतलं आणि ते मेडिटेशन सेंटर सुध्दा त्यांच्या टॅनलमध्ये काम सुरु केले आहे. त्याचप्रमाणे आमच्या रोहिदास पाटील साहेबांचे एक स्वप्न होते वैती साहेबांचे एक स्वप्न होतं की आगरी बांधवांना आगरी भवन मिळावे आणि त्याची जागा आदरणीय मुख्यंत्री देवेंद्र फडणवीस यांच्या नेतृत्वाखाली त्यांना एक चांगली जागा आगरी भवनासाठी मोफत दिलेली आहे आणि जवळ जवळ आठ ते दहा वर्षापासून तुमचा पाठपुरावा सुरु होता त्यांचे फलीत त्यांच्या कारकिर्दीमध्ये होत आहे. वैती साहेब आमचे नेहमी म्हणायचे की महापौर मॅडमचा पायगुण चां गला आहे त्यांच्या पॅनलमध्ये साहेब एवढी काम झालीत की त्यांनी एक इतिहास करुन टाकला आहे . आता एज्युकेशनमध्ये सुध्दा पर्यावरण मेनटेन करणे सुध्दा त्यांनी वृक्षरोपणचा एक चांगला कार्यक्रम घेतला होता त्याचप्रमाणे शाळेमध्ये अनेक मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या ज्या शा ळा आहेत त्या शाळा डिलॅपीरेटेड कंडीशनमध्ये होत्या त्यांची पुर्नबांधणी सुध्दा केलेली आहे आणि शाळेचा शिक्षणाचा दर्जा ऊंचवावा म्हणून शिक्षकांना सुध्दा ट्रेनींग त्यांनी दिलेली आहे आणि त्याचबरोबर ई -क्लास रुम आणि डिजीटल क्लास रुम बनवायचं सुध्दा मानस होता तो त्यां नी पूर्ण केलेला आहे . तसेच भाईंदर पूर्व आणि पश्चिम रेल्वे स्टेशन सुशोभिकरणचे काम त्यांच्या टेन्यूअलमध्ये सुरु झालं आहे . त्याचप्रमाणे मिरारोडचे सुपुत्र शहीद मेजर कौस्तुभ राणे यांचे सुध्दा स्मारक बनवणे झाले आहे . तसेच स्वातंत्र सैनिक जे मिरा भाईंदर शहरामध्ये हो ते त्यांचे सुध्दा स्मारक त्यांच्या टेन्यूअलमध्ये पूर्ण केलेले आहे अशी अनेक काम महापौर मॅडमने केलेली आहेत. आज त्यांची शेवटची मिटींग होती म्हणून त्यांचे मी अभिनंदन करतो आणि त्यांच्या बरोबर आमचे उपमहापौर साहेबांचे पण अभिनंदन करतो आणि त्यांना पुढील वाटचालीसाठी शुभेच्छा देतो. ह्या सगळ करण्यामध्ये आमचे नरेंद्र मेहता साहेब भारतीय जनता पार्टीचे नेते आहेत त्यांचाही सिंहाचा वाटा होता तरी ह्या दोघांचा अभिनंदनाचा ठराव मांडतो.

रोहिदास पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम , अभिनंदन किती करायचं शब्द अपुरे पडतील . उपमहापौर साहेब , आयुक्त् महोदय ह्या शहराची पार्श्वभूमी आपण आता नविन आहात चार एक दिवस झालेले आहेत . पूर्ण मिरा भाईंदर शहराला व्हिजीट कराल तेव्हा ह्या ठिकाणी ह्या अडीच वर्षाच्या कार्यकालामध्ये जे काही योजना ह्या महापालिकेतर्फे राबविल्या गेल्या त्या योजनांची माहिती आपल्याला मिळणार आहे. आणि म्हणून मी ज्या आता अभिनंदनाच्या ठरावामध्ये जे काही बोलतो ते माझ्या मित्राने अगोदरच त्यातले काही मुद्दे सांगुन टाकलेले आहेत . त्यामुळे मी ते काही रिपिट करणार नाही . परंतु आयुक्त महोदय महापौरांचा पायगुण आमचे उपमहापौर नेहमी बोलत असतात प्रत्येक कार्यक्रमाला कुठे नारळ फोडला की महापौरांचा पण मी उपमहापौरांना पण सांगु इच्छितो की महापौर मॅडम आपला पायगुण चांगला आहे तसा उपमहापौरांचा पण पायगुण चांगला आहे आणि याचे ज्वलंत उदाहरण म्हणजे कालचा अंगावरती शहारे आणणारा हा घोडबंदर किल्ला ना भुतो ना भविष्य आयुक्त महोदय हा किल्ला आज नाही बनलेला आहे. परंतु त्याचे धाडस हे बनवायचं धाडस यांच्या घरात यांनी कधी तिकडे कुठे काही कचरा किंवा कुठली वस्तू तिथून उचलून बाजूला ठेवली नसेल पण ह्या उपमहापौरांनी त्याठिकाणी आपल्या घरच्यापेक्षा , गावच्यापेक्षा त्याला प्राधान्य दिलं आणि त्या ठिकाणी काल आपण एक चांगल्याप्रकारे शिवजयंती साजरी केली . अत्यंत म्हणजे त्याठिकाणी गावकऱ्यांना सोबत घेऊन नाही तरी आयुक्त महोदय मी संध्याकाळी ज्या वेळेला त्याठिकाणी पदयात्रा करुन आम्ही प्रवेश करत होतो त्या किल्यावरती म्हणजे संध्या काळी साडे पाच ते सहा वाजल्यापासून आयुक्त महोदय संध्याकाळी 9.30 वाजले रात्री त्याठिकाणी चार ते पाच हजार पब्लिक त्या किल्यावरती जाऊन आली म्हणजे हा देखावा बघण्यासारखा आहे. आयुक्त महोदय आपण निमंत्रण पत्रिका छापली त्याच्यामध्ये एक थोडसं व्यक्त करतो ह्याठिकाणी आपला कार्यक्रम चांगला झाला. उपमहापौरांनी, महापौरांनी त्या कार्यक्रमाला

निधी दिला आपण कार्ड छापले परंतु साहेब ह्या ठिकाणी जे मुंबईवरुन ह्या शहरात राहायले आले त्या लोकांना ह्याची कल्पना नाही नेक्स्ट टाईम उपमहापौर साहेब आपण ह्या ठिकाणी आयुक्त साहेब आपल्या प्रशासनाच्या माध्यमातून तो कार्यक्रम राबवतो वर्षानुवर्षे तो चालू राहणार आहे. जिथे आपण पाणी आलं, आपण होर्डिंग लावली जे काही मोठी आपण काम करतो त्याची होर्डिंग लावतो. आपण हा शिवजयंती उत्सव पण साजरा करु त्याठिकाणी पूर्ण मिरा भाईंदरमध्ये होर्डिंग्ज लावले गेले पाहि जे जेणेकरुन मिरा भाईंदरमधील कोपऱ्या कोपऱ्यातली लोक त्या ठिकाणी तिथे नतमस्तक व्हायला त्या ठिकाणी येतील आणि म्हणून त्यांचे खूप खूप अभिनंदन. आता झालं की सभापती म्हणून साहेब पाणी पुरवठा विभाग मध्यंतरीच्या काळामध्ये मी त्या पदावर होतो . महापौर मॅडमला पहिल्याच दि वशी मी सांगितलं की महापौर ह्याठिकाणी आपल्याला पाण्याचे जे धरण आहेत ते धरण आपल्याला बघायला जायचं आहे. महापौरांच्या बाबतीत किंवा उपमहापौरांच्या बाबतीत ज्या ज्या वेळेला ह्या सभागृहातून आम्ही आवाज दिला किंवा ह्या शहरातले प्रश्न सांगितले त्या त्या वेळेला त्या हजीर झाल्या पूर्ण दिवस आयुक्त महोदय आमच्या बरोबर होत्या आणि त्याठिकाणी पूर्ण शहराचा जिथून पाणी पुरवठा होतो त्या सगळ्याचा पाहणी दौरा त्यांनी केला . एवढे वरतीच थांबले नाही तर सुर्या डॅममध्ये पाणी पुरवठा आपल्याला आता होणार आहे अधिकता पाणी पुरवठा त्यालाही मंजुरी मिळालेली आहे. ते जेव्हा शांती नगर वसाहतीमध्ये एक जलकुंभ होतं त्याठिकाणी एका जलकुंभामधलं 11 सेक्टरला पाणी पुरवठा होत होता परंतु ह्यांच्या पुढाकारने सेक्टर 2 मध्ये आणखीन एक जलकुंभ उभ राहिलं आणि त्याठिकाणी सुव्यवस्थित असं पाणी लोकांना मिळायला लागलं . मिरारोड स्टेशन भव्य असं सुंदर प्रवेशद्वार त्याठिकाणी केलेले आहे . आपल्या महापालिकेच्या फंडातून आणि त्याठिकाणी तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस ह्यांच्या हस्ते त्यांचा शुभारंभ झालेला आहे ते ही आपण ह्याठिकाणी बघू शकता आता म्हणाले सिमेंट कॉंक्रीटचे सर परिस्थिती अशी होती की 2012 पासून आम्ही पत्रव्यवहार करत होतो ह्या शहराला सिमेंटचे कॉंक्रीटीकरण करा एक एक रस्ता तरी घ्या परंतु साहेब ते होत नव्हतं ह्या अडीच वर्षाच्या काळामध्ये आपण ह्या शहरामध्ये जेव्हा फिराल प्रत्येक ठिकाणी रस्त्याचे आणि गटाराची काम चालू नाहीत . एकही अस गटर कुठे बाकी ठेवलेलं नाही जेणेकरुन पाण्याचा निचरा होणार नाही हे मी तुम्हाला ह्या ठिकाणी सांगु शकतो . प्रत्येक धर्मियांसाठी ह्या ठिकाणी आपण दफनभुमी केलेली आहे ते ही आपल्या अडीच वर्षाच्या काळामध्ये झालेली आहेत . विद्यार्थ्यांकरिता अभ्यासिका लायब्ररी, ई-क्लास रुम याची सुविधा म्हणजे शहरामध्ये राहणाऱ्या विविध धर्मियांच्या लोकांसाठी महापौर मॅडमने , उपमहापौर साहेबांनी आणि तेवढे सांगून आयुक्त फक्त महापौर, उपमहापौरांनी नव्हे तर संपूर्ण ह्या लोकप्रतिनिधींनी त्यांना सहकार्य केलेले आहे आणि त्या ही पेक्षा उलट जाऊन सांगे ल प्रशासनाच्या वतीने तत्कालीन त्याठिकाणी आयुक्त साहेब होते खतगावकर साहेब, उपआयुक्त साहेब यांनी सगळ्यांनी आणि आपले बांधकाम विभागाचे म्हणो की कार्यकारी अभियंता, पाणी पुरवठ्याचे ह्या सगळ्यांनी मिळून त्याठिकाणी आज गार्डन डिपार्टमेंटने प्रत्येक गार्डन बघा साहे ब निटनिटके गार्डन आपल्याला ह्या शहराला मिळाली आहेत . महिला उद्योगांकरिता आपण भवन बनवतो त्यालाही आपण मंजूरी दिलेली आहे . खेळाडुंना वाव मिळण्याकरिता महापौरांच्या माध्यमातून ह्या ठिकाणी आपण त्यांना संधी उपलब्ध करुन दिलेली आहे. असे इतर आणि अनेक असे ह्या ठिकाणी राबविलेले आहेत. महापौर पुढेही जे कोणी महापौर असतील त्यांची ही अशाप्रकारे कामाची पध्दत असणार आहे म्हणजे पुढे ही आम्हालाच काम करायचे आहे आणि आम्हीच ते करणार आहोत . केली नाही कोणी काम ही जी आम्ही वाचून दाखवतो ही आम्ही केलेली काम आहेत . आमच्या कार्यकालामध्ये झाले ली काम आहेत आणि आमचे महापौर आणि उपमहापौरांनी ह्यासाठी योगदान दिलेलं आहे आणि म्हणून ह्या बरोबर प्रशासनाचे अभिनंदन करतो ह्या शहराचे काही वेडवाकडं केलेलं नाही ह्या शहराला ज्या मूलभूत गरजा प्राप्त व्हायच्या होत्या त्याच आपण ह्या महापालिकेतर्फे ह्या ठिकाणी राबवि लेले आहेत. ह्या ठिकाणी प्रत्येक वेळेला उठून

बोलतो काही काही वेळेला महापौर मॅडम मला बसवतात परंतु आज बसवणार नाहीत मी त्यांचे अभिनंदन करतो तर महापौर मॅडम आपण ज्या ज्या वेळेला लक्षवेधी मी टाकली त्या वेळेला महापौरांनी मला बोलायची ह्या ठिकाणी संधी दिली . उपमहापौरांनी त्याला अनुमोदन दिलेलं आहे आणि म्हणून हे जे काही आपण राबविले आहेत त्याचे हे सगळ प्रश्न किंवा ह्या सगळ्या मूलभूत गरजा ह्या पूर्णत्व न्याव्यात आणि आपण त्या करुन आणि आपल्या पुढील वाटचालीस मी तुम्हाला हार्दीक शुभेच्छा देतो. धन्यवाद.

शानु गोहिल :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलते , धृवकिशोरजीने जो महापौर मॅडम की अढाई साल के कार्यकाल के बारे में जो बात बताई जो जो सिंह का वाटा था महापौर मॅडम और उपमहापौरजी का उसमें शायद महिला सक्षमीकरण की बात जो उन्होंने की उसमें एक बहुत ही मुख्य बात कहना भूल गए वह थी रिक्षा की बात| मैं महिला बालकल्याण की सभापती थी फर्स्ट टाईम में अभी उस समय महापौर मॅडम और मा . आमदार नरेंद्रजी मेहताजी का एक सपथा था जो कमजोर बर्थ से आई हुई महिला है उनको इस तरह से हम लोग उसका सक्षमीकरण कर सकते है वूमन एम्पार्गन एम्पायर के नाते उनके लिए ऐसा सपना देखा था उन्होंने की उन महिलाओ को हम रिक्षा देंगे और उन महिलाओ को बाकायदा महिला बालकल्याण तरफ से हम ट्रेनिंग दि | हम लोगोने उनको परमिट , लायसन्स सबकुछ दिया आज अगर आप देखोगे मिरा भाईंदर शहर में तो दस रिक्षा ऑरेंज कलर है | वह बहुत अच्छी तरह से चल रही है | और वह सभी महिलाए अपने रोजगार के लिए सुबह से लेके रात तक रिक्षा चलाती है| इसलिए माननीय महापौर मॅडम को बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहूँगी और मा . नरेंद्र मेहताजी का इन दोनो का सपना था मा . उपमहापौरजी सभी लोगो ने हमें बहुत सहयोग दिया पुरे प्रशासनने भी और वह काम हम कर पाए इ सलिए महापौरजी आपको बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ | और आगे आनेवाली महापौर भी जो आएगी वह भी इसी तरह काम करेगी ऐसी मैं उम्मीद करती हूँ|

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम , महापौर बनल्यानंतर गेल्या अडीच वर्षामध्ये नेहमीच ह्या सभागृहातील वातावरण प्रफुल्लीत ठेवण्याचा आपण प्रामाणिक प्रयत्न केलात मराठीमधून कामकाज चालविण्यासाठी विशेष प्रयत्न केलेत आणि ते यशस्वी झालेत . बऱ्याच वेळा आमचे साहेब मतभेद झाले आहेत पण महापौर मॅडमने त्याचे मनभेद व्हायला दिले नाहीत. चांगले सभागृह सांभाळले. कॉंग्रेस पक्षाच्या वतीने त्यांच्या पुढील राजकीय वाटचालीसाठी मी हार्दिक शुभेच्छा देतो . तसेच आमचे वैती साहेब ऑलराऊंडरच आहेत कुठच्या विषयाला कशी कलाटणी द्यायची आणि सभागृहाचं वातावरण निवळायचं चांगल्याप्रकारे आपण दोघांनी ही अडीच वर्ष ह्या शहराला चांगल्या गोष्टी देऊन गेलात सभागृह चांगल्याप्रकारे सांभाळलं. पुन:च्छ एकदा आपलं कॉंग्रेस पक्षाच्या वतीने हार्दिक अभिनंदन करतो.

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम , उपमहापौर साहेब सर्व प्रथम गेल्या अडीच वर्षापासून ह्या सभागृहाचं यशस्वीरित्या काम केल्याबद्दल आपलं मनापासून आमच्या सगळ्या नगरसेवकांतर्फे हार्दिक अभिनंदन करतो. त्याचप्रमाणे सत्ताधारी पक्षाकडून आपलं स्वागत होणं जे धृवकिशोर पाटील बोलले किंवा प्रशांतजी बोलले हे अपेक्षित होतं परंतु विरोधी पक्षाकडून आपलं अभिनंदन होणे फार गरजेचं आहे कारण मगाशी सावंत साहेबांशी शब्द बोलला की आमचे मतभेद नेहमी असायचे पण म नभेद कधीच आपण करुन दिले नाही. आम्ही अगदी टोकाची भूमिका घेतली ह्या सभागृहामध्ये कारण विरोधात होतो परंतु सभागृहाच्या बाहेर उपमहापौर असो किंवा महापौर मॅडम असो जे संबंध होते ते कायम टिकवले असेच संबंध कायम ठेवावे त अशी अपेक्षा करतो. त्याचप्रमाणे येणाऱ्या महापौर, उपमहापौर कडून ह्या सभा गृहाच पावित्र्य आणि जे धृवकिशोर पाटीलांनी आणि प्रशांत दळवी ने जे कामाचा जो पाढा वाचला आयुक्त साहेब ही जी काम आहेत ती खरोखर झालेली आहेत त्याच्याबद्दल वाद नाही .

परंतु ही सर्व काम तर बोलणार नाही पण अशी जी काम आहेत की ती चालू झालेली आहेत पण पूर्ण झालेली नाहीत. तर महापौर मॅडम आणि उपमहापौरांनी हा प्रयत्न केलेले आहेत जे विधायक कामाच योग्य काम असते. त्याला आम्ही विरोधी पक्ष म्हणून कधीच विरोध करत नाही . अनेक ठराव आहेत ते सर्वांनुमते झाले आहेत. परंतु जे ठराव आहेत जी कामं आहेत त्याला विरोध करायचं त्याला नक्कीच विरोध केला आहे. परंतु जी चांगली काम आहेत त्याला आमचा नेहमीच पाठिंबा राहीला आहे आणि ह्याही पुढे राहील. महापौर मॅडम, उपमहापौर साहेब आपल्या या यशस्वी कारकिर्दीसाठी आमच्या सर्व नगरसेवकांकडून आपल्याला अभिनंदन देतो आणि आपल्या दोघांच्या वाटचालीसाठी शुभेच्छा देतो . धन्यवाद.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम श्रीम . डिम्पल विनोद मेहता खरतर एक गृहिणी हाऊस वाईफ मात्र घरातून राजकीय पाठबळ मिळाले नगरसेविका झाल्या . नशिबात होत म्हणून त्या महापौर ही झाल्या . एक सामान्य व्यक्ती जेव्हा महापौर होतात तेव्हा त्याच्यावर जबाबदाऱ्या भरपूर असतात पण त्यांनी खरोखर त्यांच्या जबाबदाऱ्या चांगल्यारित्या पार पाडल्या . आता आमचे धृवकिशोरांनी बरेच त्यांचे विवरण पत्र वाचलं. कामाची ती सवय आहे थापा मारायचा दिल्लीपासून गल्लीपर्यंत. आम्हाला सवय झालेली आहे काय हरकत नाही . तर थापा मारताना सुध्दा बरेच काही त्यांनी खरो खर काही केलेली काम ह्या शहरासाठी त्यांनी काम केली त्यांनी खरी सत्य परिस्थिती सांगितली आणि आम्हाला त्याचा अभिमान ही आहे की आमच्या शहराच्या महापौरांनी हे काम केलेली आहेत. सभागृह चालवण हे काही सोप काम नसते आणि त्यांनी चांगलं सभागृह चालवलं विरोधी पक्षाला संधी दिली बोलायची मी हा विषय कधीच विसरणार नाही की तुम्ही तिथे त्या स्थानी बसून सुध्दा एक फक्त पक्षाची भूमिका नाही मांडली एक महापौराची भूमिका मांडली. एक चांगल ह्या सभागृहाला विरोधी पक्षाला खेळीमेळीच्या वातावरणामध्ये तुम्ही विरोध करायची संधी दिली हे गरजेचं होतं आणि ते तुमच्या खरतर त्या रिपोर्ट कार्डमधला हा विषय जो आहे तो त्याच्यामध्ये तुम्हाला शंभर पैकी शंभर मार्क मिळतील एक संधी प्राप्त झाली होती मान्यवरांबरोबर इंदौरला जायची साहेब स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत आशिया खंडातला मोठा सेमिनार होता . ह्या देशाचं एक चांगल रा ज्य म्हणून मानलं जातं . पत्रकारांनी काही प्रश्न विचारले त्यांना दुसऱ्या राज्यामध्ये गेल्यानंतर तिथे पत्रकार थोडा आमच्या पत्रकारपेक्षा वेगळे असतात. आपल्या पत्रकाराला आपली सवय असते . वैती साहेब ही आमच्याबरोबर होते पण चांगल्या पध्दतीने ह्या शहराची भूमिका महापौ रांनी बजावली. मला त्या दिवशी बाईबद्दल खरोखर एक सन्मान वाटला की खरोचार एक चांगला आम्ही महापौर निवडला आहे . ह्या शहरासाठी एक चांगली गोष्ट झाली त्या दिवशी घडलं एक अनुभव चांगला मला प्राप्त झाला . कदाचित आजची सभा ही महापौर मॅडम शेवटचीच असणार आमची ह्या माझ्या पक्षा च्यावतीने मी तुम्हाला शुभेच्छा . व्यक्तीश: माझी तुम्हाला शुभेच्छा की तुम्ही ह्या शहरामध्ये त्या शहराचं आणि सभागृहाचं महानगरपालिका झाल्यानंतर मला वाटतं पाच महापौर झाले आहेत . चार महापौर महिला आणि प्रत्येक महापौरांनी एखाद आमच्या मायरा मेन्डोंसा सोडले तर बाकीच्या महापौर गिता जैन आमदार झाल्या आमची आपल्याला शुभेच्छा आहे. ह्या पुढच्या राजकीय चळवळीमध्ये सुध्दा तुम्ही एक आमदार व्हाव्या. ह्या शहराचं नेतृत्व करा तुमच्याकडे ती शैली आहे आम्हाला ते बघायला आवडेल . एक महिला महापौर म्हणून आपला सन्मान नेहमी राहिलेला आहे आणि ने हमी राहील. मतभेद झाला असेल मात्र मनभेद कधीच नाही आणि कधीच होणार नाही . काल ही सन्मान होता आजही राहील आणि नेहमी राहणार आहे. तुम्हाला आमच्या पक्षाच्या वतीने व तुमचे अडीच वर्ष तुम्ही प्रभावीपणे पूर्ण केल्याबद्दल अभिनंदन जय हिंद. दुसरं आता त्यांच्याबरोबर मावळते आमचे अडीच वर्षाचा काळ ज्यांचा पूर्ण होत आहे चंद्रकांत वैती साहेब त्यांना विसरुन तर जमणार नाही . त्यांच्यामुळेच बरेच काही शिकलो ह्या सभागृहाच्या मिनिट्समध्ये वारंवार आलेला विषय तुम्हीच आम्हाला शिकवलं की आज आम्ही इथे

बोलतो ह्यांनी आम्हाला शिकवलं असेल तर चं द्रकांत वैतीने आणि अभिमान आहे आम्हाला ह्या शहराचे नेतृत्व करणारे आमचे नेते मुझफ्फर हुसैन साहेबांचे मित्र कार्यकर्ते शिष्य म्हणून त्यांनी राजकीय चळवळीमधून या महानगरपालिकेच्या कामकाजामध्ये नगरपालिका कामकाजामध्ये सुरुवात केली चांगलं काम केलं. प्रभावीपणे काम केलं. खरतर ह्या गावाचे सुपुत्र आहेत. घोडबंदर किल्ल्याच्या खाली राहणारा हा व्यक्ती घोडबंदरमध्ये शिवरायांची कजायांची ताळ गडावरुन येणारं पाणी त्या विहीरीमध्ये गेले ते पिऊन तुम्ही शिवरायांच्या आशिर्वादाने आज इथपर्यंत पोहोचलात तीन वेळा उपमहापौर झालेत. परत व्हावे माझी शुभेच्छा. वैती साहेब तुमच्याकडून बरेच काही शिकलो अजून शिकू तुम्ही केलेलं काम ह्या शहरासाठी खरोखर चांगल काम केलं तुम्ही तुम्हाला कधीच विसरणार नाही. केलेल्या कामाची तुम्हाला शुभेच्छा. अडीच वर्ष पूर्ण केले त्याच्याबद्दल अभिनंदन. जय हिंद, जय महाराष्ट्र.

मा. उपमहापौर :-

आमचा आज कौतुक सोहळा आहे आणि आदरणीय महापौर आणि आयुक्त साहेबांच्या मान्यतेने आपले सर्वांचे आभा र मानण्यासाठी उभा आहे . असा नगरपरिषदेच्या कारकिर्दीपासून काम करत असताना ह्या सभागृहामध्ये स्व . प्रफुल्ल पाटील साहेब , मिलन म्हात्रे साहेब , लिओ कोलासो साहेब, जयंत पाटील साहेब, मुझफ्फर हुसेन साहेब असे प्रभावी आणि शक्तीशाली वक्ते यांच्या सोबत काम करण्याची संधी मिळाली बरेच चेहरे जुने आजही सोबत आहेत . खरंतर ह्या संपूर्ण सभागृहामध्ये काम करताना फार म्हणजे असे एक कौटुंबिक वातावरण नेहमीच राहिले . एक चांगली गोष्ट अशी की महापालिकेतल्या अधिकारी आणि नगरसेवक हे एखाद्या कुटुंबाचे सदस्य असल्यासारखे राहिले. ही सर्व मंडळी त्याच्यामुळे ह्या शहरामध्ये अनेक निर्णय घेताना विरोधाला विरोध म्हणून यांचा विरोध असला उजवीकडचे भाग आणि डावीकडचा भाग. उजवी ही माझीच डावीही माझीच याची खा त्री मला असायची आणि फक्त विरोधाला विरोध म्हणून काही भूमिका मांडली सभागृहात काम करताना महापालिकेत काम करताना फक्त सभागृहाचे कामकाज नव्हे तर शहरवासियांचा पी .आर.ओ. म्हणून देखील काम करावे लागते त्या दालनाच्या माध्यमातून आदरणीय महापौरांनी माझ्या दालनाच्या माध्य मातून मी ज्या ज्या लोकांना भेट देता येईल जे जे काम करता येईल ते ते करण्याचा अत्यंत मन :पूर्वक प्रयत्न केला. माझ्या अडीच वर्षाची उपमहापौर पदाची कारकिर्द अत्यंत प्रामाणिकपणे , अत्यंत इनामदारीने आणि पूर्ण जबाबदारीने मी पूर्ण केली त्याचा मला गौरव वाटतो आणि त्याची साक्षीदार तुम्ही आहात हे कामकाज करताना ह्या महापालिकेतील सर्व अधिकाऱ्यांचे सहकार्य लाभलं त्याबद्दल त्यांचे ही मनपूर्वक आभार. आमचे सत्ताधारी नगरसेवकांनी एखादा विषय त्यांना पटत असेल नसेल परंतु पक्षांनी भूमिका मांडली त्यावेळेला सगळे जण पूर्ण ताकतीन आमच्या सो बत राहीले प्रसंगी कटू बोलल्यानंतर देखील विरोधी बाकांवरची आमच्याच कुटुंबातील सदस्य यांच्याशी अधिकच बोललं असेल तर त्याबद्दल आज दिलगीरी व्यक्त करतो इथे झालेले विषय इथेच संपवायचे आहेत . एक उक्ती आहे जशी पाखरे येत्याने स्फूर्ती ठेवून जाती अशाच स्फुर्ती सगळ्यांच्या बद्दल आमच्या मनात आहे त्या चांगल्या राहतील सभागृहामध्ये विषय चर्चा होत असताना हे शहर आमचे आहे ही माती आमची आहे हे गाव आमचे आहे . ह्या शहरात राहणारा प्रयत्येक माणूस आमचा आहे ही भावना आमची असते . आमचे पत्रकार मित्र आहेत . त्यांना आजच्या ह्या समारंभाच्या भाष णातून एक विनंती आहे की शहरामध्ये कुठचा विषय होतो आणि त्याला अपप्रसिध्दी द्यायची बदनामी तुम्ही आम्ही राहतो त्या शहराची होते . हे शहर आपलं आहे , गाव आपले आपण काहीतरी बातमीच्या उद्देशाने एखाद्या व्यक्तीला बदनाम करायचे असते किंवा एखादा विषय अतिरंजीत केल्यामुळे श हराची बदनामी होते ती टाळण्यासाठी जसं ह्या शहरवासियांच काम आहे तसे पत्रकाराचं पण काम आहे . आमच्या एक सहकार्याने मित्र आहेत आमचे ते ह्या सदनामध्ये विषय पास झाला की छत्रपती शिवरायांचा पुतळा त्या मेट्रोने बाधीत होतो त्या संदर्भातली भूमिका होती . ठराव ह्या सर्वानु मते झाला सदनात भारतीय

जनता पार्टीने ठराव मांडला. शिवसेनेने विरोध केला नाही. काँग्रेसने विरोध केला नाही आणि अचानक सोशल मिडीयावरती बातमी आली हा छत्रपती शिवरायांचा पुतळा घोडबंदरला हटवल्यावरती चालेल का मग दिलेले जेवढे ज्ञान आहे तेवढ्यात ज्ञानाच्या आधारे अनेक लोकांनी आपल्या अनेक घोषणा केल्या रणकंदन माझे ह्याला हातपाय तोडू , मोर्चे काढू, हिंमत आहे का भारी पडेल . वास्तवता तो विषय घेताना तो विचार करायला पाहिजे होता. छत्रपती शिवरायांचा पुतळा काय छत्रपती शिवरायांची जयंती उत्सव याच्यामध्ये सगळ्यांनीच भाग घेतला. आपण सुध्दा तोंडातून त्याचा जयघोष हात होता आणि त्या पुतळ्यावरती काही लोकांनी काय काय भाष्य केले . तो पुतळा जिथे आहे आठवणीचा विषयच नव्हता परंतु तसा दाखवण्याचा प्रयत्न केला . हे दोन विषय होते . तो छत्रपती शिवरायांचा 31 फुट ऊंचीचा उभा पुतळा घोडबंदरच्या नाक्यावरती जो हायवे रोड जातो तो 30 मीटरचा आहे, 18 मीटर रोड जो काँक्रीटचा घोडबंदर गावातून जातो आणि ह्या मिरा भाईंदर शहरातला सगळ्यात मोठा रस्ता 7 मीटर काँक्रीटचा रस्ता ज्याला एम .एम.आर.डी ने फंडींग केलेले आहे ज्याची 1780 मीटरची प्रत्यक्ष मंजुरी झालेली आहे ज्यातला 1030 मीटरचा प्रत्यक्ष रस्त्याचे बांधकाम झालेले आहे त्या रस्त्याच्यामध्ये एक त्रिकोण आहे तो 9 गुंठ्यांचा आहे त्या 9 गुंठ जागेमध्ये छत्रपती शिवरायांचा उभा पुतळा बसवण्याचे धोरण निश्चित झाल त्याच्यासाठी दोन करोड अठ्ठयाण्णव लाख रुपयाचा निधी मंजूर करण्यात आला. आता तिथे पुतळा बसवायचा चालू होता वगैरे भाषा मग हे काय ते काय हे बघा छत्रपती शिवाजी महराज सर्वांचेच आहेत . नुसते काय मराठ्यांचेच आहेत असे नाही . हिंदुचेच आहेत असे नाही . संपूर्ण विश्वाला वंदनीय आहेत आणि काशिमिराला ज्याठिकाणी पुतळा आपण अलायमेंटमध्ये येतो त्या ब्रिजला लागतो ही काय तो सर्वानुमते निर्णय घ्यायचा आहे. परंतु तिथे होऊ घातलेला मिरा भाईंदरमध्ये येणारी मेट्रो ज्याच्याबद्दल ह्या सभागृहामध्ये सात त्याने चर्चा केली गेली येणार कशी, येणार नाही आम्ही ठामपणे सांगत होतो येणार आहे . येणार नाही सांगणाऱ्याची संख्या तशीच मजबूत होती . आज ते ही बोलता त येणार आहे प्रत्यक्ष काम सुरु झाले आहे . पण त्या स्टेशनचा ह्या मिरा भाईंदरमध्ये नऊ मेट्रोची स्टेशन देण्याचे जेव्हा निश्चित धोरण आले आणि एम.एम.आर.डी.ए. ने आपल्या ला कळवलं मेट्रो ऑथोरिटीने आप ल्याला कळवलं की आम्हाला ह्या स्टेशनची नावं निश्चित करुन द्या तेव्हा काशिमिराला शिवाजी महाराजांचा पुतळा आहे त्या परिसरात होणाऱ्या स्टेशनला छत्रपती शिवाजी महाराज स्टेशन नाव दिलेलं आहे मग तो पुतळा हटवण्याचे धाडस कोण करणार आहे परंतु अशा पध्दतीने समाजामध्ये चुकीचे वातावरण पसरवलं गेले असे करु नका . तुमचा कोणाला बद नाम करायचे असेल किंवा तुमची समज असेल त्याच्यामुळे पहिले व्यवस्थित खातरजमा करुन घ्या. उद्देश सगळ्यांचे चांगले असतात परंतु आपल्या एखाद्या चुकीच्या कृत्यामुळे समाजामध्ये एकमेकांमध्ये दुरी आणि दरी निर्माण होईल असे करु नका ही विनंती आहे . सर्वांनी मन:पूर्वक आम्हाला सगळी मदत केली, साथ दिली त्याबद्दल सत्तापक्षाचे नगरसेवक, विरोधी बाकावरचे नगरसेवक, महापालिकेतले सर्व अधिकारी विशेष करुन सचिवांची सातत्याने होणारी मदत , तत्कालीन आयुक्त बालाजी खतगावकर साहेब, डॉ. नरेश गिते साहेब तसेच बी.जी.पवार साहेबांच आम्हाला मदत झाली. ह्या सर्वांचे आज मन:पूर्वक इथे आभार मानतो आणि बालाजी खतगावकर साहेबांनी तर अगदी आमच्या सगळ्यांना परिचयाचे ते वारंवार पूर्वी उपआयुक्त म्हणून काम करुन गेले होते त्यांचे ही फार चांगल सहकार्य झालं. एक चांगली कामगिरी करत असताना जेव्हा जेव्हा राज्यात सत्ता बदल होते तेव्हा तेव्हा त्या त्या पध्दतीचे बदल होत असतात . अपेक्षित बदल झाले मला तर मंत्रालयात ते रुजू झालेत त्यांचे ही आभार . आजच्या ह्या मंचावर मी मानतो आणि डांगे साहेबांनी ह्या महापालिकेत काम करताना खूप आनंद होईल साहेब ही आमची लोक फक्त जीभेने कडवे आहेत, मनाचे सगळे गोड आहेत आणि सगळे चांगले आहेत . आदर तितकेच करणारे आहेत , रिस्पेक्ट देणारे आहेत. तुम्ही तुमच्या कारकिर्दीत अनेक महापालिका अनेक शहरांमध्ये लोकप्रतिनिधी पाहिले असतील पण मिरा भाईंदरमध्ये काम करुन गेलेला अधिकारी हा मिरा भाईंदरला कधीच विसरत नाही तो कायमस्वरुपी

मिरा भाईंदरशी नातं टिकवतो. आदरणीय महापौर मॅडम आणि आमचे तत्कालीन आमदार नरेंद्र मेहता साहेब प्रचंड धाडसाने त्यांनी ह्या शहरामध्ये अत्यंत वेगवान काम केली म्हणजे मिरा भाईंदरच्या इतिहासात कधीच एवढ्या जोरात काम झाली नव्हती त्या नरेंद्र मेहता साहेबांचे आभार मानतो आ णि डिम्पल मेहता मॅडम बद्दल तर मी सातत्याने बोललो आहे की त्यांचा पायगुण चांगला त्या आल्यापासून अनेक गोष्टी चांगल्या चांगल्या झाल्या आणि एवढ्या वेगाने एखाद्या महापालिकेचं कामकाज होत नाही परंतु तुम्ही आम्ही सगळे जण सक्षमपणे त्यांच्यासोबत उभे राहिलो आणि एखादा दहाव्या क्रमांकावर आलेला फलंदाज पण दिवस चांगला असेल तर 4-5 सिक्सर ठोकून टाकतो तसे महापौर मॅडम तुमचा दिवस तुमचे अडीच वर्ष तुमची पाच वर्ष अत्यंत उत्तम होती . फार फार चांगले काम केलं तुमचे मन:पूर्वक आभार मानतो आणि सगळ्यांना नमस्कार. जय हिंद, जय महाराष्ट्र.

डिम्पल मेहता :-

आज की इस 20/02/2020 महासभा की निमित्त आग की इस आभार प्रदर्शन में उपस्थित उपमहापौर चंद्रकांतजी वैती आयुक्त चंद्रकांत डांगे साहेब, अतिरिक्त आयुक्त सुनिल लहानेजी अपने सचिव महोदय सर्व उपस्थित सन्मा. नगरसेवक/नगरसेविका उपस्थित सभी पत्रकार बंधु सर्व उपस्थित इस शहर के नागरिक सभी ने अपनी अपनी भूमिका निभाई सबने अपने विचार यहाँ पे व्यक्त किया और उपमहापौरजीने भी अपने विचार व्यक्त किए बहुत एक्सपिरयन्स यहाँ पे मिला मैं सच बोलू तो मैं नई नई आई थी और नया नया मेरा एक्यपिरियन्स था लेकिन मुझे अनुभवी के रुप में उपमहापौर चंद्रकांत वैतीजी ने यहाँ पे अनेक अनुभव हुए इस महासभा में अनेक अच्छे ठराव हूए कुछ कुछ ठराव में मतभेद भी हुए जैसे प्रविण पाटीलजी ने कहाँ लेकिन मन के मतभेद कभी नही हुए और सभी को मैंने बोलने की संधी किए चाहे नगरसेवक भारतीय जनता पार्टी के हो काँग्रेस के हो, शिवसेना के हो अन्य सभी को मैंने बोलने की संधी यहाँ पे दी अगर उसमे भी कुछ कमी आपको मेहसूस हुई तो उसके लिए मैं दिलगिरी व्यक्त व्यक्ती करती हूँ आज के दिन लेकिन मैंने जानबूज के तो ऐसा नही किया होगा हो सकता है जानेअनजाने में कभी ऐसा हो गया होगा तो उसके लिए मैं सभी को दिलगिरी व्यक्त करती हूँ| मेरे इस ढाई साल के कार्यकाल में यहाँ पे चार आयुक्त अभी अभी नवनिर्वाचित आयुक्त हमारे डांगेजी आए है , लेकिन सबने प हिले यहाँ पे गिते जी थे उसके बाद बी.जी. पवार उसके बाद बालाजी खतगावकर और अभी चंद्रकांत डांगेजी इतना तो नही बोल सकती हूँ, उन तिनो का अलग अलग एक्सपिरीयन्स रहा उनके अलग अलग भावनाए थी सभी नगरसेवक के लिए उनकी अलग अलग भावनाए थी लेकिन फिर भी उनको समझ के उनसे बातचीत करके इस शहर का विकास करने का पूर्ण रुप से कोशिश की उनके अनुभव हमे मिले और सभी नगरसेवक के अनुभव मुझे मिले, चाहे वो सिनियर हो यहाँ पे सभी मुझे लगता है प्रभात पाटील को बोल दू , काका बोल दू, धृवकिशोरजी बोल दू, प्रविण पाटीलजी है, जुबेर इनामदारजी है सभी बहुत से नगरसेवक है यहाँ पे वरिष्ठ है जो बहुत सालो से यहाँ पे है | और सभी जानकार है और अनुभवी होने के वजह से मुझे जहाँ जहाँ जो क्षेत्र में जाती थी वहाँ वहाँ सभी नगरसेवक मुझे हमेशा संयोग मिलता रहा है | हमेशा संयोग से काम उनका संयोग मिला तभी जाके आज इस शहर का जो ढाई साल के कार्यकाल में विकास का कार्य हुआ है | उसमें आप सभी का संयोग है , आप सभी का योगदान है | इसलिए मैं आप सभी का धन्यवाद करती हूँ और जिस तरह हम विकास का कार्य इस ढाई साल से कार्यकाल में हमने किया है उसी तरह हम आगे भी करते रहेंगे | मैं जो आनेवाले महापौर होगे , उपमहापौर होंगे उनको भी में वही कहूँगी की हमेशा अच्छे कार्य करेंगे साथ में मिलकर जो भी यहाँ पर महापौर आएगा, उपमहापौर आएगा वो भी इसी तरह का कार्य करेंगे वैसे मैं उनको कहूँगी साथ ही मैं एम.एम.आर.डी.ए के माध्यम से भी मुझे दो साल की वहाँ पर में सदस्य रही तो वहाँ पर भी डायरेक्ट सी.एम. से एक बात करने का मौका मिला मुझे आपने मिरा भाईंदर शहर के सभी प्रश्न वहाँ पे रखने का जो एक सौभाग्य प्राप्त हुआ तो मैं आज आदरणीय देवेंद्र फडणवीसजी उनका भी यहाँ पर

धन्यवाद व्यक्त करती हूँ , आभार व्यक्त करती हूँ | साथ ही हमारे नेता आदरणीय नरेंद्र मेहताजी उनका भी यहाँ पे मैं आभर व्यक्त करती हूँ | क्योंकी हमारे मार्गदर्शन वही थे , उनके मार्गदर्शन के बिना इस शहर में बहुत से ऐसे कार्य जो है , वह नामुमकीन थे, उसको मुमकीन बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन की जरुरत थी वह मुझे मिली और आज यहाँ पे बहुत अच्छी संधी मिली काम करने की इसके लिए में सभी पत्रकार बंधुओ का भी धन्यवाद करती हूँ की उन्होने पॉझिटिव्ह हा या ने गेटिव्ह हो कीसी भी प्रकार के हो लेकिन अच्छी बाते जो सच्ची बाते थी वह छापने की पुर्ण रुप से कोशिश की कहने की कोशिश की , मिरा भाईंदर क्षेत्र के नागरिको के सामने लाने की कोशिश की इसके लिए में पत्रकार बंधु का भी यहाँ पे धन्यवाद व्यक्त करती हूँ और पूर्ण शहर के यहाँ पे अलग अलग क्षेत्र के नागरिक यहाँ पे बैठे हुए है उनका भी में धन्यवाद व्यक्त करती हूँ की हमेशा जो भी इस ढाई साल के कार्य में हुआ है वह सभी मैंने अलग अलग माध्यम से आप लोगो तहेत पहुँचाने के लिए पूर्ण रुप से कोशिश की सभी उनको सहराहा सभीने साथ सहकार्य दिया उसी तरह का सहासहकार आप सभी का रहेगा ऐसी अपेक्षा करती हूँ| साथ ही नए आयुक्त चंद्रकांत डांगेजी यहाँ पर आए हुए है मैं उनसे भी अपेक्षा करुंगी की इस आपकी पहली महासभा थी और आपने देखा की सभी ने अपने अपने यहाँ पे विचार रखे, प्रश्न रखे तो आज ही इस महासभा में सातवे वेतन का भी एक ठराव हुआ है| तो उसमें सभी कर्मचारीओ को अभिनंदन करती हूँ , शुभकामनाए देती हूँ | लेकिन साथ में वह निष्ठा के साथ इमानदारी के साथ इस मिरा भाईंदर क्षेत्र में काम करेंगे वैसी अपेक्षा भी उनसे में रखती हूँ| आपके आकर नया नया कारभार आपने संभाला है तो मु झे पूर्ण विश्वास है की सभी नगरसेवक को साथ न्याय होगा| पूर्ण मिरा भाईंदर क्षेत्र के नागरिक के साथ न्याय होगा यही अपेक्षा में आपसे ही करती हूँ | मेरे पूर्ण मिरा भाईंदर क्षेत्र के अधिकारी खांबितजी हो , बारकुंड हो, बेलवटे साहेब हो, वाकोडे साहब हो सभी अधिकारीओ का भी मैं आभार व्यक्त करती हूँ | इस ढाई साल के कार्यकाल में मुझे जहाँ जहाँ उनकी जरुरत पडी, जहाँ जहाँ मुझे लगा वहाँ से उन सभी अधिकारीयो ने मेरा सहास सरकार दिया चाहे किसी का काम कम हूआ हो , किसी का लेट हुआ हो , किसी का नही हूआ हो लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है की अ गर हम अधिकारी के साथ अच्छी तरह बीहेव करते है , अच्छी तरह से बात करते रहते है , सच्चाई के साथ हम उनसे बात करते है तो मुझे ऐसा लगता है की सभी अधिकारी को पूर्ण रुप से समझ के उस कार्य को पॉझिटिव्ह करने की पूर्ण रुप से कोशिश करते रहे और आगे भी उनसे अपेक्षा है की अच्छी तरह से काम करे और लोगो के सामने जो नगरसेवक को की छाप जाती है वह अधिकारी के काम की उपर जाती है तो छाप अपनी सहीसलामत रखे यही कोशिश रहेगी मेरी और फिरसे एक बार मैं उपमहापौर चंद्रकांत वैतीजी का भी धन्यवाद करती हूँ की हमेशा हम साथ में ढाई साल के कार्यकाल में साथ में रह के इस महासभा को चलाने की कोशिश की उनका अनुभव भी मुझे काम आया बहुत कुछ सिखने को मिला| वरिष्ठ नगरसेवको से सिखने को मिला और अन्य जो भी नगरसेवक है उन्होंने भी सहास सरकार दिया इसके लिए मैं मन:पूर्वक आप सभी का दिल से धन्यवाद, आभार व्यक्त करती हूँ और फिर से एक बार अगर किसी को भी जाने अनजाने में कुछ तकलीफ हुई हो उसके लिए दिलगीरी व्यक्त करती हूँ | बहुत बहुत धन्यवाद. जय हिंद, जय महाराष्ट्र| आज की यह महासभा संपन्न हुई है, ऐसा में घोषित करती हूँ बहुत बहुत धन्यवाद.

**अभिनंदन ठराव क्र. 105 :-**

**मा. महापौर व उपमहापौर यांनी त्यांचा अडीच वर्षाचा कालावधी यशस्वीरित्या पूर्ण करुन या शहराचा सर्वांगीण विकासासाठी मोलाचे सहकार्य केल्याबद्दल त्यांचा अभिनंदन ठराव मांडत आहे.**

**सुचक :- श्री. धृवकिशोर पाटील अनुमोदक :- श्री. प्रशांत दळवी**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

**सभा संपली असे मी जाहिर करतो.**

**(सभा संपण्याची वेळ दु. 02.30 वाजता)**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

(वासुदेव शिरवळकर)

नगरसचिव

मिरा भाईंदर महानगरपालिका